राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 223 पटना (बिहार) शनिवार 14 जून 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

मोदी ने किया अहमदाबाद प्लेन क्रैश साइट का दौरा, घायलों से की मुलाकात

अहमदाबाद।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अहमदाबाद विमान हादसे के पीड़ितों से मुलाकात के लिए आज अहमदाबाद पहुंच गए हैं। उन्होंने क्रैश साइट का दौरा किया और अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात भी की। विमान हादसे में मरने वालों में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी और कई विदेशी नागरिकों समेत 265 लोगों की मौत हो गई थी। अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर (एआई171) विमान गुरुवार दोपहर को अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद यहां एक मेडिकल कॉलेज परिसर में क्रैश हो गया था। इस हादसे में अब तक 265 लोग मारे जाने की खबर है। विमान में दो पायलट और चालक दल के 10 सदस्य सहित 242 लोग सवार थे। हालांकि, इस भीषण हादसे में विश्वाश कुमार रमेश नामक एक यात्री चमत्कारिक रूप से बच गया। वह विमान के अंदर 11ए सीट पर बैठा था। एयर इंडिया के मुताबिक, विमान में सवार 230 यात्रियों में से 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, एक कनाडाई और

सात पुर्तगाली नागरिक थे। विमान में सवार अन्य 12 लोगों में दो पायलट और चालक दल के 10 सदस्य थे।

अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास सिविल अस्पताल और बीजे मेडिकल कॉलेज परिसर में विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना देश के सबसे घातक विमान हादसों में से एक है। डीसीपी कानन देसाई ने संवाददाताओं से कहा कि हमें प्राप्त संदेश के अनुसार 265 शव सिविल अस्पताल पहुंचाए जा चुके हैं। वहीं, एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मरने वालों में चार एमबीबीएस छात्र और एक डॉक्टर की पत्नी भी शामिल है। मुकेश अंबानी मदद के लिए बढ़ाया हाथ

उद्योगपति मुकेश अंबानी ने विमान हादसे पर दुख जताते हुए मदद का भरोसा दिलाया है। उन्होंने कहा कि हम इस दुखद घटना से प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। दुख की इस घड़ी में रिलायंस चल रहे राहत प्रयासों को अपना पूरा और अटूट समर्थन देता है और हर संभव तरीके से सहायता करने के लिए तैयार है। हम प्रार्थना करते हैं कि प्रभावित सभी लोगों को इस अकल्पनीय क्षति से उबरने की शक्ति और सांत्वना मिले। विजय रुपाणी की पत्नी अहमदाबाद पहुंचीं गुजरात के पूर्व सीएम और भाजपा नेता विजय रुपाणी की पत्नी अंजलि रुपाणी अहमदाबाद पहुंचीं। विमान दुर्घटना में भाजपा नेता विजय रुपाणी की मौत हो गई थी। डीएनए सैंपल इकट्ठे करने का काम शुरू अहमदाबाद में एआई-171 विमान दुर्घटना के बाद एकमात्र जीवित बचे यात्री और घायल एमबीबीएस छात्रों का इलाज तथा मृतक यात्रियों की पहचान के लिए डीएनए सैंपल एकत्रित करने का काम अहमदाबाद सिविल अस्पताल में किया जा रहा है।

अहमदाबाद विमान हादसा: आएंगे तब बात करेंगे, फिर पटना की मनीषा अपनी मां के पास कभी नहीं लौटी

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

पटनाः अहमदाबाद में हुए दर्दनाक विमान हादसे में बिहार की एक बेटी और एयर इंडिया की एयर होस्टेस मनीषा थापा की जान चली गई। पटना की रहने वाली मनीषा उस फ्लाइट में ड्यूटी पर थीं, जो गुरुवार को अहमदाबाद के सरदार पटेल एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस भीषण हादसे में विमान में सवार 241 लोगों सहित कुल 265 लोगों की मौत हो गई, जिनमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी शामिल थे। हालांकि, विमान में सवार एकमात्र यात्री, भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक विश्वास कुमार, इस त्रासदी से बाल-बाल बच गए। हादसे से कुछ पल पहले मनीषा ने अपनी मां को फोन किया था। घरवालों के मुताबिक, उन्होंने अपनी मां से कहा था कि मां, प्लेन टेकऑफ होने वाला है, लौटकर आएंगे तब बात करेंगे। उनकी मां ने जवाब दिया था, ठीक है बेटा। गुरुवार को उड़ान से पहले अपनी मां के साथ मनीषा थापा की यह आखिरी बातचीत साबित हुई। अब वो कभी लौटकर बात करने नहीं आएंगी, जिसने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। मनीषा होली में घर आई थीं और उस दौरान घर में खूब रंग जमा था। वो घर की सबसे बड़ी बेटी थीं। गुरुवार को अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने वाला एयर इंडिया का अक-171 विमान उड़ान भरने के महज तीन से चार मिनट बाद ही बीजे मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर हॉस्टल पर जा गिरा। जमीन पर गिरते ही विमान आग का गोला बन गया और देखते ही देखते मलबे में तब्दील हो गया। यह हादसा इतना भयानक था कि इसमें सवार यात्रियों

और चालक दल के सदस्यों के बचने की कोई गुंजाइश नहीं थी। मनीषा थापा, जो मूल रूप से दार्जिलिंग की थीं, उनका जन्म पटना में हुआ था। वो पटना के सेंट जेवियर्स कॉलेज की पूर्व छात्रा थीं। एयर होस्टेस बनना मनीषा का सपना था, जिसे उन्होंने कड़ी मेहनत से पूरा किया था। उन्होंने पहले इंडिगो एयरलाइंस और आकाश एयर के लिए भी काम किया था, जिसके बाद वह एयर इंडिया में शामिल हो गईं। एयर इंडिया में वो लंदन और ऑस्ट्रेलिया जाने वाली उड़ानों पर अपनी सेवाएं देती थीं। पिछले तीन वर्षों से वो एयर इंडिया में कार्यरत थीं और गुरुवार को लंदन के लिए उड़ान भरने वाले विमान में वो क्रू की सदस्य थीं। उनके निधन से कॉलेज में भी मातम पसर गया है। मनीषा के निधन की खबर मिलने के बाद उनके परिवार और सेंट जेवियर्स कॉलेज में शोक की लहर दौड़ गई है। मनीषा का पूरा परिवार पटना में बिहार स्पेशल आर्म्ड पुलिस ग्राउंड से कुछ दूरी पर जगदेव पथ इलाके में श्यामा अपार्टमेंट के पास रहता है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में जेल काट रहे दोस्त को शराब पिलाने पहुंचा युवक, ; पुलिस ने पकड़ा

क्राइम संवाददाता द्वारा

जमुई :बिहार में शराबबंदी कानून को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन शुक्रवार को जमुई कोर्ट में जो दृश्य सामने आया, उसने न सिर्फ कानून व्यवस्था बल्कि न्यायपालिका की गरिमा पर भी सवाल खड़े कर दिए। जेल में बंद एक कैदी की शराब पीने की चाहत को पूरा करने के लिए उसका दोस्त सीधे अदालत परिसर में शराब की बोतल लेकर पहुंच गया और पेशी के दौरान ही अपने मित्र को जाम परोसने लगा। हालांकि वक्त रहते पुलिस की नजर पड़ गई और युवक को शराब के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया गया। जानकारी के मुताबिक, घटना जमुई कोर्ट परिसर स्थित एडीजे-2 की अदालत के बाहर की है। यहां जेल में बंद कैदी ऋषि कुमार की पेशी होनी थी, जो अवैध निकासी और पंचायती राज पदाधिकारी से मारपीट के मामले में आरोपी है। इसी मामले में पहले गिरफ्तार हुआ आशीष रंजन उर्फ गांधी, जो अब जमानत पर बाहर है, भी अपनी पेशी पर कोर्ट पहुंचा था। पुलिस के मुताबिक, आशीष एक बोतल में शराब और दूसरी में स्प्राइट लेकर आया था। अदालत के बाहर उसने प्लास्टिक के गिलास में दोनों मिलाकर ह्यपानीह्न के रूप में ऋषि को पिलाने की कोशिश की। शुरूआत में लोगों को लगा कि वह कैदी को सिर्फ पानी पिला रहा है, लेकिन जब पास खड़े पुलिसकर्मियों को गंध से शक हुआ तो बोतल की जांच की गई। पुष्टि के लिए गिलास में मौजूद तरल को एक अन्य व्यक्ति को पिलाया गया, जिसने पीते ही उल्टी कर दी और

बताया कि उसमें शराब है। इसके बाद तुरंत आशीष रंजन उर्फ गांधी को गिरफ्तार कर लिया गया और उसे थाने ले जाया गया। गिरफ्तार युवक आशीष रंजन जमुई जिले के सोनो थाना क्षेत्र के ओलीपुर गांव का निवासी है। वह पहले भी उसी केस में जेल जा चुका है, जिसमें ऋषि कुमार फिलहाल बंद है। बीपीआरओ उपेंद्र कुमार वर्मा से मारपीट के मामले में दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। आशीष को बाद में जमानत मिल गई थी, लेकिन उसने कानून को धता बताते हुए कोर्ट परिसर में ही शराब पिलाने की हरकत कर डाली। घटना की पुष्टि करते हुए

बिहार के आठ मंत्रालयों में सेटिंग ! करोड़ों के टेंडर मैनेज करने वाले रिशु श्री के ठिकानों से ईडीको क्या मिला,

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार के आठ-आठ मंत्रालयों में करोड़ों की टेंडर मैनेज करने वाले रिशु श्री उर्फ रिशु रंजन सिन्हा पर शिकंजा कसता जा रहा। ईडी की ओर से बताया गया कि रिशु श्री के ठिकानों पर छापेमारी में 11.64 करोड़ नकद के साथ कई अहम दस्तावेज जब्त किए गए। ये मामला इसलिए भी हाई प्रोफाइल हो गया कि रिशु श्री के साथ-साथ कई ब्यूरोक्रेट की भी गर्दन फंसी हुई है। निलंबित कअर संजीव हंस से पहले ही तार जुड़ चुके हैं। गुरुवार को ही ट्रांसफर-पोस्टिंग में धांधली को लेकर एक अफसर के ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की थी। ये भी रिशु से ही जुड़ा मामला है। वैसे, रिशु के तीन राज्यों के नौ ठिकानों पर ईडी ने गुरुवार को छापेमारी की थी। इससे पहले भी छापेमारी हो चुकी है। मगर, पावर जोन के 'मिस्ट्री मैन' पर कोई भी मुंह खोलने को तैयार नहीं है।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पटना जोनल कार्यालय ने ठेकेदार रिशु श्री उर्फ रिशु रंजन सिन्हा के खिलाफ मनी लाउंड्रिंग तहत कार्रवाई की। तीन राज्यों में उसके ठिकानों पर छापेमारी कर 11.64 करोड़ रुपए की नकदी और कई दस्तावेज जब्त किए हैं। ईडी ने बिहार के पटना और मुजफ्फरपुर, गुजरात के सूरत और हरियाणा के पानीपत में नौ स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल सबूत और लगभग 11.64 करोड़ रुपए नकद जब्त किए गए। जांच अभी जारी है। जांच एजेंसी ने ये कार्रवाई बिहार की विशेष सतर्कता इकाई (एसवीयू) की ओर से दर्ज एक एफआईआर के आधार पर शुरू की। रिशु श्री उर्फ रिशु रंजन सिन्हा की फर्म बिहार सरकार के विभिन्न विभागों जैसे जल संसाधन, स्वास्थ्य, सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग, शहरी विकास, बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम (बीयूआईडीसीओ), शिक्षा, भवन निर्माण और ग्रामीण कार्य विभाग में ठेकेदार या उपठेकेदार के रूप में काम करती है। उन पर आरोप है कि उन्होंने निजी लाभ के लिए सरकारी अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर निविदाओं में गड़बड़ी की। तलाशी अभियान में रिशु श्री के अलावा उनके कुछ करीबी व्यक्तियों और ट्रैवल एजेंटों के ठिकानों को भी निशाना बनाया गया। इससे पहले ईडी ने इस मामले से जुड़े सरकारी अधिकारियों के पटना स्थित घरों पर भी छापेमारी की थी, जिसमें भारी मात्रा में नकदी और आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई थी। ईडी के अनुसार, रिशु श्री उर्फ रिशु रंजन सिन्हा और उनके सहयोगियों ने सरकारी ठेकों में

अनियमितताओं के जरिए अवैध कमाई की और इसे विभिन्न तरीकों से छिपाने की कोशिश की। जब्त दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों से इस मामले में और गहरी साजिश का खुलासा होने की संभावना है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जांच एजेंसी ने संकेत दिए हैं कि इस मामले में और भी लोगों के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। ईडी ने कहा कि जब्त सामग्री की गहन जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बिहार सरकार की टेंडरों में कथित अनियमितताओं के संबंध में ह्यठेकेदार-नौकरशाह गठजोड़ह्न से जुड़े धन शोधन मामले (मन लाउंड्रिंग) की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कई राज्यों में छापेमारी की। ईडी ने कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत पटना स्थित ठेकेदार रिशु श्री उर्फ रिशु रंजन सिन्हा से जुड़े मामले में पटना और मुजफ्फरपुर (बिहार), सूरत (गुजरात) और पानीपत (हरियाणा) में नौ स्थानों पर छापेमारी की गई। इसमें कहा गया कि ठेकेदार से जुड़े कुछ लोगों और ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ की गई छापेमारी के दौरान अपराध से जुड़े कई सबूत और दस्तावेज जब्त किए गए।

रिशु श्री उर्फ रिशु रंजन सिन्हा की कंपनियां बिहार सरकार के विभिन्न विभागों जैसे जल संसाधन, स्वास्थ्य, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, शहरी विकास, बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम, शिक्षा, भवन एवं निर्माण और ग्रामीण कार्य विभाग में कॉन्ट्रैक्ट और पेटी कॉन्ट्रैक्ट हासिल करती है। ईडी ने कहा कि ऐसा आरोप है कि ठेकेदार ने अवैध व्यक्तिगत लाभ के खातिर निविदाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए विभिन्न सरकारी अधिकारियों के साथ सांठगांठ की। एजेंसी ने मार्च में इस मामले में कुछ सरकारी अधिकारियों के खिलाफ इसी तरह की छापेमारी की थी और 11.64 करोड़ रुपये जब्त किए थे।

इससे पहले, पटना में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को सामान्य प्रशासन विभाग में संविदा पर कार्यरत अंडर सेक्रेट्री विनोद कुमार सिंह के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की। गोला रोड स्थित उनके आवास और फार्म हाउस सहित पटना में कुल छह स्थानों पर ये छापेमारी की गई। मिली जानकारी के मुताबिक, विनोद कुमार सिंह पर गंभीर आरोप हैं कि वो रिशु श्री के इशारे पर सामान्य प्रशासन विभाग के जरिए छोटे कर्मचारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग में अनियमितता कर रहे थे।

बजाज एलियांज इंश्योरेंस ऑफिस में लगी भीषण आग

क्राइम संवाददाता द्वारा

सारण :सीवान शहर के बबुनिया मोड़ स्थित प्रकाश होटल की पहली मंजिल पर स्थित बजाज एलियांज इंश्योरेंस कंपनी के ऑफिस में शुक्रवार सुबह भीषण आग लग गई। आग से ऑफिस का लगभग सारा सामान जलकर राख हो गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है और करीब 15 लाख रुपये से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। हालांकि सही आंकलन ऑफिस की स्थिति का जायजा लेने के बाद ही लगाया जा सकेगा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, होटल प्रकाश में काम कर रहे कर्मचारियों ने अचानक ऑफिस से धुआं उठता देखा। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए उन्होंने तुरंत शोर मचाना शुरू किया। उनकी आवाज सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंचे और तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। अग्निशमन विभाग की तीन-चार गाड़ियां कुछ ही देर में मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने की कोशिश में जुट गईं। आग लगने के तुरंत बाद धुएं का गुबार पूरे होटल परिसर में फैल गया, जिससे दमकल कर्मियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। चारों तरफ धुंध जैसी स्थिति बन गई थी और कुछ भी स्पष्ट नजर नहीं आ रहा था। इसके बावजूद लगातार दो घंटे की मेहनत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। इस घटना के संबंध में बजाज एलियांज के ऑफिस मैनेजर धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि आग की वजह से ऑफिस का लगभग सारा सामान जल गया है। उन्होंने कहा कि शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना है। जब हम मौके पर पहुंचे, तो अंदर घना धुआं था और कुछ भी साफ नहीं दिख रहा था। अनुमान है कि 15 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है, लेकिन अभी कहना मुश्किल है क्योंकि अंदर जो कुछ था, वह सब जल चुका है। जिस इमारत में बजाज एलियांज का ऑफिस स्थित है, उसी के पास केनरा बैंक की शाखा भी है। अगर होटल के कर्मचारियों ने समय रहते आग पर ध्यान न दिया होता और दमकल को सूचना न दी जाती, तो यह आग बैंक तक भी फैल सकती थी, जिससे करोड़ों रुपये की संपत्ति को नुकसान पहुंच सकता था। कर्मचारियों की सतर्कता और दमकलकर्मियों की तत्परता की वजह से एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। इस घटना से क्षेत्र में दहशत फैल गई है। आसपास के दुकानदार और रहवासी इस बात को लेकर चिंतित हैं

पिता आयोग के अध्यक्ष, बेटी को बनाया सिंडिकेट का मेंबर: प्रवासी नेताओं पर इनाम की बौछार

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

बिहार बीजेपी में विस्फोट के आसार नजर आने लगे हैं. जो खबर आ रही है उसके मुताबिक पार्टी कार्यकताओं की नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है. कार्यकताओं की नाराजगी इस बात पर है कि जिन लोगों ने 30-40 साल से पार्टी को खून-पसीने से सींचा, वे सड़क पर धक्के खा रहे हैं. लेकिन, प्रवासी नेताओं पर इनाम की बौछार की जा रही है. प्रवासी नेताओं को पुरस्कृत करने के लगातार मामले सामने आ रहे हैं.

पूरी जिंदगी कांग्रेस की राजनीति करने वाले पूर्व विधान पार्षद डॉ महाचंद्र प्रसाद सिंह कुछ साल पहले बीजेपी में शामिल हुए हैं. विधान परिषद के चुनाव में बीजेपी ने उन्हें मैदान में उतारा था लेकिन हार का सामना करना पड़ा. इसके बाद महाचंद्र प्रसाद सिंह को बीजेपी ने बड़ा इनाम दिया. कुछ दिनों पहले गठित हुए सवर्ण आयोग में महाचंद्र प्रसाद सिंह को अध्यक्ष बना दिया गया है. लेकिन बीजेपी ने सिर्फ महाचंद्र प्रसाद सिंह को ही पुरस्कृत नहीं किया है, उनकी पुत्री को भी बीजेपी की ओर से तोहफा मिला है. महाचंद्र प्रसाद सिंह की बेटी सीमा शर्मा को बीआरए बिहार यूनिवर्सिटी में सिंडिकेट का सदस्य बना दिया गया है. सीमा शर्मा को 22 अप्रैल को ही राज्यपाल के प्रतिनिधि के तौर पर बिहार यूनिवर्सिटी के सिंडिकेट का सदस्य बनाया गया था. महाचंद्र प्रसाद सिंह की बेटी को सिंडिकेट का मेंबर बनाने वाला आदेश को गोपनीय रखा गया था. लेकिन जब बिहार में आयोग, बोर्ड-निगम का गठन हुआ और उनमें बीजेपी के प्रवासी नेताओं को मलाईदार जगह मिली तो ये मामला सामने आया है. बीजेपी नेताओं ने ही फर्स्ट बिहार को ये जानकारी दी है कि सीमा शर्मा दिल्ली के किसी कॉलेज में पढ़ाती हैं. उन्हें पटना के महाचंद्र प्रसाद सिंह के घर का निवासी बता कर बिहार यूनिवर्सिटी के सिंडिकेट का मेंबर बनाया गया है. बता दें कि किसी विश्वविद्यालय में सिंडिकेट का मेंबर बेहद अहम पद होता है औऱ सिंडिकेट ही यूनिवर्सिटी से संबंधित सारे अहम फैसले लेती है. बीजेपी में प्रवासी नेताओं को इनाम की बौछार से पार्टी के जमीनी कार्यकताओं और नेताओं में भारी खलबली मची है. कुछ दिनों पहले बोर्ड, निगम का गठन हुआ है. उसमें बीजेपी कोटे से मलाईदार पद पाने वाले ज्यादातर लोग ऐसे हैं, जो कुछ दिनों पहले पार्टी में शामिल हुए थे. पार्टी ने उन्हें पुरस्कृत कर दिया. सवर्ण आयोग के अध्यक्ष की कुर्सी महाचंद्र प्रसाद सिंह को मिली जिन्होंने पूरी जिंदगी कांग्रेस की राजनीति की. इसी आयोग में राज कुमार सिंह को जगह दे दी गयी. कुछ ही साल पहले बीजेपी में शामिल होने वाले राज कुमार सिंह को पार्टी के ज्यादातर नेता पहचानते तक नहीं. इसी तरह से खाद्य आयोग में ऐसे नेता को मलाईदार पद मिला जो भाजपा में कब शामिल हुए, ये भी पार्टी के अधिकतर नेताओं-कार्यकताओं को पता नहीं. कई और ऐसे नेताओं को आयोग और बोर्ड-निगम में जगह मिली है. एक पखवाड़े पहले बीजेपी की प्रदेश कमेटी का भी गठन किया गया था. उस पर गंभीर सवाल उठे. दिलचस्प बात तो ये रही कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशा निदेशों को भी हवा में उड़ा दिया गया. बता दें कि 29 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पटना दौरे के दरम्यान बीजेपी के

बिहार बीजेपी में विस्फोट के आसार नजर आने लगे हैं. जो खबर आ रही है उसके मुताबिक पार्टी कार्यकताओं की नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है. कार्यकताओं की नाराजगी इस बात पर है कि जिन लोगों ने 30-40 साल से पार्टी को खून-पसीने से सींचा, वे सड़क पर धक्के खा रहे हैं. लेकिन, प्रवासी नेताओं पर इनाम की बौछार की जा रही है. प्रवासी नेताओं को पुरस्कृत करने के लगातार मामले सामने आ रहे हैं.

पूरी जिंदगी कांग्रेस की राजनीति करने वाले पूर्व विधान पार्षद डॉ महाचंद्र प्रसाद सिंह कुछ साल पहले बीजेपी में शामिल हुए हैं. विधान परिषद के चुनाव में बीजेपी ने उन्हें मैदान में उतारा था लेकिन हार का सामना करना पड़ा. इसके बाद महाचंद्र प्रसाद सिंह को बीजेपी ने बड़ा इनाम दिया.

प्रदेश कार्यालय पहुंचे थे. पार्टी ऑफिस में उन्होंने बिहार बीजेपी के सीनियर नेताओं के साथ बैठक की थी. बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने कई अहम बातें कहीं थी. पीएम नरेंद्र मोदी की बैठक के दो दिन बाद बीजेपी ने नई प्रदेश कमेटी का ऐलान किया. पार्टी की नई कमेटी में प्रधानमंत्री के संदेश को ही धत्ता बता दिया गया. प्रदेश अध्यक्ष बनने के 10 महीने बाद दिलीप जायसवाल ने अपनी नई कमेटी बनायी है. खास बात ये भी है इसमें नये नेताओं-कार्यकताओं को जगह देने के बजाय बीजेपी के दो-तीन बड़े नेताओं के खास लोगों को सेट करने की रस्म अदायगी कर दी गयी. बीजेपी सूत्रों के मुताबिक 29 मई को पार्टी के प्रदेश कार्यालय में बैठक करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई अहम बातें कहीं थी. उन्होंने कहा था कि पार्टी के समर्पित कार्यकताओं को संगठन और चुनाव में पर्याप्त महत्व दिया जाये. प्रधानमंत्री ने चुनाव के समय पार्टी छोड़ कर जाने वालों पर नाराजगी जतायी थी. उन्होंने कहा था कि जो लोग चुनाव के समय पार्टी छोड़ कर जाते हैं और फिर वापस आते हैं, उन्हें उचित सम्मान नहीं मिलता है.

बिहार बीजेपी के नेताओं के साथ बैठक में नरेंद्र मोदी ने ये भी कहा था कि पार्टी किसी नेता की जमींदारी नहीं है. अगर कोई नेता ये चाहता है कि उनकी जगह बेटा या परिवार का कोई दूसरा व्यक्ति सेट हो जाये तो ये गलत है. फिर कार्यकर्ता कहां जायेंगे. पीएम ने परिवारवाद के खिलाफ सख्त मैसेज दिया था. 30 मई को प्रधानमंत्री बिहार से वापस लौटे. 31 मई को बीजेपी की नई प्रदेश कमेटी का ऐलान हुआ. इसमें 13 उपाध्यक्ष बनाये गये हैं. पीएम ने पार्टी की बैठक में चुनाव के समय दल छोड़ कर जाने वालों पर सख्त टिप्पणी की थी. लेकिन बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्षों की सूची में राजेंद्र सिंह का नाम शामिल है. राजेंद्र सिंह 2020 के चुनाव के समय बीजेपी छोड़ कर चले गये थे और लोजपा से चुनाव लड़ा था. बाद में वे पार्टी में वापस लौटे. अब उन्हें प्रदेश का उपाध्यक्ष बना दिया गया है. प्रधानमंत्री ने पार्टी के नेताओं को कहा था कि वे दल को जमींदारी नहीं समझे. यानि पार्टी में नेताओं के परिजनों को तवज्जों नहीं मिलेगा. लेकिन उनके भाषण के दो दिन बाद जब नई कमेटी बनी तो त्रिविक्रम सिंह जैसे नेताओं को जगह दी गयी. त्रिविक्रम सिंह बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह के बेटे हैं. प्रधानमंत्री ने अपनी बैठक में नये नेताओं और कार्यकताओं को जगह देने की बात कही थी. लेकिन नई प्रदेश कमेटी में ज्यादातर चेहरे वही हैं, जो पहले से ही पदाधिकारियों की सूची में शामिल रहे हैं. खास बात ये है कि प्रदेश कमेटी में जनाधार वाले नेताओं और कार्यकताओं की जगह गणेश परिक्रमा करने वालों को खूब जगह मिली है. ज्यादातर चेहरे वही हैं जो सम्राट चौधरी, दिलीप जायसवाल, भीखू भाई दलसानिया या नागेंद्र जी जैसे नेताओं के घर से लेकर दफ्तर तक गणेश परिक्रमा करते देखे जाते रहे हैं. कहने को तो बीजेपी की प्रदेश कमेटी दिलीप जायसवाल की कमेटी है. लेकिन इसमें सबसे ज्यादा वैसे लोग शामिल हैं जो डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के खास माने जाते रहे हैं. सम्राट चौधरी के सबसे करीबी माने जाने वाले संजय खंडेलिया को

निजामुद्दीन से गाजियाबाद जा रही ट्रेन बेपटरी, कोई हताहत नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के निजामुद्दीन से गाजियाबाद जा रही एक ट्रेन पटरी से उतर गई। ट्रेन का चौथा डिब्बा प्रभावित हुआ है। अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और राहत एवं सुरक्षा उपायों का आकलन किया जा रहा है। उत्तर रेलवे के अनुसार, शाम 4:10 बजे के आसपास ट्रेन नंबर 64419 (एनजेडएम-जीजेडबी ईएमयू) का एक डिब्बा शिवाजी ब्रिज के पास डाउन मेन लाइन पर पटरी से उतर गया। रेलवे अधिकारी और कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचकर बहाली के काम में जुट गए हैं। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। रेलवे अधिकारी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सीएम रेखा गुप्ता ने उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के विकास कार्यों की समीक्षा की

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उत्तर-पश्चिमी दिल्ली संसदीय क्षेत्र के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की। इसमें सांसदों, विधायकों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ क्षेत्र की प्रमुख विकास परियोजनाओं और संबंधित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। सीएम रेखा गुप्ता ने विकास कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। बैठक में सड़कों की मरम्मत, जलापूर्ति, स्ट्रीट लाइटिंग और नालों की सफाई जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया गया। मुख्यमंत्री ने इन क्षेत्रों में सुधार के लिए ठोस कदम उठाने और कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के निवासियों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। सीएम रेखा गुप्ता ने डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल के नए ब्लॉक के निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने का आदेश दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण में तेजी लाने और तय समयसीमा के भीतर कार्य पूरा करने के लिए संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने को कहा। यह नया ब्लॉक क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अहमदाबाद विमान हादसा - जयराम रमेश ने विजय रूपाणी के साथ अपनी दोस्ती को याद किया

नई दिल्ली। अहमदाबाद विमान हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की दुखद मौत हो गई। रूपाणी के निधन पर राजनीतिक दलों के श्रद्धांजलि अर्पित की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने रूपाणी के साथ संसद में बिताए हुए समय को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। जयराम रमेश ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, मुझे अभी भी सदन में हमारी बहस याद हैं, साथ ही सेंट्रल हॉल में दोस्ताना बातचीत भी याद है, जहां हम जलवायु परिवर्तन, शहरी गर्मी और पर्यावरण के बारे में बात करते थे। वह बेहद मिलनसार थे और सदन में आक्रामकता के साथ अक्सर मुस्कुराहट भी होती थी। 2 अगस्त 1956 को म्यांमार के रंगून (अब यांगून) में जन्मे रूपाणी का प्रारंभिक जीवन राजनीतिक उथल-पुथल से प्रभावित रहा। जैन समुदाय से ताल्लुक रखने वाला उनका परिवार 1960 में राजकोट चला गया। उन्होंने कला और कानून में डिग्री हासिल की और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसकी छात्र शाखा एबीवीपी के माध्यम से अपना सार्वजनिक जीवन शुरू किया। वह नवनिर्माण आंदोलन में सक्रिय थे और आपातकाल के दौरान जेल भी गये थे। वह 1996 से 1997 तक राजकोट के मेयर रहे और कई बार गुजरात विधानसभा के लिए चुने गए।

अहमदाबाद विमान हादसे पर विदेश मंत्रालय ने जताई गहरी संवेदना, प्रवक्ता बोले-हमने कई अनमोल जिंदगियों को खोया

नई दिल्ली। अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे को लेकर विदेश मंत्रालय ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि यह एक बेहद दुखद दुर्घटना है, जिसमें कई लोगों की जान गई है। हादसे में विदेशी नागरिकों के हताहत होने की भी खबर है। दिल्ली में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए जायसवाल ने कहा, अहमदाबाद में जो कुछ हुआ, वह अत्यंत दुखद है। हमने कई अनमोल जिंदगियों को खोया है। हम उन सभी परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं, जिन्होंने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोया है। उन्होंने आगे कहा कि हादसे से जुड़ी विस्तृत जानकारी नागरिक उड्डयन मंत्रालय, एयर इंडिया और अन्य संबंधित विभागों द्वारा साझा की जा रही है। बचाव अभियान अब भी जारी है और स्थिति लगातार बदल रही है। जायसवाल ने स्पष्ट किया कि सटीक और अंतिम विवरण के लिए कुछ और समय इंतजार करना होगा।

दिल्ली एयरपोर्ट पर हाजियों की वतन वापसी शुरू, चेयरपर्सन कौसर जहां ने फूलों से किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। इस साल हज यात्रा की समाप्ति के बाद हाजियों की वतन वापसी का सिलसिला शुरू हो गया है। सऊदी एयरलाइन की उड़ान संख्या 3086 से 399 हाजियों का पहला जत्था दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के टर्मिनल 3 पर उतरा।

दिल्ली स्टेट हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां ने हज कमेटी के कार्यकारी अधिकारी अशफाक अहमद आरफी, उप कार्यकारी अधिकारी मोहसिन अली और अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ सभी हाजियों का फूलों की माला पहनाकर स्वागत किया। पहली फ्लाइट से आने वाले कुल 399 हाजियों में 188 महिलाएं और 211 पुरुष हैं। दिल्ली स्टेट हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां के अनुसार वर्ष 2024 की तुलना में इस साल

का हज यात्रा बहुत ही सुगम और सुविधाजनक रही। सऊदी अरब में मौसम अधिक गर्म और शुष्क होने के बावजूद व्यवस्था अच्छी रही, जिससे हाजियों को आसानी से हज के सारे मनासिक (विधि विधान) पूरे करने का अवसर मिला। दिल्ली स्टेट हज कमेटी के कार्यकारी अधिकारी अशफाक अहमद आरफी ने बताया कि आज से शुरू हुई हाजियों की वापसी का सिलसिला अगले माह जुलाई की 10 तारीख तक जारी रहेगा।

इस बीच कुल 37 फ्लाइट से 15069 हाजियों की वतन वापसी होगी। उन्होंने बताया कि 25 जून तक दिल्ली वापस होने वाले हाजी सऊदी अरब के जेद्दा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से आयेंगे, जबकि 26 जून से 10 जुलाई तक हाजी सऊदी अरब के शहर मदीना से दिल्ली वापस होंगे।

इस बीच दिल्ली स्टेट हज कमेटी ने वतन वापस लौटने वाले हाजियों के लिए हज मंजिल में ठहरने की व्यवस्था भी की है, ताकि दिल्ली आगमन के बाद दूर-दराज स्थानों के हाजी अपनी सुविधा के अनुसार यहां रुक सकें।

भारत-कनाडा संबंधों में सुधार की संभावना, जी-7 शिखर सम्मेलन में बातचीत का अवसर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के संबंधों में सुधार की संभावनाएं बन रही हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि दोनों देश एक-दूसरे के साथ जुड़ने और आपसी विश्वास बहाल करने के रास्ते तलाश रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का फोन आया था। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री को जी-7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। यह कॉल दोनों नेताओं के लिए भारत-कनाडा संबंधों पर विचार करने और भविष्य की दिशा तय करने का एक अवसर भी बना। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और कनाडा दोनों जीवंत लोकतंत्र हैं और कानून के शासन के प्रति समान प्रतिबद्धता रखते हैं। जायसवाल ने

बताया कि भारत और कनाडा की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच ऐसे तंत्र पहले से मौजूद हैं जो आपसी सुरक्षा संबंधी चिंताओं को समय-समय पर सुलझाते रहे हैं।

बांग्लादेश में रबींद्र नाथ टैगोर के पैतृक घर पर तोड़फोड़, भाजपा ने की घटना की निंदा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने बांग्लादेश में रबींद्रनाथ टैगोर के पैतृक घर पर तोड़फोड़ की घटना की कड़ी निंदा की है। पार्टी प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने कहा कि बांग्लादेश से जुड़े इस पूरे मामले को सरकार ने बड़ी ही संवेदनशीलता से लिया है। डॉ. पात्रा ने भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रबींद्रनाथ टैगोर ने दो राष्ट्रों के राष्ट्रगान को लिखा। भारत के राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' को रबिन्द्रनाथ जी की कलम ने ही संजोया। बांग्लादेश के राष्ट्रगान को भी उन्होंने ही लिखा था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस घर पर हाल ही में हमला किया गया था, जिसे जमात-ए-इस्लामी और हिफाजत-ए-इस्लाम के सदस्यों ने अंजाम दिया था। ये हमला योजनाबद्ध तरीके से किया गया। भाजपा प्रवक्ता डॉ. पात्रा ने कहा कि टैगोर कोई साधारण व्यक्ति नहीं थे। वे असाधारण विविधता वाले व्यक्ति थे। उन्होंने अपने साहित्य, दर्शन और दृष्टि के माध्यम से दुनिया को बहुत

योगदान दिया। टैगोर सीमाओं तक सीमित नहीं थे; उनकी विरासत राष्ट्रों से परे थी। रबिन्द्रनाथ टैगोर के दादा दी द्वारकानाथ टैगोर ने 1840 में ढाका से लगभग 125 किमी दूर सिराजगंज में दो मंजिला घर बनवाया था। डॉ. पात्रा ने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का व्यवहार उचित नहीं है। अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। वहां की सरकार इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय स्मारक को बचा कर नहीं रख सकी। भाजपा प्रवक्ता के नाते बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की हम निंदा करते हैं। जब उनके घर पर हमला होता है, तो सिर्फ़ इमारत ही नहीं बल्कि उनके सोचने के तरीके पर भी हमला होता है। हम वैश्विक समुदाय से इस कृत्य के खिलाफ़ एकजुट होने की अपील करते हैं।

मोदी सरकार ने प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को लोकतांत्रिक बनायाः अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने 11 साल के शासन में प्रौद्योगिकी के उपयोग को लोकतांत्रिक बनाया है और व्यापार क्षेत्र के लिए इसकी शक्ति का उपयोग किया है, जिससे भारत दुनिया की अग्रणी डिजिटल अर्थव्यवस्था बन गया है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा, 'मोदी सरकार ने प्रौद्योगिकी के उपयोग को लोकतांत्रिक बनाया और व्यापार क्षेत्र के लिए इसकी शक्ति का दोहन किया, जिससे भारत #vvYearsOfDigitalIndia में दुनिया की अग्रणी डिजिटल अर्थव्यवस्था बन गया। चाहे वह स्वास्थ्य सेवा हो, शिक्षा हो, व्यापार हो या वाणिज्य, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डिजिटल क्रांति के माध्यम से अर्थव्यवस्था और समाज के हर क्षेत्र को बदल दिया है।÷

डिजिटल इंडिया की प्रमुख उपलब्धियां:

- **आधार:** विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल आईडी प्रणाली÷ 140 करोड़ से अधिक लोगों को एक अनोखा 12-अंकों का आधार नंबर दिया गया है, जिससे सरकारी सेवाओं का लाभ उठाने में आसानी हुई है।
- डिजिटल पेमेंट्सः डिजिटल भुगतान प्रणाली ने देशभर में तेजी से विस्तार किया है, जिससे लेन-देन में पारदर्शिता और सुरक्षा बढ़ी है।
- डिजिलॉकरः52 करोड़ से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ताओं के साथ, डिजिलॉकर ने दस्तावेज़ प्रबंधन को आसान और सुरक्षित बना दिया है।

- जीवन प्रमाणः 10 करोड़ से अधिक पेंशनभोगियों ने डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र का उपयोग करके अपने जीवन प्रमाण को सत्यापित करने के लिए पंजीकरण कराया है।
- उमंग ऐपः 8.21 करोड़ से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ताओं के साथ, उमंग ऐप ने सरकारी सेवाओं को एक ही मंच पर लाकर नागरिकों के जीवन को आसान बना दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-प्रौद्योगिकी गरीबों को सशक्त बनाने का बड़ा माध्यम

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि प्रौद्योगिकी गरीबों को सशक्त बनाने का बड़ा माध्यम है। इसकी ताकत के प्रयोग से अनगिनत लाभ हुए हैं। जन सामान्य से जुड़ी सेवाओं में अभूतपूर्व पारदर्शिता आई है। प्रधानमंत्री मोदी ने आज एक्स हैंडल पर यह टिप्पणी डिजिटल इंडिया के 11वर्ष के अवसर पर माय गवर्नमेंट इंडिया (MyGovIndia) के पोस्ट पर की है। उन्होंने लिखा, 'प्रौद्योगिकी की शक्ति का लाभ उठाने से लोगों को अनगिनत लाभ हुए हैं। सेवा वितरण और पारदर्शिता में बहुत वृद्धि हुई है। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी सबसे गरीब लोगों के जीवन को सशक्त बनाने का एक साधन बन गई है। भारत के युवाओं की मदद से हम इनोवेशन और टेक्नोलॉजी के अनुप्रयोग में उल्लेखनीय प्रगति कर रहे हैं। यह आत्मनिर्भर बनने और

वैश्विक तकनीकी महाशक्ति बनने के हमारे प्रयासों को भी मजबूत कर रहा है। माय गवर्नमेंट इंडिया (MyGovIndia) के एक्स हैंडल पर कहा गया है,11 साल पहले, एक खामोश डिजिटल क्रांति शुरू हुई- जिसने भारत के जुड़ने, शासन करने और विकास करने के तरीके को नया आकार दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में डिजिटल इंडिया पहल ने प्रौद्योगिकी को सशक्तिकरण के एक उपकरण में बदल दिया है। अंतराल को पाटा है। अवसरों के द्वार खोले हैं। हर नागरिक के लिए शासन को अधिक सुलभ और पारदर्शी बनाया है।

माय गवर्नमेंट इंडिया की एक्स पोस्ट पर लिखा गया, दूरदराज के गांवों में इंटरनेट की पहुंच से लेकर दुनिया में अग्रणी वास्तविक समय के डिजिटल भुगतान तक, यह परिवर्तन केवल संख्याओं के बारे में नहीं है- यह लोगों, प्रगति और संभावना के बारे में है। यह डिजिटल इंडिया के 11 वर्ष में समावेशी विकास, नवाचार और डिजिटल पावरहाउस के रूप में भारत के उभरने की कहानी है। भारत की तकनीकी यात्रा क्रांतिकारी है।

अहमदाबाद में विमान दुर्घटना पर जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने दुख व्यक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली । जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के अध्यक्ष सैयद सदातुल्लाह हुसैनी ने अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान की दुखद दुर्घटना पर कहा है कि हम गहरे सदमे में हैं और दुखी हैं। इतने सारे निर्दोष लोगों की जान जाने से गमगीन हैं। यह अकल्पनीय पैमाने की आपदा है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना स्थल से दिखने वाले दृश्य अत्यंत दुखद हैं तथा लोग अपने प्रियजनों की पहचान और समाचार की प्रतीक्षा कर रहे हैं। परिवारों का दर्द शब्दों से परे है। हम बचाव और राहत कार्यों में भाग लेने वाले स्थानीय अधिकारियों और स्वयंसेवकों के अथक कार्य की सराहना करते हैं। हम सरकार से

आग्रह करते हैं कि वह इस दुखद घटना के कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच करे तथा यह सुनिश्चित करे कि सुरक्षा सुधार शीघ्रता से लागू हों। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद सभी प्रभावित परिवारों के साथ एकजुटता से खड़ी है और उनके गम में पूरी तरह से शामिल हैं।

दिल्ली भाजपा के नेताओं के साथ पीएम मोदी की साढ़े 3 घंटे चली बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने आधिकारिक आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर दिल्ली के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सभी सांसदों और विधायकों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री आवास पर उनकी यह बैठक करीब साढ़े तीन घंटे तक चली। लोकसभा चुनाव 2024 में दिल्ली की सभी सात सीटों पर भाजपा की ऐतिहासिक जीत और विधानसभा चुनाव 2025 में निर्णायक बहुमत हासिल करने के बाद यह पहली बार है जब प्रधानमंत्री ने पार्टी के दिल्ली इकाई के नेताओं के साथ सीधे संवाद किया। यह मुलाकात ऐसे समय पर हुई है जब केंद्र में भाजपा सरकार को 11 वर्ष पूरे हो चुके हैं और साथ ही दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली सरकार के 100 दिन भी पूर्ण हो चुके हैं। इस अवसर को पार्टी नेताओं ने एक सांकेतिक और उत्सवपूर्ण क्षण बताया। सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में दिल्ली के 100 दिनों के रिपोर्ट कार्ड पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी विधायकों से चर्चा की। साथ ही उन्होंने सांसदों को अपने संसदीय क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा संपर्क

अभियान बढ़ाने के लिए कहा। उन्होंने क्लीन दिल्ली ग्रीन दिल्ली मिशन पर काम करने का मंत्र दिया। राजधानी का विकास किस तरह से किया जाए, इस पर भी प्रधानमंत्री ने विधायकों व सांसदों को टिप्स दिए। वहीं मुलाकात को लेकर दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष और भाजपा विधायक मोहन सिंह बिष्ट ने कहा, ÷यह एक सुनहरा दौर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश और अब दिल्ली में भी शानदार कार्य हुआ है, जिसके लिए हम उन्हें धन्यवाद देने आए हैं। उत्तर पश्चिम दिल्ली से सांसद योगेन्द्र चंदोलिया ने बताया कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिल्ली के भविष्य के लिए निर्धारित राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टिकोण पर चर्चा करना था। उन्होंने कहा, पहले जब हम चुनाव जीतकर मिले थे, तब हमारे पास दिल्ली की सत्ता नहीं थी।

विमान हादसे पर कांग्रेस ने जताया दुख, कार्यकर्ताओं से हर संभव सहायता प्रदान करने का आग्रह

एजेंसी

नई दिल्ली। गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर कांग्रेस ने दुख जताया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पोस्ट में हादसे पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि भयावह दृश्य देखकर दिल दहल जाता है। यात्रियों, पायलट और चालक दल के परिवारों के प्रति पार्टी की हार्दिक संवेदना, विचार और प्रार्थनाएं उन्होंने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से पीड़ितों और उनके प्रियजनों को हर संभव सहायता और समर्थन प्रदान करने का आग्रह किया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने विमान दुर्घटना पर दुख जताते हुए इसे दिल दहला देने वाली घटना बताया है। राहुल ने एक्स पर साझा किए अपने संदेश में कहा कि यात्रियों और चालक दल के परिवारों को जो दर्द और चिंता हो रही होगी, वह अकल्पनीय है। इस कठिन क्षण में सभी के परिवारजन के प्रति संवेदनाएं। प्रशासन द्वारा तत्काल बचाव और राहत प्रयास महत्वपूर्ण हैं- हर जीवन मायने रखता है, हर सेकंड मायने रखता है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।

दुश्मनों की कमर तोड़ने को यूएवी 'रुद्रास्त्र' तैयार, पोखरण फायरिंग रेंज में दिखाई ताकत

एजेंसी

नई दिल्ली। सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड (एसडीएएल) ने पोखरण फायरिंग रेंज में अपने हाइब्रिड वीटीओएल यूएवी रुद्रास्त्र के परीक्षण पूरे कर लिए हैं। यह परीक्षण भारतीय सेना ने निर्धारित प्रदर्शन मापदंडों के अनुरूप किये, जिसमें वर्टिकल टेक ऑफ लैंडिंग शामिल थी। यूएवी ने डेढ़ घंटे में 170 किमी से अधिक दूरी तक जाकर मजबूत परिचालन क्षमता का प्रदर्शन करके मूल लॉन्च बिंदु पर सफलतापूर्वक वापस लौटा। भारत ने रक्षा प्रौद्योगिकी में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड (एसडीएएल) ने हाइब्रिड वर्टिकल टेक ऑफ एंड लैंडिंग यूएवी 'रुद्रास्त्र' विकसित किया है। एसडीएएल ने यूएवी के परीक्षण 11 जून को राजस्थान के पोखरण फायरिंग रेंज में किये। यह परीक्षण भारत की सैन्य शक्ति को मजबूत करने और क्षेत्रीय चुनौतियों, विशेष रूप से पाकिस्तान के खिलाफ एक कड़ा जवाब देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। परीक्षण के दौरान सटीक निर्देशित एंटी पर्सनल वारहेड की भी तैनाती की गई थी। परीक्षण के दौरान मध्यम

ऊंचाई से गिराए जाने पर गोला-बारूद ने कम ऊंचाई पर विस्फोट किया, जिसने सामरिक प्रभावशीलता बेंचमार्क को पूरा किया। यह सफल प्रदर्शन भारत की स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों की खोज में प्रमुख मील का पत्थर और आत्मनिर्भर पहल के तहत स्वदेशी सैन्य तकनीक को सुदृढ़ बनाने के भारत के प्रयासों में एक बड़ा कदम है। मिशन की बहुमुखी स्थितियों को ध्यान में रखकर डिजाइन किए गए यूएवी रुद्रास्त्र ने अपनी प्रमुख विशेषताओं को प्रदर्शित किया, जिसमें वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग, विस्तारित उड़ान रेंज, रियल टाइम निगरानी और सटीक निशाना शामिल है। यूएवी रुद्रास्त्र वर्टिकल टेक ऑफ और लैंडिंग में माहिर है, जिसकी 170 किलोमीटर से अधिक की रेंज है और सटीक लक्ष्य को भेदने में कारगर है, जो इसे युद्ध के मैदान में एक शक्तिशाली हथियार बनाता है। रुद्रास्त्र अपने वर्टिकल टेक ऑफ और लैंडिंग क्षमता के कारण दुर्गम इलाकों में भी प्रभावी ढंग से परिचालन कर सकता है।

रॉबर्ट वाड्रा ने श्वष्ट समन से बचने के आरोपों का किया खंडन, जांच में सहयोग का दिया भरोसा

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा ने कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में लगाए गए उन आरोपों का खंडन किया है, जिनमें दावा किया गया था कि वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन से बच रहे हैं। उनके अधिवक्ता सुमन ज्योति खेतान ने एक बयान जारी कर कहा कि ऐसी खबरें पूरी तरह से असत्य और तथ्यहीन हैं। वाड्रा ने पिछले एक दशक से ईडी के सभी समन, सूचनाओं और दस्तावेजों की मांगों का पूर्ण अनुपालन किया है और भविष्य में भी कानून का पालन करने वाले नागरिक के रूप में अपना सहयोग जारी रखेंगे। वाड्रा को एक मामले के संबंध में 10 जून को ईडी के समक्ष पेश होने का समन मिला था, जिसमें वह 2019 से कई बार ईडी के सामने पेश हो चुके हैं और भारी मात्रा में दस्तावेज जमा कर चुके हैं। उनके वकील ने बताया कि 9 जून को वाड्रा को फ्लू जैसे लक्षण दिखाई दिए, जिसके बाद उन्हें चिकित्सकीय सलाह पर कोविड-19 टेस्ट कराने को कहा गया। यह प्रक्रिया पीएमओ सहित कई संस्थानों द्वारा अपनाई जा रही मौजूदा प्रथाओं के अनुरूप थी। इसके चलते वाड्रा ने ईडी को सूचित किया कि वह 10 जून को व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हो पाएंगे। वाड्रा ने ईडी को यह भी आश्वासन दिया कि जैसे ही उन्हें चिकित्सकीय मंजूरी मिलेगी, आ जाएंगे। उन्होंने स्वेच्छा से कहा कि यदि ईडी को तत्काल आवश्यकता महसूस होती है, तो वह उपलब्ध हैं, जैसा कि उन्होंने पहले कई बार किया है।

उनके वकील ने कहा कि वाड्रा ने हाल ही में भी भारी मात्रा में दस्तावेज जमा किए हैं और ईडी के सभी सवालों के जवाब दिए हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया था कि वाड्रा अपनी बेटी के स्नातक समारोह में शामिल होने के लिए विदेश यात्रा के बहाने ईडी की कार्रवाई से बच रहे हैं। इस पर खेतान ने कहा, यह पूरी तरह से असत्य, अस्वीकार्य और तथ्यहीन है। वाड्रा की सभी विदेश यात्राएं ईडी की पूर्व सूचना और न्यायालय की अनुमति के साथ होती हैं।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ईडी के रिकॉर्ड में वाड्रा का नियमित रूप से पेश होने का इतिहास दर्ज है और यह सोचने का कोई आधार नहीं है कि वह समन का जवाब देने के लिए गलत कारण देंगे।

संक्षिप्त समाचार

देवघर जिला के बालक बालिका एथलेटिक खिलाड़ी राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए जामताड़ा रवाना

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

झारखंड राज्य एथलेटिक्स संघ द्वारा 14 से 15 जून 2025 तक जामताड़ा में आयोजित 2ल्ल झारखंड राज्यस्तरीय सब जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भाग लेने के लिए देवघर जिला के 13 एथलेटिक्स खिलाड़ी आज जामताड़ा के लिए रवाना हुए। जसीडीह से सभी खिलाड़ी ट्रेन के माध्यम से जामताड़ा गए। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सामिल होने वाले खिलाड़ी अंडर -14 - रजी खान, अशिफ खान, सोनम कुमारी, अनुषा मुरमू, प्रियंका मुरमू, तन्मय आनंद अंडर -16 - सुमंत राज, विष्णु मुरमू, विक्रांत यादव, हिमांशु कुमार, सचिन कुमार, रीना किस्कू, अनामिका सोरेन टीम के साथ चंदन कुमार और गौरव कुमार जामताड़ा गए उपर्युक्त सभी खिलाड़ियों का जिला टीम में चयन 28 -29 अप्रैल 2025 को देवघर जिला एथलेटिक्स संघ द्वारा आयोजित जिला स्तरीय जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2025 में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर हुआ। सभी खिलाड़ियों को जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष डॉक्ग सुनील खवाड़े, सचिव मनोज मिश्रा, नीतू देवी, सुरेश शाह, रवि केसरी, रामू चक्रवर्ती, डॉ अमित प्रसाद, प्रभाकर शांडिल्य, आशीष दुबे, निक्की झा, बंटी नंदन सिंह, नीतीश सिंह, अमित झा, प्रमोद यादव, राहुल कुमार, चंदन कुमार, गौरव कुमार, मनोज पांडे, राजेश कुमार, दीपक दुबे, अजय खवाड़े,आलोक बोस सहित अन्य पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी।

नौ दिवसीय महायज्ञ शांति पूर्ण से संपन्न

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर जिले से चित्रा में पिछले 44 वर्षों से लगातार चितरा कोलियरी दुखिया बाबा शिव मंदिर क्षेत्र में प्रतिवर्ष होने वाले महायज्ञ का आज पुणार्हुति के साथ संपन्न हुआ। महारुद्र यज्ञ कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न को लेकर इस धार्मिक कार्यक्रम में हवन पूजा, ओर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया ।यह कार्यक्रम विभिन्न धार्मिक स्थलों ओर विद्वानों की उपस्थिति के साथ चितरा कोलियरी यज्ञ समिति ट्रस्ट के अध्यक्ष विवेकानारायण देव ने कहा कि बाबा दुखिया की कृपा से नौ दिवसीय यज्ञ शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। बाबा का ही कृपा है कि लाखों भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ा। मेला क्षेत्र, यज्ञ मण्डप, मुख्य पंडाल और मंदिर क्षेत्र में शांति बना रहा। पुलिस प्रशासन और यज्ञ समिति के युवा सदस्यों ने बड़े ही सूझ-बूझ से यज्ञ में सहयोग किया। मौके पर सत्यनारायण राय, अरुण पांडेय, गुड्डू चौधरी, राजेश राय, राम मोहन चौधरी युगल राय राज कमल भोक्ता सहित कई लोग उपस्थित थे।

नगर वासियों को महीने में एक दिन बाबा मंदिर में पूजा के लिए मिले छूट-सुरेश शाह

पर्यटन मंत्री के समक्ष रखा प्रस्ताव,मंत्री ने दिया आश्वासन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-झारखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू पर्यटन खेलकूद युवा विकास मंत्री ने श्रावणी मेला के संबंध में सर्किट हाउस में जिला के पदाधिकारी के साथ मीटिंग किए। बाद में कार्यकताओं से सर्किट हाउस में मुलाकात की।मुलाकात के दौरान झामुमो नेता सुरेश शाह ने मंत्री का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि बाबा मंदिर में इतनी भीड़ होती है की लोकल लोग पूजा करने से वंचित हो जाते हैं, अतःआपसे अनुरोध है कि कम से कम महीना में 1 दिन कुछ घंटे के लिए लोकल को पूजा करने की अनुमति प्रदान की जाए।पंडा धर्मरक्षिणी सभा के अध्यक्ष डॉ सुरेश भारद्वाज एवं महामंत्री निर्मल मंटू ने भी इस बात पर अपनी सहमति जताई।मंत्री ने आश्वासन दिया कि श्रावण मास के बाद इसके लिए बैठक कर एक निर्णय लेंगे ताकि देवघर में रहने वाले श्रद्धालु भी बाबा का पूजा अर्चना कर सकें। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष संजय शर्मा,महानगर अध्यक्ष प्रदीप चौधरी, श्याम कांत झा,मृत्युंजय रावत,सुनील मंडल महेंद्र यादव आदि उपस्थित थे।

चयनित टीम प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बोकारो रवाना

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

१२३ देवघर व18 बालक/बालिका टीम का आज चयन किया गया, चयनित टीम आज ही बोकारो में १२३ झारखंड बालक/बालिका प्रतियोगिता में भाग लेने ल्ल३१्र१३८ ट्रेन से रवाना होगी! बोकारो में दिनांक 14 जून और 15 जून को यह प्रतियोगिता होगी !चयनित टीम इस प्रकार है बालक वर्ग अमन कुमार, प्रिंस कुमार,मनीष कुमार,ओम कुमार, रितिक कुमार, सौरभ कुमार, गौतम कुमार, शिवा कुमार, सूरज मिश्रा, पप्पू कुमार, कन्हैया कुमार, अविनाश कुमार, अमरनाथ कुमार बालिका वर्ग खुशबू कुमारी, खुशबू कुमारी, अनुष्का कुमारी ,अंजली कुमारी, मुस्कान कुमारी, राजलक्ष्मी कुमारी, जिया कुमारी ,विनीता कुमारी ,प्रिया कुमारी ,जिज्ञासा कुमारी , रिया घोष चयनित टीम को जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष सुनील खवाडे,उपाध्यक्ष विरेन्द्र सिंह, स्वागत कर, सचिव धर्मेंद्र देव, आलोक कुमार, अशरफ अली, रंजीत, मोनू आदि ने टीम के प्रति शुभकामनाएं प्रेषित किया है!

संताल परगना चैंबर ऑफ कॉमर्स ने पर्यटन मंत्री से मुलाकात कर देवघर की विकास योजनाओं पर सौंपा ज्ञापन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

झारखंड के पर्यटन, नगर विकास एवं उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार आज श्रावणी मेला की तैयारियों की समीक्षा के लिए देवघर पहुंचे। इस दौरान संताल परगना चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, देवघर के अध्यक्ष आलोक मल्लिक, महासचिव रितेश टिबरेवाल एवं कार्यकारिणी सदस्य महेश लाठ ने स्थानीय विधायक सुरेश पासवान की मौजूदगी में मंत्री जी से परिसदन में मुलाकात कर देवघर के समग्र विकास हेतु एक विस्तृत ज्ञापन प्रस्तुत किया। इससे पहले मंत्री जी से पहली बार मिल रहे चैंबर अधिकारियों ने बुके भेंट कर उनका स्वागत किया। श्रावणी मेला की तैयारियों के संबंध में चैंबर सहित अन्य प्रमुख स्टेकहोल्डर्स, संस्थाओं और बुद्धिजीवियों के साथ बैठक आयोजित कर सुझाव एवं अनुभव लेने की बात रखी गई। साथ ही जलार्पण हेतु क्यू व्यवस्था में जलसार और वॉकिंग पाथ के बेहतर उपयोग का सुझाव दिया गया। नगर विकास से संबंधित योजनाओं में देवघर में मल्टीस्टोरी पार्किंग, होटल और मार्केट का निर्माण, पुराने नगर भवन का पुनरुद्धार कर आकर्षक एवं अत्याधुनिक नगर भवन का निर्माण, मीना बाजार की सब्जी मंडी का पुनर्विकास कर पार्किंग सुविधा के साथ मल्टीस्टोरी वेंडिंग मार्केट बनाने की मांग की गई है। इसके अतिरिक्त क्लब ग्राउंड और स्टेडियम के आसपास झुग्गियों में निवासरत लोगों को पुनर्वासित कर

मुख्यधारा में लाने का प्रयास करने की बात कही गई है। शहर के सुंदर, व्यवस्थित और दर्शनीय बनाने हेतु बाघमारा स्थित अंतरराज्यीय बस अड्डे और देवघर रेलवे स्टेशन के बीच अत्याधुनिक उच्चस्तरीय रोड ब्रिज, कांवरियों और जनता की सुविधा के लिए रांगा मोड़ से पंडित बी एन झा पथ क्रॉसिंग तक ओवरब्रिज निर्माण तथा एक डेडिकेटेड ट्रांसपोर्ट नगर के निर्माण की मांग की गई है। पर्यटन विकास के अंतर्गत जलसार चिल्ड्रेन पार्क के सौंदर्यीकरण और वहां वीकेंड (शनिवार-रविवार) में साप्ताहिक अर्बन हाट लगाने की व्यवस्था करने का सुझाव दिया गया है जिसमें आर्टजन बाजार और स्ट्रीट फूड की व्यवस्था हो। वहीं स्थाई निर्माण में दिल्ली हाट की तर्ज पर बैद्यनाथ हाट बनाने की मांग की गई है जहां तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की सुविधा के साथ ही देवघर को एक वृहत आर्टिजन बाजार, भ्रमण केंद्र और सांस्कृतिक गतिविधियों का एकीकृत केंद्र मिल सके। साथ ही एक बड़ी दुर्घटना के बाद बंद पड़े त्रिकूट रोपवे को यथाशीघ्र पुनः चालू करने की भी मांग की गई है। उधर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में देवघर में एक इंजीनियरिंग कॉलेज और निफ्ट सेंटर खोलने की मांग की गई है, जो स्थानीय युवाओं को बेहतर शिक्षा के अवसर प्रदान करेगा। माननीय मंत्री सुदिव्य कुमार ने चैंबर द्वारा प्रस्तुत सभी मांगों को गौर से पढ़ा और समझा तथा सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ इन सभी प्रस्तावों पर विचार करने का आश्वासन दिया।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन अंतर्गत कार्यों में सदर अस्पताल ने किया उपलब्धि हासिल

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर जिला में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन अंतर्गत कार्यों में सदर अस्पताल में एक और उपलब्धि हासिल किया गया।भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे इस योजना के अंतर्गत अब अस्पताल में भर्ती मरीजों की विवरणी अब पोर्टल पर ऑनलाइन किया जाने लगा है,इसके लिए अस्पताल भवन के इमरजेंसी यूनिट के नजदीक एक रूम को चिन्हित कर वहां एक कंप्यूटर ऑपरेटर की ड्यूटी लगा दी गई जो भर्ती होने वाले मरीजों की पूर्ण विवरणी को पोर्टल पर ऑनलाइन अपलोड करते है।आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के जिला नोडल पदाधिकारी डॉ शरद कुमार ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत पहले पंजीयन काउंटर पर ऑनलाइन पर्ची निकालने की सुविधा से शुरूआत की गई थी अब लगभग 85 प्रतिशत लोगों का रजिस्ट्रेशन पर्ची ऑनलाइन स्कैन एंड शेयर के माध्यम से निकाला जा रहा है।इस सुविधा के शुरू होने से मरीज के परिजनों को लंबी कतार लगाने की जरूरत नहीं पड़ती है।वहीं डॉ शरद कुमार ने कहा कि डेंटल ओ पी डी में आने वाले मरीजों के जांच और इलाज के बाद उनकी विवरणी भी ऑनलाइन किया जा रहा है ताकि मरीज का पर्ची अगर गुम भी हो जाए तो उनके इलाज से संबंधित सारी जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध रहेगा,उन्होंने कहा कि जल्द ही अन्य ओ पी डी में भी इसकी सेवा शुरू की जानी है।उधर सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ प्रभात रंजन द्वारा आज आई पी डी के मरीजों का ऑनलाइन किए जाने

संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई ,इस समीक्षा में नोडल पदाधिकारी सह प्रशासनिक कार्य प्रभारी डॉ शरद कुमार,परियोजना समन्वयक सुधांशु रंजन के अलावा कंप्यूटर ऑपरेटर रवि कुमार शामिल थे।सुधांशु रंजन ने बताया कि सदर अस्पताल सहित कई अन्य सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत सभी स्टाफ नर्स और ए एन एम का ल्ढफकार्य भी संपन्न हो चुका है ,जहां यह कार्य पूर्ण नहीं है उसके लिए विशेष अभियान के साथ इसको सम्पन्न करने की तैयारी चल रही है

आगामी श्रावणी मेला को लेकर सदर अस्पताल के उपाधीक्षक ने की बैठक आयोजित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपाधीक्षक सदर अस्पताल देवघर डॉ प्रभात रंजन एवं प्रशासनिक कार्य प्रभारी सदर अस्पताल देवघर डॉ शरद कुमार की अध्यक्षता में सदर अस्पताल के सभी वार्ड प्रभारी एवं चिकित्सा पदाधिकारी के साथ आगामी श्रावणी मेला को देखते हुए एक बैठक आयोजित की गई।बैठक में सभी को निदेशित किया गया कि श्रावणी मेला के दौरान जो भी श्रद्धालु अपने इलाज के लिए सदर अस्पताल आते है उनको किसी प्रकार की कोई असुविधा नहीं हो।श्रद्धालु मरीजों के लिए अलग से 25 बेड चिन्हित पर उस बेड को तैयार करने के लिए कहा गया है।बैठक में सभी विभाग के इंचार्ज से कहा गया कि उनको जो भी सामन की जरूरत है उसकी लिखित मांग करे साथ ही भंडारपाल मुजफ्फर को कहा गया कि जहां से भी अस्पताल में मरीजों के इलाज एवं मूलभूत सुविधाओं की मांग इंचार्ज द्वारा की जाती है उसे शीघ्र उपलब्ध कराएं।फामेर्सी के

इंचार्ज संजीव मिश्रा द्वारा अनुरोध किया गया कि अन्य जिलों से प्रतिनियुक्त कर्मी जिनकी प्रतिनियुक्ति सदर अस्पताल में हो उनके आवासन की व्यवस्था परिसर में होने से सुविधा होगी।इस मांग पर डॉ शरद कुमार ने लिपिक चितरंजन विश्वकर्मा से कहा कि इससे संबंधित एक पत्र उपाधीक्षक स्तर से सिविल सर्जन देवघर को लिखा जाए।उपाधीक्षक डॉ प्रभात रंजन ने स्पष्ट निर्देश दिया कि ड्यूटी में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इस बैठक में मुख्य रूप में चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुषमा वर्मा,डॉ निवेदिता,डॉ रवि रंजन,डॉ राजीव कुमार,डॉ निताशा,डॉ रवि शेखर,डॉ रवि कुमार के अलावा प्रयोगशाला प्रभारी मनोज मिश्रा,लिपिक विजय प्रसाद,स्टाफ नर्स संगीता राजहंस,प्रियंका कुमारी,स्वेता भारती,आउटसोर्स कंपनी के सुपरवाइजर विकास केशरी के अलावा अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

पाकुड़ पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई, जिलेटिन और डेटोनेटर से भरा घर सील

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़िया प्रखंड अंतर्गत डोमननगरिया गांव में शुक्रवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री जब्त की है। गुप्त सूचना के आधार पर महेशपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विजय कुमार की अगुवाई में गठित विशेष टीम ने छापेमारी कर यह सफलता हासिल की। इस दौरान पुलिस ने एक आरोपी को मौके से गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार युवक की पहचान समसुल हसन उर्फ राजा बाबू, पिता मो. राजा मियां, निवासी डोमननगरिया के रूप में हुई है। उसके घर से बड़ी संख्या में जिलेटिन और डेटोनेटर बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पाकुड़िया थाना में कांड संख्या 28/2025 दर्ज करते हुए इठर की धारा 317(5)/3(5) और

विस्फोटक अधिनियम की धारा 3/4 के तहत कार्रवाई की गई है। बरामद विस्फोटक सामग्री में खअ ऋ्र्र इएठएऋ्रऊ ढफएटक्रट लिखा हुआ पाया गया है। भारी मात्रा में डेटोनेटर, जिलेटिन और डढढड कंपनी का एक मोबाइल फोन (क्टएक नंबर दर्ज) शामिल हैं।वहीं इस छापेमारी टीम में विजय कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, महेशपुर,अमित कुमार सिंह, थाना प्रभारी, पाकुड़िया,सहायक अवर निरीक्षक पप्पु चौधरी और महादेव चौधरी सहित अन्य सशस्त्र बल और चौकीदार शामिल थे।

पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी पुलिस

पुलिस सूत्रों की मानें तो इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री का मिलना गंभीर मामला है। इससे अवैध खनन या किसी बड़ी आपराधिक साजिश की आशंका जताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के आधार पर पुलिस अन्य संलिप्त लोगों की तलाश में जुट गई है।

शांति भंग की साजिश को वक्त रहते किया नाकाम

पुलिस की इस कार्रवाई से एक बार फिर साबित हो गया है कि जिले में अवैध गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। समय रहते उठाया गया यह कदम संभावित अनहोनी को रोकने में मददगार साबित हुआ है।पुलिस की तत्परता से एक बड़ी वारदात टली, अब आगे की कार्रवाई पर टिकी निगाहें।

आरोप मरीज को ले जा रही एंबुलेंस में नहीं थी किसी तरह की सुविधा

तीन लोगों की जान आई आफत में एम्बुलेंस का ड्राइवर नशे में था धुत

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ः पाकुड़ सदर प्रखंड अंतर्गत नवादा पंचायत के एक व्यक्ति के आरोप के अनुसार सदर अस्पताल के एंबुलेंस चालक की वजह से तीन लोगों की जान आफत में आ गई थी. आरोप है कि 20 साल के नवादा के रहने वाले अहद शेख जिसे बिजली का जोरदार झटका लगा था. जिसके बाद घायल लड़के को अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस मंगाई गई, आरोप है की एंबुलेंस के चालक नशे में धुत था.. मरीज को इमरजेंसी में ऑक्सीजन की जरूरत थी. लेकिन एंबुलेंस में ऑक्सीजन कि सुविधा नहीं मिली जिसके कारण मरीज अहद शेख मुर्शिदाबाद के फरक्का के एक निजी अस्पताल (हयात) मैं जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है. दुआ यही है की अहद शेख सही सलामत घर लौटे. परिजनों ने जिला प्रशासन से इस मामले की तहकीकात करते हुए अस्पताल की एंबुलेंस व्यवस्था पर सुधार करने की अपील की.. साथ ही उन्होंने कहा ऐसे ड्राइवर जो नशे की हालत में गाड़ी चलाते हो उनके ऊपर भी जिला प्रशासन सख्ती से करवाई करें.

डीएवी सातर में शिक्षकों के लिए दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्घाटन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल,भण्डारकोला में झारखंड जोन-एच के शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के प्राचार्य सह झारखंड जोन एच के क्लस्टर हेड बलराम कुमार झा, पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित डीएवी ऊर्जानगर के प्राचार्य एस के श्रीवास्तव, बीएनएस डीएवी जूनियर के प्राचार्य योगेश्वर शर्मा, बिरसा मुंडा डीएवी बुंडू के प्राचार्य तन्मय बनर्जी, एसआरके डीएवी सरिया के प्राचार्य आर के सिंह, टाटा डीएवी चैनपुर के प्राचार्य तारकेश्वर कुमार ,डीएवी महेशपुर के प्राचार्य इस के मिश्रा और एस पी माइंस चित्रा के प्राचार्य राघवेंद्र तिवारी, सीसीएल डीएवी के प्राचार्य ओ पी गोयल, डीएवी पाकुड़ के प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती, डीएवी कोडरमा के प्राचार्य के के सिंह, डीएवी जामताड़ा के प्राचार्य डॉ विजय कुमार और कास्टर टाउन डीएवी के प्राचार्य दिलीप कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके किया। डीएवी में हरेक शैक्षणिक सत्र में दो बार, डीएवी सेंटर ऑफ एकेडमिक एक्सीलेंस के तत्वावधान में और सहायक क्षेत्रीय अधिकारी डीएवी, झारखंड जोन-एच के संरक्षण में इस तरह की कार्यशाला आयोजित की जाती है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों के बीच राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं सीबीएसई के गाइडलाइन के अनुरूप बच्चों में शिक्षा का संचार करना है।इसमें विद्यालय के शिक्षकों द्वारा नई तकनीक का प्रयोग कर एवं खेल विधि का अनुसरण कर शैक्षणिक गतिविधियों को आगे बढ़ाना है। कार्यक्रम में कई शिक्षकों ने खेल विधि के द्वारा कई गतिविधियां भी प्रस्तुत की ।झारखंड जोन-एच के सभी विद्यालयों के हिंदी, अंग्रेजी, गणित, भौतिक विज्ञान,जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, सामाजिक विज्ञान,

एकाउंटेंसी, बिजनेस स्ट्डीज,फिजिकल एजुकेशन,संस्कृत, कंप्यूटर, दृश्य कला एवं प्रदर्शन कला और लाइब्रेरी साइंस के 488 शिक्षक इस कार्यशाला में भाग ले रहे हैं। अपने स्वागत भाषण में प्राचार्य सह झारखंड जोन एच के क्लस्टर हेड बलराम कुमार झा ने कहा कि क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्देश्य सभी स्तरों पर पढ़ाने वाले शिक्षकों की विशेषज्ञता, शिक्षण योग्यता और दक्षताओं को बढ़ाना है।उन्होंने शिक्षकों को प्रशिक्षण प्राप्त कर इसका सीधा लाभ अपने शिक्षण कौशल वर्धन में लगाने की अपील की।उन्होंने शिक्षा से सहयोगात्मक रवैया अपनाने की अपील की न की प्रतिद्वंदात्मक।डीएवी सीएमसी, नई दिल्ली के अध्यक्ष पद्मश्री पूनम सूरी जी, निदेशक पीएस डॉ वीर सिंह, निदेशक एकेडमिक डॉ. निशा पेसिन, और एआरओ, झारखंड जोन एच, डॉ प्रबीर हाजरा को उन्होंने इस तरह के कार्यक्रम के लिए धन्यवाद भी दिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक शिक्षिकाओं के अलावा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की अहम भूमिका रही।

बड़कागांव-केरेडारी में बिजली संकट चरम पर: कोयले से देश रोशन, खुद अंधेरे में जनता

विधायक रोशनलाल चौधरी का अल्टीमेटम : 24 घंटे में समाधान नहीं तो आंदोलन

केरेडारी/बड़कागांव संवाददाता झ्र रबिन्द्र कुमार पाण्डेय

बड़कागांव और केरेडारी प्रखंड के लोग इन दिनों बिजली संकट से त्रस्त हैं। पिछले दो महीनों से बिजली की आंख-मिचौनी आम हो गई है। न तो बिजली आने का कोई तय समय है, न जाने का। जर्जर तारों, ओवरलोडिंग, बार-बार ट्रिपिंग और लो वोल्टेज जैसी समस्याओं ने लोगों की परेशानियों को और बढ़ा दिया है। गर्मी के इस भीषण दौर में स्थिति यह है कि कई गांवों में 5 घंटे से भी कम बिजली आपूर्ति हो रही है। इससे बच्चों की पढ़ाई, किसानों की सिंचाई और आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इस ज्वलंत मुद्दे पर बड़कागांव के विधायक रोशनलाल चौधरी ने राज्य सरकार और बिजली विभाग पर सीधा हमला बोला है। विधायक चौधरी ने कहा कि वे लगातार बिजली विभाग के जीएम और अन्य अधिकारियों से संपर्क कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका है।

विधायक का अल्टीमेटम:

विधायक ने ऐलान किया है कि 12 जून को वे हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के साथ बिजली विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपेंगे और 24 घंटे के भीतर बिजली आपूर्ति सुधारने का अल्टीमेटम देंगे। यदि समय पर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीण जनता के साथ मिलकर वे ऋ्रट कार्यालय में तालाबंदी करेंगे और आवश्यकता पड़ी तो कोयला टासपोर्टिंग को भी रोकने जैसा बड़ा कदम उठाया जाएगा।

विडंबना और जनता का गुस्सा:

बड़कागांव-केरेडारी क्षेत्र की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि यहां से निकले कोयले से देश के महानगरों की रौशनी कायम है, जबकि खुद यह क्षेत्र अंधेरे में डूबा हुआ है। बिजली संकट को लेकर आम जनता में भारी आक्रोश है और अब वे अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए सड़क पर उतरने को तैयार हैं। बिजली विभाग ने हालांकि समस्या के समाधान के लिए शिविर लगाने की घोषणा की है, लेकिन क्षेत्रीय जनता ठोस कार्रवाई की प्रतीक्षा कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

पोकलेन व हाइवा जलाने के मामले एक और आरोपी को भेजा गया जेल

मंडरोः

मिजाचौकी थाना क्षेत्र अंतर्गत दामीनभीठा पत्थर खदान में दो जून के रात अपराधियों द्वारा दो पोकलेन एवं दो हाईवा जलाकर हड़कंप मचाया गया था। उक्त मामले में मिजाचौकी पुलिस को सफलता मिली थी। जिसमें कुल चार आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। वही 34/25 कांड मामले में मिर्जाचौकी थाना के एसआई पवन कुमार ने गुरुवार को एक आरोपी को गिरफ्तार किया । वही थाना में पूछताछ के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया। वही एस आई पवन यादव ने पुलिस बल के साथ गुप्ता सुचना के आधार पर मिजाचौकी थाना के गडरा पंचायत के कानाडीह गोसायचक गांव के निवासी बिट्टू चौड़े को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया । इस संबंध में एस आई पवन यादव ने बताया कि इस कांड में संलिप्त आरोपियों को धर पकड़ जारी रहेगा। वही मिजाचौकी थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव के नेतृत्व में मिजाचौकी पुलिस को लगातार सफलता मिल रही है। जिसके बाद अपराधियों में डर का माहौल बना हुआ है।

साहिबगंज में जिला बाल संरक्षण इकाई की समीक्षा बैठक सम्पन्न

साहिबगंजः

विकास भवन सभागार में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा की अध्यक्षता में जिला बाल संरक्षण इकाई (DCPU) की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बाल संरक्षण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों और क्रियान्वयन की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक की शुरूआत में उप विकास आयुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को बाल अधिकारों की रक्षा हेतु कर्तव्यों के प्रति सजग एवं उत्तरदायी रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों से जुड़ी योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है।बैठक में डीसीपीयू के कर्मियों की नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने, जेजे फंड से संबंधित खर्चों की समीक्षा तथा डीसीपीयू एवं चाइल्ड हेल्पलाइन कर्मियों के यात्रा व्यय के भुगतान को लेकर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही कार्यालय के सुचारू संचालन हेतु अकस्मिक व्यय के लिए अग्रिम राशि निर्धारित करने का प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया गया।विकास भारती बालगृह में निवासरत बच्चों के विद्यालयों में नामांकन, आधार पंजीकरण एवं बैंक खाता खोलने की प्रक्रिया की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही बाल श्रम, बाल व्यापार और बाल विवाह से प्रभावित बच्चों एवं उनके परिवारों को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु विशेष कार्य योजना बनाने पर जोर दिया गया।बैठक में ग्राम स्तरीय महिला, शिशु एवं सामाजिक कल्याण समिति के गठन की प्रक्रिया और उसकी उपयोगिता पर भी चर्चा हुई। यह समिति पंचायत स्तर पर बाल सुरक्षा एवं कल्याण के मुद्दों को चिन्हित कर त्वरित समाधान सुनिश्चित करेगी।बैठक में सामाजिक सुरक्षा कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य, जेजेबी सदस्य, चाइल्ड हेल्पलाइन के कर्मी, विकास भारती बालगृह एवं मंथन संस्था के प्रतिनिधिगण, Associate for Voluntary Actionके समन्वयक सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में लिए गए निर्णयों को शीघ्र लागू करने हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया, ताकि बाल संरक्षण की दिशा में सार्थक परिणाम सुनिश्चित हो सकें।

जिले के सभी 1167 आंगनबाड़ी केंद्रों में नशामुक्ति की दिलाई गई शपथ

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ में लाभार्थियों का पोषण ट्रैकर एप में एफ.आर.एस को लेकर शिविर का हुआ आयोजन, डाटा एंट्री में आ रही समस्याओं को लेकर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने किया भौतिक निरीक्षण डीसी पाकुड़ मनीष कुमार के निदेशानुसार शुक्रवार को जिला समाज कल्याण पदाधिकारी बसंती ग्लाडिस बाड़ा के नेतृत्व में पाकुड़ जिला अंतर्गत सभी 1167 आंगनबाड़ी केंद्रों में नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत मादक पदार्थों पर रोक के लिए पूर्णता संकल्पित झारखंड सरकार द्वारा " नशे को ना जिंदगी को हां" का शपथ दिलाया गया, जिसमें सभी आंगनबाड़ी सेविका एवं आंगनबाड़ी सहायिका तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में उपस्थित सभी लाभार्थी ने भाग लिया। साथ ही सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगनबाड़ी सेविका को पोषण ट्रैकर ऐप में FRS में आ रही समस्या को लेकर शिविर का आयोजन किया गया एवं डाटा एंट्री में आ रही समस्याओं को लेकर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी एवं कर्मियों द्वारा भौतिक निरीक्षण किया गया।

डीसी ने बैंकों के शाखा प्रबंधक के साथ की बैठक, दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ डीसी मनीष कुमार की अध्यक्षता में बैंकों के जिला समन्वय पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीसी मनीष कुमार ने पाकुड़ में वित्तीय धोखाधड़ी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करने का निर्देश स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पाकुड़, एचडीएफसी बैंक और झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक को दिया गया। कार्यशाला में वित्तीय साक्षरता और जागरूकता, साइबर धोखाधड़ी से बचाव की जानकारी देना एवं लोगों को शिक्षित करना, पीएमईजीपी, सीएमईजीपी, पीएमएफएमई, पीएम स्वनिधि और अन्य योजनाओं के बारे में जागरूकता (ऋण पात्रता, दस्तावेजीकरण, लंबित प्रस्ताव आदि) एवं स्कूल बोर्ड परीक्षा में टॉपर्स का सम्मान, स्वयं सहायता समूह (SHG) दीदियों का सम्मान, शिक्षा ऋण स्वीकृति पत्रों का वितरण एवं एमएसएमई क्षेत्र में प्रत्येक बैंक से दो सफलता की कहानियों का संग्रह किया जाएगा। इसे संकलित कर जून के अंत तक एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा, जिसमें सफलता और धोखाधड़ी रोकथाम की कहानियाँ होंगी। उपायुक्त ने पाकुड़ रेलवे स्टेशन पर एटीएम का स्थापना करने का निर्देश दिया। साथ ही साथ उपायुक्त ने महत्वपूर्ण बैंकिंग निदेशों का प्रचार-प्रसार, जिसमें धोखाधड़ी / बैंकिंग जागरूकता शामिल हो, संथाली और बांग्ला भाषाओं में कराने हेतु निर्देशित किया। साथ ही बैंकों का कैशबुक मिलान और सत्यापन करने एवं धरती आबा' पहल बैंक खाता खोलने का अभियान चलाने का निर्देश दिया।सीएसआर गतिविधि के तहत 18/19 जून को बच्चों के लिए मानसिक स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन करने एवं ग्रीन इनिशिएटिव के तहत प्रत्येक बैंक द्वारा 5 पेड़ लगाने हेतु निर्देशित किया। इसके अलावा परियोजना परिवर्तन के तहत जेल कैदियों के साथ जुड़ाव लिंक कार्यक्रमों की पहल करें। उपायुक्त ने कहा कि छात्रों के लिए बैंकिंग अनुभव प्राप्त करने हेतु इंटर्नशिप कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

जिले को बहुत जल्द मिलेगा 5.5 एकड़ का मल्टीपरपस खेल स्टेडियम

जवाहर तालाब के समुचित विकास हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराने का निर्देश

दिव्य दिनकर:संवाददाता

चतरा उपायुक्त कीर्तिश्री ने जिले के विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से तपेज स्थित प्रस्तावित समाहरणालय, जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, इनडोर स्टेडियम, जवाहर तलाब, नायकी तालाब का निरीक्षण किया। चतरा सदर प्रखंड क्षेत्र के तपेज स्थित कृषि विभाग के सामने 9.3 एकड़ क्षेत्र में प्रस्तावित समाहरणालय बनना है जिसका उपायुक्त ने जिले के वरीय अधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के क्रम में कहा संबंधित विभाग से अनापति प्रमाणपत्र की स्थिति की जानकारी लेते हुए उक्त भू स्थल का मापी कराएं और इसके साथ ही आगे की कार्रवाई को प्रारंभ करें। जिससे जल्द से जल्द प्रस्तावित समाहरणालय निर्माण कार्य को प्रारंभ किया जा सके। वहीं जवाहर तलाव के सौंदर्यीकरण, टूटे बाउंड्री का मरम्मती कराते हुए और आवश्यक कार्यों के प्रस्ताव बना कर उपलब्ध कराने की बात कही। इसके साथ ही उन्होंने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम एवं इनडोर स्टेडियम का भी निरीक्षण कर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। नाइकी तालाब के साफ सफाई, जल स्तर, रंग रोगन का निरीक्षण कर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देशित किया कि यह सुनिश्चित करें कि तालाब के आस पास काफी लोग निवास करते हैं और शुक्रवार को साप्ताहिक हार्ट बाजार भी लगता है तालाब में गंदगी या इससे बदबू आने के कारण आमजनों को स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पर सकता है इसके लिए तालाब का निरंतर साफ सफाई करवाना सुनिश्चित करें और आवश्यकताओं का प्रस्ताव उपलब्ध कराएं।

प्रस्तावित मल्टीपरपस राष्ट्रमानक स्टेडियम का स्थल निरीक्षण

उपायुक्त ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के पीछे महिला कॉलेज समीपी न्यू प्रस्तावित मल्टीपरपस राष्ट्रमानक खेल स्टेडियम का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान

उपस्थित जिला क्रीड़ा पदाधिकारी तुषार रॉय ने जानकारी दिया कि प्रस्तावित मल्टीपरपस खेल स्टेडियम में फुटबॉल, एथेलेटिक्स, बॉलीबॉल, बास्केटबॉल के साथ अन्य खेल की सुविधा उपलब्ध रहेगी। स्टेडियम के अंदर दर्शकों के बैठने के लिए पवेलियन रहेगा साथ ही साथ प्रशासनिक भवन भी रहेगा। जिसमें जिम, चेंजिंग रूम, शौचालय, योग समेत अन्य सुविधाएं उपलब्ध रहेगी। यह स्टेडियम 5.5 एकड़ में बनेगा इसकी सारी प्रक्रिया लगभग पूर्ण कर ली गई है प्रशासनिक स्वीकृति उपरांत कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के अंदर खेल विभाग चतरा द्वारा संचालित आवासीय क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र के निरीक्षण के दौरान तुषार रॉय ने जिले के खिलाड़ियों के खेल के प्रतिभा को निखाड़ने व युवा पीढ़ियों को नशा के लत से दूर कर खेल के क्षेत्र में आगे लाने के उद्देश्य से यह प्रशिक्षण केंद्र बनाया गया है जो कि 1 जून 2025 से संचालित है। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी विनीता कुमारी, जिला खेल पदाधिकारी सह जनशिकायत कोषांग के नोडल पदाधिकारी तुषार रॉय, जिला नियोजन पदाधिकारी मन्नू कुमार, जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट के पीएमयू टीम समेत अन्य संबंधित उपस्थित थे।

बिना सीटीओ और C2 के संचालित हो रही हड़गड़ा साइडिंग, कोल माफिया का बेखौफ साम्राज्य

अवैध कोयला कारोबार पर सवाल, ग्रामीणों में आक्रोश, प्रशासन मौन

दिव्य दिनकर, संवाददाता

टंडवा, चतरा

टंडवा प्रखंड के हड़गड़ा साइडिंग में बिना किसी वैध स्वीकृति (सीटीओ और C2) के अवैध कोयला कारोबार धड़ल्ले से जारी है। कोल माफिया, ट्रांसपोर्टिंग कंपनियों और कथित बाहुबलियों की मिलीभगत से इस क्षेत्र में कानून को ताक पर रखकर खुलेआम कोयले का अवैध व्यापार किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, आम्रपाली कोल परियोजना से कोयला शिवपुर साइडिंग तक पहुंचाया जाना तय है, लेकिन दूसरी ओर हड़गड़ा में निजी रेलवे साइडिंग के नाम पर अवैध धंधा चल रहा है। न तो इसका वैध सीटीओ (कंजेंट टू ऑपरेट) है और न ही उ2 की स्वीकृति, फिर भी यह कारोबार सक्रिय है। इस अवैध कारोबार की जानकारी चतरा जिला खनन पदाधिकारी और उपायुक्त तक नहीं पहुंच पाई, क्योंकि इस साइडिंग को जंगलों को उजाड़कर गुप्त रूप से स्थापित किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि सीसीएल, कोल ट्रांसपोर्टिंग कंपनियां और कुछ प्रभावशाली नेता एवं माफिया इसकी संरचना में शामिल हैं।

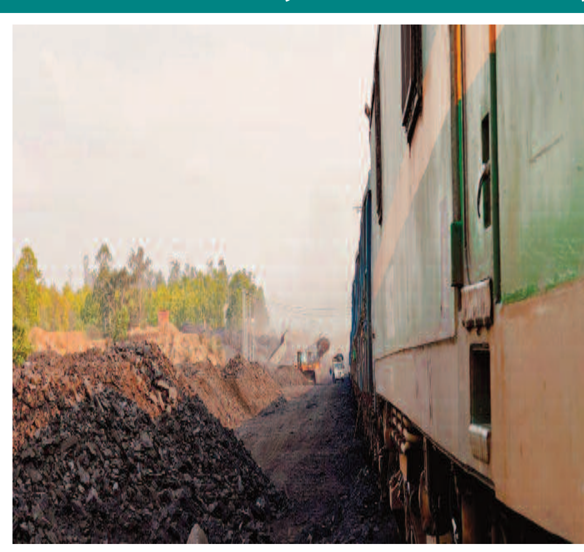

करोड़ों की अवैध कमाई, कानून के रखवालों की चुप्पी

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, इस काले धंधे से निकली काली कमाई से कुछ लोग आज करोड़ों के साम्राज्य के मालिक बन चुके हैं। न सिर्फ प्रदूषण से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है, बल्कि इसका विरोध करने पर ग्रामीणों को धमकाया जा रहा है। बाहरी उपद्रवियों के सहारे विरोध की आवाज को दबाया जा रहा है। झूठे केस में फंसाने और रंगदारी मांगने जैसी धमकियां दी जाती रही हैं। क्या कहते हैं अधिकारी?

जिला खनन पदाधिकारी:

खनन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि हड़गड़ा साइडिंग के पास न तो सीटीओ है और न ही C2 की अनुमति। उन्होंने यह भी बताया कि सीसीएल अधिकारियों द्वारा शिवपुर साइडिंग के नाम पर इसे संचालित किए जाने की बात कही गई है, लेकिन यदि दो अलग-अलग साइडिंग को भ्रम फैलाकर चलाया जा रहा है तो इसकी उच्च स्तरीय जांच कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिला वन पदाधिकारी (DFO) मुकेश कुमारः

फोन पर जानकारी देते हुए डीएफओ ने बताया कि उन्होंने क्षेत्रीय रेंजर और अन्य अधिकारियों को मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। यदि वन क्षेत्र का उल्लंघन पाया गया तो कानून सम्मत कार्रवाई की जाएगी। प्रशासनिक निष्क्रियता से ग्रामीणों में आक्रोशक्षेत्र में फैलते इस अवैध कारोबार और प्रशासन की चुप्पी ने आम जनता में असंतोष भर दिया है। ग्रामीण सवाल उठा रहे हैं कि जब नियमों को दरकिनार कर दबंगों द्वारा क्षेत्र में अवैध गतिविधियाँ चलाई जा रही हैं, तो क्या कानून सिर्फ आम नागरिकों पर लागू होता है? अब देखना यह है कि क्या जिला प्रशासन, वन विभाग और खनन विभाग मिलकर इस अंधे और बेलगाम अवैध कारोबार पर लगाम लगाने में सफल हो पाते हैं या नहीं। फिलहाल, हड़गड़ा साइडिंग का संचालन ठप बताया जा रहा है, लेकिन ग्रामीणों को न्याय कब मिलेगा, यह सवाल आज भी अधूरा है।

कोडरमा में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

कोडरमा विजय यादव

झारखण्ड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के नेतृत्व में झारखण्ड राज्य आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ की जिला शाखा कोडरमा ने समाहरणालय भवन के सामने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में कर्मचारियों ने झारखंड सरकार द्वारा जारी आउटसोर्सिंग मैनुअल में बदलाव की मांग की। प्रमुख मांगों में समान कार्य के लिए समान वेतन, कार्यरत कर्मियों की सेवा सुरक्षा 60 वर्ष तक, पूर्ववत पदस्थापन और संविदा के आधार पर समायोजन शामिल हैं। धरने में शैलेन्द्र कुमार तिवारी सहित कई वक्ताओं ने सरकार से मांगें नहीं माने जाने पर 15 जून को राज्यस्तरीय आंदोलन की चेतावनी दी। मौके पर शैलेन्द्र कुमार तिवारी, जिला अध्यक्ष झारखण्ड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ कोडरमा एवं मो शहनवाज, राजकुमार दास, शशिकान्त मणि, शशिपाण्डेय, कौशल किशोर सिंह, अनिल यादव, संदीप यादव, दीपक कुमार, चन्दन कुमार, सौरभ कुमार, अभिषेक कुमार, आशीष कुमार, अपसा प्रवीण, संजय कुमार शर्मा, हसन रजा, शैलेन्द्र कुमार, अजीत कुमार, श्वेता मुखर्जी एवं अन्य सभी आउटसोर्सिंग कर्मचारीय मौजुद रहे।

झारखंड विधानसभा की गैर सरकारी संकल्प समिति के सभापति की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ शुक्रवार को झारखंड विधानसभा की गैर सरकारी संकल्प समिति के सभापति सह माननीय धनबाद विधायक राज सिन्हा, माननीय बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो एवं माननीय शिकारीपाड़ा विधायक आलोक कुमार सोरेन से उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने मुलाकात कर सभी का स्वागत किया। इसके अलावा झारखंड विधानसभा की गैर सरकारी संकल्प समिति की बैठक पाकुड़ परिसदन के सभागार में आयोजित हुई। इसके अलावा बैठक के दौरान बैठक के दौरान समिति ने पेयजलापूर्ति योजनाएं, खनन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, उत्पाद, बिजली विभाग, उद्योग विभाग, प्रदूषण विभाग, परिवहन विभाग, शिक्षा, कृषि, खाद्य, आपूर्ति, वन, श्रम, ग्रामीण कार्य, विशेष प्रमंडल, सिंचाई प्रमंडल,पथ निर्माण, पंचायत राज विभाग, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, पशुपालन समेत अन्य विभागों के द्वारा संचालित योजनाओं के विगत तीन वित्तीय वर्षों में विकास कार्यों के प्रतिवेदनों व जनहित के मामलों पर जिला स्तरीय सभी विभाग के पदाधिकारियों के साथ विचार विमर्श किया। साथ ही विभागवार प्राप्त अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन के आधार पर विभागीय पदाधिकारियों से जानकारी प्राप्त की और कई सुझाव व निर्देश दिये। इसके साथ ही समिति के सभापति ने सभी पदाधिकारियों को योजनाओं की प्रगति में तेजी लाने का निर्देश दिया। आगे उन्होंने किसी भी योजना के संचालन में यदि कोई समस्या आ रही हो तो उसे जल्द से जल्द दूर करते हुए उसे पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने जनहित की योजनाओं को प्राथमिकता देते हुए समय-समय पर उनकी निगरानी और निरीक्षण सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया। मौके पर उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, परियोजना निदेशक आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, जिला परिवहन पदाधिकारी संजय पीएम कुजुर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह, जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू, जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय अंडर 18 कबड्डी प्रतियोगिता के लिए जिला टीम चयनित

साहिबगंजः

कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखंड के द्वारा 14 से 15 जून 2025 को बोकारो में प्रथम झारखंड राज्य अंडर 18 कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है ।जिसमें जिला टीम की भागेदारी को लेकर जिला कबड्डी संघ के द्वारा फूलों झानो इनडोर स्टेडियम में खेल बैंक द्वारा प्रदत अत्याधुनिक कबड्डी सिंथेटिक मैट पर बालिका खिलाड़ियों का चयन किया गया । जिसमें बालिका वर्ग में कई बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया। अंतिम रूप से चयनित खिलाड़ियों को राज्य स्तर पर भागेदारी हेतु जिला खेल कार्यालय द्वारा खेल बैंक से खेल कीट उपलब्ध कराया गया ।मौके पर जिला खेल पदाधिकारी पंकज कुमार झा ने बालिका खिलाड़ियों को शुभ कामना दी।

बिरहोर टोला में दस्तावेज शिविर आयोजितः 30 लोगों को मिला जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड में सुधार का लाभ

केरेडारी संवाददाता झ रबिन्द्र कुमार पाण्डेय

केरेडारी प्रखंड के बुंडू पंचायत अंतर्गत बिरहोर टोला में गुरुवार को एक दिवसीय विशेष जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय को सरकारी योजनाओं से जोड़ना और उनकी पहचान संबंधी समस्याओं का समाधान करना था। प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) विवेक कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में कुल 30 बिरहोर परिवारों को जन्म प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इसके साथ ही 6 लोगों के नए आधार कार्ड बनाए गए और 10 लोगों के आधार कार्ड में आवश्यक सुधार भी किया गया। इससे बिरहोर समुदाय के इन परिवारों को अब राशन कार्ड, स्वास्थ्य सेवाएं, पेंशन एवं अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने में सुविधा होगी।

शिविर में रही अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी

शिविर में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी रवि राजा, कल्याण पदाधिकारी प्रशांत कुमार, पंचायत सचिव वृज किशोर महतो, मुखिया तुलसी तुरी, डीलर मिथिलेश कुमार, प्रखंड ऑपरेटर मदन कुमार और जितेन्द्र समेत कई अन्य पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने बिरहोर समुदाय के लोगों को उनके अधिकारों और योजनाओं की जानकारी दी, साथ ही उन्हें जागरूक भी किया।

खुशी की लहर, आभार प्रकट

शिविर के सफल आयोजन से बिरहोर टोला में खुशी की लहर है। पहली बार इस समुदाय के कई परिवारों को आधिकारिक पहचान पत्र और दस्तावेज प्राप्त हुए हैं, जिससे उन्हें सरकारी सुविधाओं से वंचित नहीं रहना पड़ेगा। स्थानीय लोगों ने इस पहल के लिए प्रखंड प्रशासन के प्रति आभार जताया।

जिला उद्योग केंद्र अंतर्गत प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना एवं पी०एम०एफ०एम०ई० योजना की समीक्षा बैठक संपन्न

दिव्य दिनकर:संवाददाता

चतरा समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में जिला उद्योग केंद्र अंतर्गत प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना एवं पी०एम०एफ०एम०ई० योजना की समीक्षा बैठक की गई। समीक्षा के क्रम में उन्होंने सभी प्रखण्ड उद्यमी समन्वयक को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना अंतर्गत आवेदकों का ज्यादा से ज्यादा पंजीकरण करने हेतु निदेशित किया। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना अंतर्गत स्टेज 3 से स्वीकृत (523 आवेदकों, जिसमें 192-राजमिस्त्री, 115 बढ़ई मिस्त्री 192+115=307) शेष 15 क्राफ्ट के 216 प्रशिक्षित आवेदकों की सूची प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना (पी०एम०यू० टिम, राँची) से प्राप्त करने की बात कही। अग्रणी जिला प्रबंधक को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना अंतर्गत स्टेज 3 से स्वीकृत आवेदन जो बैंको को दैनिक स्तर पर प्राप्त हो रहा है उसे त्वरित कार्रवाई करते हुऐ ऋण स्वीकृत करने में विलम्ब न किया जाय। आगे उन्होंने कहा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का जिला स्तरिय क्रियान्वयन समिति की बैठक करवाना सुनिश्चित करें। पी०एम०एफ०एम०ई० योजना का समीक्षा के दौरान सभी प्रखण्ड उद्यमी समन्वयकों को कहा ज्यादा से ज्यादा योग्य आवेदको का चयन करें और बैंको के साथ समन्यय स्थापित करते हुए उन्हें लाभान्वित करें। बैठक में महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र चतरा, अग्रणी जिला प्रवंधक बैंक ऑफ इण्डिया चतरा, जिला उद्यमी समन्वयक, प्रखंड उद्यमी समन्वयक ,मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड चतरा समेत अन्य संबंधित उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

ग्रीनलैण्ड पब्लिक स्कूल में अहमदाबाद विमान हादसे में मृतकों की याद में आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

चौपारण

अहमदाबाद में गुरुवार को हुए भीषण विमान हादसे में मारे गए 250 से अधिक लोगों की आत्मा की शांति के लिए पांडेयबारा चपरीकला स्थित ग्रीनलैण्ड पब्लिक स्कूल में शोकसभा आयोजित की गई। इस मौके पर विद्यालय के निदेशक पंचम कुमार पाण्डेय, शिक्षकगण और छात्र-छात्राओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यालय के निदेशक ने कहा पंचम कुमार पाण्डेय यह हादसा न केवल अहमदाबाद या देश की, बल्कि पूरी मानवता की एक गहरी क्षति है। यह हमें जीवन की अनिश्चितता और मानवीय मूल्यों की अहमियत का बोध कराता है। हमें मिलकर संवेदनशील और सहृदय समाज की स्थापना करनी चाहिए। यह भीषण दुर्घटना एयर इंडिया की लंदन जा रही फ्लाइट संख्या अक-171 के साथ हुई, जो अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ देर बाद बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल परिसर के मेस भवन से टकरा गई। फ्लाइट में कुल 230 यात्री और 12 क्रू मेंबर्स सवार थे, जिनमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक शामिल थे। दुर्भाग्यवश, इस हादसे में एक यात्री को छोड़कर बाकी सभी की मौत हो गई। हादसे में बीजे मेडिकल कॉलेज के कई एमबीबीएस छात्रों और डॉक्टरों की भी जान चली गई, जबकि 60 से अधिक मेडिकल छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। विद्यालय परिवार की ओर से सभी मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की गई। साथ ही, मृतकों के परिजनों को इस दुःख की घड़ी में हौसला और सहनशक्ति प्रदान करने की कामना की गई। श्रद्धांजलि सभा में शिक्षकों में धनंजय कुमार, प्रीति कुमारी, अजली सिंह, सोहानी कुमारी, शम्मा प्रवीण, पूजा कुमारी, राशिक सिंह, मो इकबाल, मो मंसूर सहित अन्य उपस्थित रहे।

आम्रपाली कोल परियोजना में अवैध वसूली नहीं: भाजयुमो,विकास मालाकार

दिव्य दिनकर:संवाददाता

टंडवाःचतरा। भाजयुमो के जिला महामंत्री विकास मालाकार ने आम्रपाली के ट्रकों से अवैध वसूली को एक सिरे से खारिज करते हुए कहा कि आम्रपाली के विस्थापित परिवार अपने हक और अधिकार की लड़ाई लड रहे हैं। हर ट्रक से अवैध वसूली की खबरें शोषल मीडिया में वायरल होने पर भाजयुमो विस्थापित परिवार के साथ पूरी तरह खड़ा है। भाजयुमो के महामंत्री ने विकास मालाकार ने इस मामले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिन लोगों ने कोयला खनन के लिए अपने बाप दादाओं की जमीन को सीसीएल के हवाले किया उन्हें साजिश के तहत बदनाम और फंसाया जा रहा है। आम्रपाली ने दो सौ मिलियन टन कोयला उत्पादन कर देश को समर्पित किया उन पर आरोप लगाना कहीं से भी उचित नहीं। विकास के अनुसार आम्रपाली से प्रभावित पांच गांव का लगभग 250 रैयत ट्रक मालिक है जो अपनी सुविधा के लिए एकजुट है। उनका सवाल है कि गांव के ट्रक मालिक मालिको से कोई अवैध वसूली कैसे कर सकता है। आम्रपाली में आज भी बाहरी अपना साम्राज्य चाह रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ कोल ट्रांसपोर्टर स्थानीय लोगों को डरा धमका कर रखना चाहते है ताकी अपनी स्वार्थ सध सके। विकास ने कहा कि कुछ साल पहले बिगलात गांव का एक ट्रक मालिक इसलिए फांसी लगाकर आत्महत्या किया था कि समय पर लोन नहीं चुकता कर पाया। वह युवक भी ट्रांसपोर्टर का ही शिकार बना था। उन्होंने वाहन संघ के तारीफ करते हुए कहा कि विपरीत स्थितियों में विस्थापित परिवार एकजुट है। एक सवाल पर कहा कि 100 वोलियंटर दिन रात 500 ट्रको को लाइन लगा रहे हैं ऐसे में कोई सेवा शुल्क देता है तो उसे अवैध कहना गलत है।

जीटी रोड पर ट्रकों की अवैध पार्किंग से होती है दुर्घटना

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में जीटी रोड पर इन दिनों ट्रकों की अवैध पार्किंग हो रही है। अवैध पार्किंग से दुर्घटना होते रहती है। जीटी रोड पर औरंगाबाद के मदनपुर से लेकर बारुण तक ट्रक खड़े रहते हैं। लाइन होटलों एवं पेट्रोल पंपों के पास सड़क पर ट्रकों की पार्किंग होती है। ट्रक चालकों के द्वारा अवैध तरीके से वाहनों को खड़ा किया जाता हैं। सड़क पर अवैध पार्किंग का खामियाजा छोटे वाहन भुगत रहे हैं। रात के अंधेरे में छोटे वाहन चालकों को सड़क पर खड़ी ट्रक दिखाई नहीं देती है और दुर्घटना हो जाती है। जब हादसा होता है तो पुलिस घटनास्थल पर पहुंचती है और कोरम पूरा करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज देती है। जीटी रोड पर अवैध पार्किंग करने वाले ट्रकों को पुलिस न तो हटाती है और न ही कोई कार्रवाई करती है। ट्रक चालकों पर परिवहन विभाग के अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। 19 फरवरी 2025 की रात्रि बारुण थाना क्षेत्र के सिंदुरिया मोड़ के पास तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने जीटी रोड पर खड़े ट्रक में जोरदार टक्कर मारा था। घटना में कार सवार एक 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई थी। माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके अलावा कई दुर्घटना हुई है जिसमें यात्रियों को जान गंवानी पड़ी है।

जीटी रोड किनारे अवैध पार्किंग किए ट्रकों के खिलाफ अभियान चलाकर हमेशा कार्रवाई होती है। इस क्रम में ट्रक चालकों से जुमार्ना वसूला जाता है। ट्रक चालकों को निर्देश दिया जाता है कि दोबारा जीटी रोड पर ट्रकों की पार्किंग न करें। अभियान चलाकर अवैध पार्किंग पर कार्रवाई की जाएगी।

सफलता की उड़ान भरने वाले छात्रों का सम्मान जरूरी_ शिल्पी नेहा तिर्की

मांडर प्रखंड के 300 मेधावी छात्रों को भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी प्रतिभा सम्मान

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - शिक्षा के क्षेत्र सफलता की उड़ान भरने वाले मांडर प्रखंड के छात्रों को आज भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया . मांडर कॉलेज परिसर में 10 वीं और 12 वीं की परीक्षा उत्तीर्ण विभिन्न स्कूलों के करीब 300 मेधावी छात्रों को ये सम्मान मिला . कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की , पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की के हाथों छात्रों को सम्मानित किया गया . इस मौके मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि साल 2005 में पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की ने ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर अंक लाकर उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के लिए प्रतिभा सम्मान की शुरूआत की थी . आज साल दर साल सम्मान पाने वाले छात्रों की संख्या में इजाफा हो रहा है . उन्होंने कहा कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हो कड़ी मेहनत_ लगन और लक्ष्य को पाने की जिद से सफलता हासिल की जा सकती है . इसका ताजा उदाहरण दिहाड़ी मजदूर की बेटी से लेकर खोमचा वाले परिवार के बेटा बेटी के नाम शामिल है . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि छात्रों को मिलने वाला ये सम्मान और प्रमाण पत्र छात्रों को हर दिन अपने लक्ष्य को पाने के लिए प्रेरित करेगा . छात्रों के लिए ज्ञान समंदर की तरह है . डिग्री पाना आसान हो सकता है पर व्यवहारिक ज्ञान के बगैर सब कुछ अधूरा रह जाएगा . आज के दौर में युवाओं को व्यवहारिक ज्ञान की जरूरत है . उन्होंने कहा कि छात्रों का आचरण ही उनकी सफलता की राह तय करेगा . लेकिन भविष्य की सफलता के लिए सही सोच और दिशा का चयन करना होगा . छात्रों को सफलता से ज्यादा उत्साहित होने की जरूरत नहीं है ये थोड़े समय के लिए ही होता है . दरअसल ये दर्दनाक होता है क्योंकि यहीं से आपकी जिम्मेवारी बढ़ जाती है . आपसे परिवार समाज और सहयोगियों की उम्मीदें बढ़ जाती है . इस लिए अभी ये सफलता का आगाज और अंत तब होगा , जब आप सफलता की शिखर पर होंगे . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मांडर कॉलेज को विश्वविद्यालय के तौर पर तैयार करने की बात कही . उन्होंने कहा कि 13 करोड़ की लागत से भवन का निर्माण किया गया है . इसके साथ ही विश्वविद्यालय के लिए जरूरी मापदंड को पूरा करने का काम किया जा रहा है . आज युवा पीढ़ी को संविधान की जानकारी होना जरूरी है क्यूंकि ये देश किसी धर्म ग्रन्थ से नहीं बल्कि संविधान से चलता है . पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की ने इस मौके पर कहा कि ये सम्मान समारोह मांडर विधानसभा क्षेत्र के हर प्रखंड में किया जाता है . सम्मान पाने वाले आज कई छात्र अच्छे मुकाम पर पहुंच चुके है . जीवन की लंबी उड़ान के लिए खुद को तैयार करना पड़ता है . बेहतर से बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रयास जारी रखना होगा . शिक्षा के क्षेत्र में ग्रामीण प्रतिभा को निखारने के लिए लंबी लकीर खींचने की जरूरत है . उन्होंने कहा कि मांडर कॉलेज को विश्वविद्यालय का रूप दिया जाएगा . उद्देश्य ग्रामीण छात्रों को उच्च शिक्षा प्रदान करना है . बंधु तिर्की ने कहा कि ग्रामीण छात्रों के लिए ग्रामीण प्रतिभा परीक्षा का आयोजन करने की योजना है . ये स्कूल स्तर पर आयोजित होगा . जिसमें दो तरह की परीक्षा प्रखंड स्तर पर आयोजित होगी . हर प्रखंड से 4 से 5 छात्रों का चयन किया जाएगा . ऐसे छात्रों की शिक्षा का खर्च वहन किया जाएगा . ग्रामीण प्रतिभा परीक्षा के सफल छात्रों को हवाई जहाज से एजुकेशन टूर भी कराया जाएगा . प्रतिभा सम्मान समारोह में मांडर कॉलेज प्राचार्य ए एन शाहदेव , बीडीओ चंचला कुमारी , फिलिप सहाय एक्का , अमानत अंसारी , मंगा उरांव , मोजिबुल्ला, सेराफिना मिंज , सरिता देवी , नसीम अंसारी , जुएब अंसारी , होसे उरांव , जुवेल तिग्गा , अर्जुन महतो , चिंतामणि , बेलस , बंधु टोप्पो सहित स्कूल के प्राचार्य और शिक्षक मौजूद थे . मांडर प्रखंड के टॉपर .... मांडर कॉलेज परिसर में जैक बोर्ड के 10 वीं और 12 वीं की परीक्षा में टॉपर रहे छात्रों को भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया . मैट्रिक की परीक्षा में मांडर प्रखंड में प्रथम स्थान प्रभात कुमार केसरी , द्वितीय स्थान जया कुमारी , तृतीय स्थान मोहित उरांव को मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने सम्मानित किया . वहीं इंटर की परीक्षा में विज्ञान संकाय में मांडर प्रखंड में प्रथम_ सलोनी कुमारी , द्वितीय_ रेहान अंसारी और तृतीय रोहित उरांव को सम्मानित किया गया . जबकि वाणिज्य संकाय में मांडर प्रखंड में प्रथम_ ईशा किंडो , द्वितीय_ फरहा अंजुम और पृथ्वी कुमार साहू , तृतीय_ अभिजीत मुंडा को सम्मानित किया गया . वही कला संकाय में मांडर प्रखण में प्रथम_ चुनको टोप्पो , द्वितीय_ साजिद खातून , तृतीय_ साइना साहिन को सम्मानित किया गया . सम्मान समारोह में टॉपरों के साथ साथ बेहतर रिजल्ट लाने वाले करीब 300 छात्र_ छात्राओं को स्वर्गीय राजीव गांधी प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया .

उचित भाड़ा मिलने से क्यों बेचैन हैं कुछ लोग? आम्रपाली कोल परियोजना में फिर दिखी बाहरी तत्वों की साजिश

संवाददाता : दिव्य दिनकर टंडवा, चतरा

आम्रपाली कोल परियोजना में इन दिनों एक बार फिर वाहन मालिकों और ट्रांसपोर्टरों के बीच भाड़ा विवाद गहराता जा रहा है। विस्थापित और स्थानीय वाहन मालिकों को जब से उचित भाड़ा मिलने लगा है, कुछ स्वार्थी तत्व और बाहरी ट्रांसपोर्टर इसे पचा नहीं पा रहे हैं। नतीजतन, एक बार फिर साजिशों का दौर शुरू हो गया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, जब आम्रपाली परियोजना की शुरूआत हुई थी, तब स्थानीय वाहन मालिकों को काम मिलने की आशा जगी थी। कुछ दिन सबकुछ सुचारू चला, लेकिन एक मुकदमे के बाद बाहरी ट्रांसपोर्टरों ने क्षेत्र में दबदबा बना लिया। कम भाड़ा में कोयला ट्रांसपोर्टिंग के टेंडर हासिल कर इन ट्रांसपोर्टरों ने पहले स्थानीय मालिकों से झूठे वादे किए झ जैसे 1000 के टेंडर पर 1100 देने की बात झ लेकिन भुगतान के समय तरह-तरह की परेशानी दी जाने लगी। जब स्थानीय रैयतों और विस्थापितों ने इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई, तो उन्हें केस-मुकदमे और धमकियों का सामना करना पड़ा। कई ट्रक मालिकों को अपने वाहन बेचने तक की नौबत आ गई। लेकिन अब स्थिति बदल रही है।

फिर से लौट रही है एकजुटता:

बीते कुछ महीनों में विस्थापित गांवों के वाहन मालिक एकजुट हुए हैं। उन्होंने कम भाड़ा में काम करने वालों का कोयला उठाव रोक दिया और पारदर्शिता के साथ काम की मांग की। इसका असर यह हुआ कि स्थानीय मालिकों को अब समय पर और उचित भाड़ा मिलने लगा है। ट्रक मालिकों की गाड़ियाँ फिर से सड़कों पर दौड़ने लगी हैं। सुव्यवस्था बनाए रखने के लिए मालिकों ने आपसी सहयोग से कुछ वालंटियर भी नियुक्त किए हैं जो लाइन प्रबंधन और अन्य व्यवस्थाओं को संभालते हैं। लेकिन अब इसी सहयोग को कुछ लोग ₹अवैध वसूली₹ बताकर बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं।

बाहरी दबाव और फर्जी एसोसिएशन :

स्थानीय लोगों का आरोप है कि पहले जिन दलालों ने ₹प्रभावित₹ और ₹विस्थापित₹ के नाम पर एसोसिएशन बनाकर मोटी रकम डकारी, वे आज करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं। रांची, हजारीबाग आदि जगहों में उनके बंगलों, लग्जरी गाड़ियों और अंगरक्षकों का दिखावा आम बात हो गई है।

निष्पक्ष जांच मांग:

विस्थापित ग्रामीणों की स्पष्ट मांग है कि ऐसे तथाकथित ₹संघों₹ और ट्रांसपोर्टरों की आय से अधिक संपत्ति की जांच होनी चाहिए। कोयला ट्रांसपोर्टिंग में व्याप्त भ्रष्टाचार और बाहरी दबदबे को समाप्त कर स्थानीय रैयतों को लाभ दिलाने के लिए सरकार और कोल कंपनियों को ठोस पहल करनी होगी।

कांग्रेस का पेशा कानून ड्राफ्ट चर्च प्रायोजित: प्रदीप टोप्पो का आरोप

रातू, राँची:-

झारखंड में प्रस्तावित पी-पेसा कानून को लेकर राजनीतिक हलकों में हलचल तेज है। इस बीच भाजपा किसान मोर्चा के रांची महानगर प्रभारी प्रदीप टोप्पो ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस द्वारा प्रस्तावित पी-पेसा कानून का ड्राफ्ट चर्च के प्रभाव में तैयार किया गया है, जो आदिवासी समाज की परंपरा, रीतिरिवाज और जनविधि को खत्म करने की साजिश है। प्रदीप टोप्पो ने कहा कि पेसा अधिनियम 1996 को झारखंड में हू-ब-हू लागू किया जाना चाहिए, लेकिन कांग्रेस पंचायती राज अधिनियम के बजाय संसदीय प्रक्रिया के तहत पी-पेसा कानून लागू कर रही है, जो जनजातीय समाज के अधिकारों के खिलाफ है। उन्होंने विशेष रूप से धारा 3(डी) और 4(डी) का जिक्र करते हुए कहा कि यह प्रावधान आदिवासियों की धार्मिक स्वतंत्रता, परंपरा, रीतिरिवाज और जनविधि को समाप्त करने की दिशा में खतरा पैदा करता है। टोप्पो ने चेतावनी दी कि अगर इस कानून को जनजातीय समाज की मूल भावना के विपरीत जबरन लागू किया गया तो आदिवासी समाज सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगा। पांचवी से छठवीं अनुसूची में बदलाव की साजिश का आरोप उन्होंने कहा कि झारखंड के 13 जिले पूर्णतः और 2 जिले आंशिक रूप से पांचवी अनुसूची के तहत अधिसूचित हैं। कांग्रेस इस अनुसूची को खत्म कर छठवीं अनुसूची लागू करना चाहती है, जैसा कि असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में है। अगर छठवीं अनुसूची लागू होती है, तो जिला स्वशासी परिषद को कानून बनाने और विकास कार्यों के लिए फंड का पूर्ण अधिकार मिल जाएगा। इससे ग्राम सभा की भूमिका खत्म हो जाएगी और स्थानीय स्वशासन की धारणा ध्वस्त हो जाएगी। जनजातीय समाज को पंगु बनाने की साजिश प्रदीप टोप्पो ने आरोप लगाया कि कांग्रेस झारखंड के आदिवासी समाज को आर्थिक, सामाजिक और पारंपरिक रूप से कमजोर और पंगु बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि पी-पेसा के ड्राफ्टिंग में आदिवासी जनप्रतिनिधियों की राय नहीं ली गई और यह आदिवासी विरोधी मंशा का स्पष्ट संकेत है।

नशे को कहें ना, जिंदगी को कहें हाँ: प्रभात फेरी में स्वास्थ्य कर्मियों ने किया जागरूक

दिव्य दिनकर, संवाददाता चतरा।

उपायुक्त कीर्तिश्री के निर्देश पर गुरुवार को सदर अस्पताल, चतरा से पोस्ट ऑफिस चौक तक प्रभात फेरी निकाली गई। इस आयोजन का उद्देश्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों को लेकर आमजन को जागरूक करना था। प्रभात फेरी को सिविल सर्जन डॉ. दिनेश कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी (सिमरिया) सन्नी राज एवं जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. कुमार उत्तम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी सन्नी राज ने उपस्थित लोगों को चरस, अफीम, तंबाकू जैसे मादक पदार्थों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा– मादक पदार्थों को ना कहें, और जिंदगी को हां कहें। कार्यक्रम के दौरान सदर अस्पताल परिसर में नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई गई, जिसमें स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मियों ने भाग लिया। सिविल सर्जन डॉ. दिनेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा, ₹मादक पदार्थों के सेवन ने कई परिवारों को बर्बाद कर दिया है। आने वाली पीढ़ी को इस विनाशकारी लत से बचाने के लिए आवश्यक है कि समाज इसके उत्पादन, बिक्री और सेवन पर रोक लगाए। युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं, और उनका योगदान देश के निर्माण में अनमोल है। उन्होंने युवाओं से ₹नशामुक्त भारत अभियान में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की। इस अभियान को सफल बनाने में डॉ. मनीष लाल, स्वास्थ्य कर्मी संगीता एक्का, उदय शरण प्रसाद, रविन्द्र विश्वकर्मा, रश्मि दूबे, हेम्ब्रम, बजरंग उरांव, अरुणा कुमारी, सुदीप कुमार मुंडा, तथा सीनी संस्था से ओम प्रकाश शर्मा एवं मुन्तजिर, सहिया और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने उल्लेखनीय योगदान दिया।

गिद्धौर थाना क्षेत्र में कोटपा-2003 की धारा 6ए 6बी व धारा 4 का अनुपालन दुकानों में कराया गया

कोटपा कानून का उल्लंघन करने वाले 10 दुकानों,व्यक्तियों पर लगाया गया अर्थदंड

दिव्य दिनकर:संवाददाता

चतरा। जिले के गिद्धौर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम-2003 (कोटपा .2003) की धारा 4 व 6ए, 6बी के तहत नियमित जांच अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें गुरुवार को जिला छापामारी दल के द्वारा कुल 25 दुकानों की जांच की गई जिसमें 10 दुकानों/ व्यक्तियों द्वारा कोटपा कानून का उल्लंघन करते हुये पाया गया। जिनसे अर्थदण्ड वसूली की गई। रश्मि दुबे जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम चतरा द्वारा बताया गया कि छापामारी के दौरान सभी दुकानों पर पाया गया कि लोग पोस्टर चिपका कर सिगरेट व अन्य तम्बाकू उत्पाद का विज्ञापन कर रहे हैं जो कि कोटपा-2003 की धारा 5 के तहत प्रतिबंध है। छापामारी के दौरान सभी दुकानों से विज्ञापन वाले पोस्टर हटाया गया साथ ही सभी दुकानों में कोटपा-2003 की धारा 6ए का अनुपालन कराया गया।सभी तम्बाकू उत्पाद बेचने वाले को ह्ह्ह18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को तम्बाकू पदार्थ बेचना या बेचवाना कानूनन अपराध हैह्ह्ह का पोस्टर दुकान के सामने लगाना आवश्यक है। जिला में प्रिन्ट मीडिया के सहयोग से लगातार दैनिक समाचार के माध्यम से सभी को अवगत कराया जा रहा है कि वह अपने दुकानो पर सिगरेट व तम्बाकू उत्पाद के प्रचार प्रसार का पोस्टर न लगायें और न ही स्कूल के 100 गज के दायरे में तम्बाकू उत्पाद की बिक्री करें। तंबाकू उत्पाद का प्रचार प्रसार एवं बिना वैधानिक चेतावनी के तंबाकू या तंबाकू से बने उत्पाद बेचना कानून अपराध है। उक्त मौके अंचल अधिकारी गिद्धौर, मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर अंजली, जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम सोशल वर्कर शशि भूषण शास्त्री उपस्थित थे।

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए कुल 12 परिवादियों ने अपनी-अपनी समस्याएं जिला प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत कीं। उपस्थित नागरिकों ने महिला उत्पीड़न, प्रधानमंत्री आवास योजना में लाभ नहीं मिलने, वासगीत पर्चा, स्थानांतरण, भूमि विवाद, सड़क और जल निकासी की व्यवस्था, भूमि मापी व अतिक्रमण जैसे गंभीर विषयों को उठाया। जनता दरबार की कार्यवाही के दौरान जिला पदाधिकारी ने प्रत्येक परिवादी की बातों को गंभीरतापूर्वक सुना और आश्वस्त किया कि सभी शिकायतों का निष्पक्ष, त्वरित एवं प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक परिवाद की तह तक जाकर जांच करें और यथासंभव कम समय में निष्पादन सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को समय पर न्याय मिल सके। महिला उत्पीड़न की शिकायत खुदवों गांव की श्रीमती पुनम देवी द्वारा दर्ज कराई गई, जिसे गंभीरता से लेते हुए जिला पदाधिकारी ने महिला हेल्पलाइन औरंगाबाद को तत्काल संज्ञान लेने का निर्देश दिया। शांतिपुर, जम्होर के निवासी राजबली चौधरी ने भूमि मापी, अतिक्रमण हटाने और वासगीत पर्चा प्रदान करने से संबंधित अपनी समस्या रखी, जिस पर अंचल अधिकारी औरंगाबाद को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। सेवानिवृत्त शिक्षक बिंदेश्वरी सिंह ने किशोरी सिन्हा महिला महाविद्यालय, औरंगाबाद के निकट सड़क निर्माण और जल निकासी की व्यवस्था को लेकर समस्या बताई, जिस पर नगर परिषद और कार्यपालक अभियंता को निर्देशित किया गया कि वे स्थल निरीक्षण कर शीघ्र समाधान करें। शांतिपुर निवासी संतोष कुमार चौधरी और रामलाल चौधरी ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत लंबित भुगतान की समस्या उठाई, जिस पर जिला पदाधिकारी ने उप विकास आयुक्त औरंगाबाद को आवास सहायक से ससमय सत्यापन कर भुगतान कराने का आदेश दिया। अन्य परिवादियों द्वारा भी अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं रखी गईं, जिनमें रास्ता अवरुद्ध होने से आवागमन में असुविधा, सरकारी योजनाओं का लाभ न मिल पाना, स्थानांतरण संबंधित मुद्दे और भूमि संबंधी विवाद प्रमुख रहे। जिला पदाधिकारी ने सभी परिवादों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अंत में उन्होंने जनता दरबार में उपस्थित सभी नागरिकों को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन उनके हितों के प्रति प्रतिबद्ध है और उनकी समस्याओं का निष्पक्ष एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। जनता दरबार जिले के नागरिकों की समस्याओं के समाधान हेतु एक प्रभावी मंच के रूप में कार्य कर रहा है, जिससे आमजन का प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हुआ है।

ऑपरेशन सिंदूर : संसद से क्यों भाग रही है मोदी सरकार!

>> विचार

> "विशेष सत्र की मांग खारिज कर सामान्य संसदीय सत्र को आगे किए जाने का ठीक यही अर्थ है। इस तिकड़म के जरिए, न सिर्फ इस चर्चा के तत्काल आवश्यक होने को नकार दिया गया है, इसके सहारे इसे सामान्य संसदीय सत्र के अनेक अन्य मुद्दों में से एक बनाकर, मामूली बनाने की ही कोशिश की जाएगी। इस खेल को मणिपुर के घटनाक्रम पर संसद में बहस का जो हश्र हुआ था, उसके उदाहरण से समझा जा सकता है। केंद्रित बहस के बजाय, ज्यादा से ज्यादा एक सामान्य विस्तृत बहस की इजाजत दी जाएगी और हैरानी की बात नहीं होगी कि उसे भी खींच-खींचकर सत्र के अंत पर धकेल दिया जाए, जिससे सत्र का समापन इस विषय पर प्रधानमंत्री मोदी के लफ्फाजी भरे भाषण के साथ कराया जा सके।

राजेंद्र शर्मा

मोदी निजाम और उसके अंतर्गत संसद के अब तक के आचरण को देखते हुए, यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि सरकार ने अपनी तरफ से तो, पहलगाम की घटना और उसके बाद के घटनाक्रम पर फोकस्ड या विशेष रूप से केंद्रित बहस का रास्ता रोकने का मन बना लिया है। विशेष सत्र की मांग खारिज कर, सामान्य संसदीय सत्र को आगे किए जाने का, ठीक यही अर्थ है। आखिरकार, मोदी सरकार ने पहलगाम के आतंकवादी हमले और उसके बाद, 'आपरेशन सिंदूर' समेत पूरे घटनाक्रम पर संसद में अलग से चर्चा कराए जाने की मांग को खारिज कर दिया है। बेशक, मोदी सरकार ने सीधे-सीधे इस मांग को नहीं ठुकराया है। सच तो यह है कि आधिकारिक रूप से तो उसने इस समूचे घटनाक्रम पर संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने की विपक्ष की लगभग पूरी तरह से एकजुट मांग को दर्ज तक करना जरूरी नहीं समझा है, तब इस मांग को स्वीकार किए जाने का तो सवाल ही कहां उठता था। मोदीशाही ने संसद के विशेष सत्र की मांग को ठुकराया है, संसद के आगामी मानसून सत्र की तारीखों की समय से पहले घोषणा करने के जरिए। सरकार के फैसले के अनुसार, संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से होने जा रहा है। कहने की जरूरत नहीं है कि संसद के विशेष सत्र तथा पूरे घटनाक्रम पर संसद में बहस की बढ़ती मांगों की ही काट करने के लिए, अभी से अगले सामान्य सत्र की तारीखों की घोषणा कर दी गयी है। प्रस्तावित सत्र से डेढ़ महीने से भी ज्यादा पहले, 4 जून को इन तारीखों के ऐलान से इसमें किसी शक की गुंजाइश नहीं रह जाती है कि संसद के विशेष सत्र की मांगों को खारिज करने के लिए ही, इतने पहले से प्रस्ताविक सामान्य सत्र की तरीखों का ऐलान किया गया है। सामान्यतः सत्र के शुरू होने की तारीख के ज्यादा से ज्यादा दो-तीन सप्ताह पहले ही, आगामी सत्र की तारीखों की घोषणा की जाती रही है। मोदी निजाम और उसके अंतर्गत संसद के अब तक के आचरण को देखते हुए, यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि सरकार ने अपनी तरफ से तो, पहलगाम की घटना और उसके बाद के घटनाक्रम पर

फोकस्ड या विशेष रूप से केंद्रित बहस का रास्ता रोकने का मन बना लिया है। विशेष सत्र की मांग खारिज कर, सामान्य संसदीय सत्र को आगे किए जाने का, ठीक यही अर्थ है। इस तिकड़म के जरिए, न सिर्फ इस चर्चा के तत्काल आवश्यक होने को नकार दिया गया है, इसके सहारे इसे सामान्य संसदीय सत्र के अनेक अन्य मुद्दों में से एक बनाकर, मामूली बनाने की ही कोशिश की जाएगी। इस खेल को मणिपुर के घटनाक्रम पर संसद में बहस का जो हश्र हुआ था, उसके उदाहरण से समझा जा सकता है। केंद्रित बहस के बजाय, ज्यादा से ज्यादा एक सामान्य विस्तृत बहस की इजाजत दी जाएगी और हैरानी की बात नहीं होगी कि उसे भी खींच-खींचकर सत्र के अंत पर धकेल दिया जाए, जिससे सत्र का समापन इस विषय पर प्रधानमंत्री मोदी के लफ्फाजी भरे भाषण के साथ कराया जा सके। जिस तरह मणिपुर के मामले में संसद के किसी भी हस्तक्षेप का विफल होना सुनिश्चित किया गया था और यहां तक केंद्र सरकार ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने का फैसला लिया भी तो, उक्त बहस से लंबे अंतराल के बाद, राष्ट्रधारी पार्टी के अपने ही तकाजों से इसका फैसला लिया था। उसी प्रकार, पहलगाम और उसके बाद के घटनाक्रम पर, किसी भी जवाबदेही से सरकार को बचाने की ही कोशिश की जा रही होगी। ऐसा किसलिए किया जा रहा है, यह जानना मुश्किल नहीं है। इसके पीछे औपचारिक रूप से तो कोई तर्क ही नहीं है क्योंकि जैसा कि हमने पहले ही कहा, सरकार ने विशेष सत्र बुलाने की मांग को सुना-अनसुना ही कर दिया है। बहरहाल, अनौपचारिक रूप से इसके पीछे जो तर्क काम कर रहा है, उसकी झलक हमें मोदीशाही की ट्रोल सेना से लेकर सत्ताधारी पार्टी के प्रवक्ताओं तक के अलग-अलग बयानों में दिखाई दे जाती है। इस तर्क का सार यही है कि विपक्ष को और जाहिर है कि उसके माध्यम से आम जनता को, सरकार द्वारा जो कुछ कहा-बताया गया है, उसके अलावा कुछ भी जानने की जरूरत ही क्या है? इसी तर्क का विस्तार है कि संसद में विपक्ष के नेता, राहुल गांधी द्वारा साढ़े तीन दिन के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय पक्ष को हुए नुकसान के बारे में सवाल पूछे जाने पर, इस तरह के सवालों को 'पाकिस्तान की आवाज' करार देकर, दबाए जाने की ही कोशिशें की गयी हैं। और शस्त्रविराम के पूरे महीने भर बाद भी आधिकारिक रूप से इस सैन्य कार्रवाई में भारतीय पक्ष के नुकसान की, खासतौर पर विमानों के नुकसान की, कोई जानकारी देना ही जरूरी नहीं समझा गया है। हद से हद उच्च सैन्य अधिकारियों की ओर से गोल-मोल तरीके से यह स्वीकार किया गया है कि, 'लड़ाई में नुकसान तो होता ही है'। जाहिर है कि इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी का यह ऐलान एक आसान बहाना बन गया है कि 'आपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है, सिर्फ पॉज हुआ है।' शस्त्रविराम के बाद भी लड़ाई जारी रहने की यह मुद्रा, किसी भी वास्तविक जवाबदेही के तकाजों के खिलाफ एक बड़ी ढाल बन जाती है। कहने की जरूरत नहीं है कि पहलगाम से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक, सरकार से जवाब लिए जाने के लिए थोड़ा नहीं, बहुत कुछ है। बेशक, पहलगाम की दरिंदगी के डेढ़ महीने से ज्यादा गुजर जाने के बाद भी ये सवाल अनुत्तरित ही बने हुए हैं कि इस घटना के पीछे की सुरक्षा चूक के लिए कौन जिम्मेदार था और इस हत्याकांड को अंजाम देने वाले आतंकवादी, कहां से आए थे और कहां गायब हो गए? लेकिन, पहलगाम की घटना से, उसकी जिम्मेदारी से संबंधित सवाल ही नहीं हैं, जो अनुत्तरित बने हुए हैं। इस घटना के बाद से मोदी सरकार की जो प्रतिक्रिया सामने आई है और खासतौर पर 'आपरेशन सिंदूर' के नाम से जो सैन्य प्रतिक्रिया सामने आई है, उसे लेकर भी कोई कम सवाल नहीं हैं। इसमें, जिस प्रकार शस्त्र विराम हुआ है उससे जुड़े और खासतौर पर शस्त्रविराम कराने में अमरीकी प्रशासन की भूमिका से जुड़े सवाल भी शामिल हैं। हम इसकी ओर से आंखें नहीं मूंद सकते हैं कि अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अब तक एक दर्जन बार इसका दावा किया है कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कराया है, नाभिकीय टकराव के खतरे को टालने के लिए युद्ध विराम कराया है और व्यापार का लालच/धमकी देकर युद्ध विराम कराया है। और प्रधानमंत्री मोदी ने इन दावों पर चुप्पी ही साधी हुई है। और कुछ हो न हो, 'आपरेशन सिंदूर' के जरिए आतंकवाद के समर्थन के लिए पाकिस्तान को सजा देने के चक्कर में, भारत-पाकिस्तान के बीच के झगड़े में, अमेरिका के रूप में ताकतवर तीसरे पक्ष को ले आया गया है। इसने इसे भारत के लिए एक प्रकार से खुद अपने ही पाले में गोल करने का मामला बना दिया है। लेकिन, सवाल सिर्फ तीसरे पक्ष को बीच में ले आए जाने का ही नहीं है। आतंकवादियों की कार्रवाई के जवाब के तौर पर इस तरह की सैन्य कार्रवाई का चुनाव भी, बड़े सवालों के घेरे में है। इस तरह के विकल्प को ही प्रधानमंत्री मोदी का 'नया नॉर्मल' घोषित करना तो और भी बड़े सवालों के घेरे में है। बेशक, भारत की ओर से शुरूआत में टकराव को सीमित रखने की और प्रहार को आतंकवादी ठिकानों पर सीमित रखने की कोशिश की गयी थी। विदेश मंत्री के अनुसार, इस संबंध में शुरूआत में ही पाकिस्तान को सूचित भी कर दिया गया था, जिससे वह जवाबी सैन्य कार्रवाई से दूर रहे। लेकिन, यह सब जिस पूर्वानुमान पर आधारित था कि पाकिस्तान अपनी सीमाओं में घुसकर सैन्य कार्रवाई किए जाने को बिना सैन्य जवाब के स्वीकार कर लेगा, न सिर्फ गलत साबित हुआ बल्कि उसे तो गलत साबित होना ही था। इस गलत पूर्वानुमान के आधार पर सैन्य विकल्प का चुनाव किया गया, जो वस्तुगत रूप से बहुत महंगा साबित होने के अर्थ में उल्टा ही पड़ा है। एक ओर इन तमाम प्रश्नों पर देश की संसद का मुंह पहलगाम की घटना के पूरे तीन महीने बाद तक बंद ही रखने का इंतजाम कर दिया गया है और दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सत्ताधारी संघ-भाजपा ने, 'आपरेशन सिंदूर' को राजनीतिक/चुनावी रूप से भुनाने की जबर्दस्त मुहिम छेड़ रखी है। यह मुहिम बेशक, बिहार के आने वाले विधानसभाई चुनाव पर केंद्रित है, जो इसी साल और कुछ ही महीनों में होने जा रहा है। लेकिन, यह मुहिम पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल आदि के चुनाव के लिए भी, है जो अगले साल के शुरू के महीनों में होने हैं। इसी के लिए, लड़ाई रुकने के महीने भर बाद भी, 'रगों में सिंदूर दौड़ता है' की लफ्फाजी के जरिए, युद्धोन्माद बनाए रखा जा रहा है। संसद को पंगु बनाकर, इस तरह की मुहिम का चलाया जाना, बेशक मोदीशाही के तानाशाहाना मिजाज की ही गवाही देता है। इसे देखते हुए, हैरानी की बात नहीं है कि शेष दुनिया आज, आतंकवाद का शिकार होने के बावजूद, भारत के साथ खड़े होने से कतरा रही है। धर्मनिरपेक्षता और जनतंत्र, देश के अंदर दोनों को दफ्न करने पर तुली मोदीशाही की नीयत पर, बाहरी मामलों में भी कोई भरोसा करेगा भी तो कैसे?

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

संपादकीय

घटना ने झकझोर दिया

भारत में विवाह एक पवित्र बंधन है, जिसमें जीवन भर के रिश्ते की बुनियाद पड़ती है। एक विश्वास के साथ युगल अपने नए जीवन की यात्रा आरंभ करता है। पति और पत्नी दोनों को भरोसा होता है कि जब भी वे मुश्किल डगर पर होंगे, तो एक-दूसरे को संभाल लेंगे। इंदौर के राजा रघुवंशी शादी के एक हफ्ते बाद अपनी मधुर स्मृतियों को सहेजने के लिए पत्नी के साथ जब मेघालय गए होंगे, तब उन्हें पता नहीं होगा कि वे कभी लौट कर घर नहीं आएंगे और उनका हनीमून एक भयावह घटना में बदल जाएगा। शिलांग में पर्यटन के दौरान यह नवयुगल लापता हो गया था। इसके बाद एक खाई में राजा का शव मिला। तब से उनकी पत्नी सोनम गायब थी। पुलिस उसे ढूंढ़ती रही। सात दिन बाद पता चला कि वह गाजीपुर में है। इसके बाद देश को झकझोर देने वाली इस घटना से पर्दा उठ गया। पुलिस का दावा है कि सोनम ने ही पति की हत्या भाड़े के हत्यारों से कराई है। उसने आत्मसमर्पण जरूर कर दिया है, लेकिन सवाल उठता है कि अगर उसे आपत्ति थी, तो उसने यह शादी ही क्यों की ?पिछले एक अरसे में नवदंपतियों के बीच बढ़ते अविश्वास और मतभेद के कारण कलह, मारपीट और तलाक के मामले बढ़े हैं। जीवन भर एक-दूसरे का साथ निभाने का जो वचन दिया जाता है, वह कुछ दिनों या महीनों में टूटने लगता है। दोनों पक्ष के परिवारों के समझाने-बुझाने पर भी कई बार पति-पत्नी साथ नहीं रहते और नवयुगल का घरौंदा बसने से पहले ही उजड़ जाता है। उत्तर प्रदेश में अपराध पर काबू पाने के दावे में देखी जा रही है हड़बड़ी, नाहक ही बिना अपराध के तीन वर्ष जेल में काटनी पड़ी जेल मगर सवाल है कि वे कौन से कारण हैं, जिनकी वजह से नवदंपतियों में टकराव की नौबत पैदा होती है। इसे समझना होगा। दरअसल, इसके पीछे अति महत्त्वाकांक्षा, सुख-सुविधाएं और अवैध संबंध तो हैं ही, वहीं परिवार के दबाव में अनिच्छा से की गई शादी भी बड़ी वजह है। फिलहाल सोनम पर जो गंभीर आरोप लगे हैं, इसका जवाब अब उसी को देना है। मगर, इस घटना ने सभी को झकझोर दिया है।

संत कबीर जयंती: विचारों की क्रांति का महापर्व

प्रो. आरके जैन

संत कबीरदास-एक ऐसी चिंगारी, जो सदियों बाद भी अंधेरे को भस्म करती है, एक ऐसी वाणी, जो पाखंड की बेड़ियों को तोड़ती है, और एक ऐसा दर्शन, जो मानवता को सत्य और प्रेम की राह दिखाता है। जब भारतीय संत परंपरा का जिक्र होता है, तो कबीर का नाम तूफान की तरह गूँजता है-न झुकने वाला, न थमने वाला। वे न राजसत्ताओं के गुलाम थे, न धर्मों के ठेकेदार। उनकी हर साखी, हर दोहा, हर शब्द एक हथौड़ा है, जो अज्ञान, जातिवाद और ढोंग की दीवारों को चूर-चूर करता है। उनकी जयंती, ज्येष्ठ पूर्णिमा, जो 11 जून 2025 को देश के कोने-कोने में उत्साह के साथ मनाई जाएगी, केवल एक तिथि नहीं, बल्कि एक क्रांति का शंखनाद है-सत्य, समानता और करुणा की चेतना का महापर्व। यह वह दिन है, जब कबीर की आवाज हमें झकझोरती है-जागो, बंदे! पाखंड छोड़ो, सत्य को गले लगाओ। कबीर का जन्म 15वीं शताब्दी में माना जाता है, हालांकि उनके जन्मकाल को लेकर विद्वानों में मतभेद हैं। कुछ स्रोत 1398 को उनका जन्मवर्ष बताते हैं, तो कुछ 1440 के आसपास। उनकी जन्मकथा रहस्य से भरी है-कहा जाता है कि वे काशी (आधुनिक वाराणसी) में एक विधवा ब्राह्मणी के गर्भ से प्रकट हुए, जिन्हें स्वामी रामानंद का आशीर्वाद प्राप्त था। उनका पालन-पोषण नीरू और नीमा, एक जुलाहा दंपति ने किया। निम्न मानी जाने वाली जाति में जन्मे कबीर ने कभी सामाजिक भेदों को स्वीकार नहीं किया। उनका जीवन इस सत्य का जीवंत प्रमाण है कि आत्मा की शुद्धता और विचारों की उँचाई ही मानव की सच्ची पहचान है। कबीर ने निर्गुण भक्ति का मार्ग चुना, जिसमें ईश्वर निराकार, सर्वव्यापी और सर्वशक्तिमान है। उन्होंने मंदिर-मस्जिद के आडंबरों को ठुकराया और ईश्वर को हृदय में खोजने का संदेश दिया। उनका दोहा-"मोको कहाँ ढूँढे रे बंदे, मैं तो तेरे पास में। ना मैं मंदिर, ना मैं मस्जिद, ना मैं काबे कैलास में। न केवल उनकी आध्यात्मिक गहराई को उजागर करता है, बल्कि धार्मिक पाखंडों पर करारा प्रहार भी करता है। कबीर की रचनाएँ-दोहे, साखियाँ और शब्द-भाषा की सरलता और विचारों की तीक्ष्णता का अनुपम संगम हैं। उनकी रचनाएँ अवधी, भोजपुरी और हिंदी के मिश्रण में हैं, जो आम जन की जुबान थीं। उनका एक और प्रसिद्ध दोहा-"पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय। ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय।-यह सिखाता है कि सच्चा ज्ञान वह नहीं जो शास्त्रों में कैद हो, बल्कि वह जो प्रेम, करुणा और मानवीयता को जागृत करे। कबीर ने धार्मिक गुरुओं, पंडितों और मुल्लाओं की खोखली विद्वता पर तीखे व्यंग्य किए। उनकी वाणी में जीवन का हर पहलू-सामाजिक असमानता, धार्मिक ढोंग, नैतिकता और आत्म-जागरूकता-स्पष्ट रूप से उभरता है। उनकी रचनाएँ 'बीजक', 'साखी', 'शबद' और 'रमैनी' जैसे संग्रहों में संकलित हैं, जो आज भी भक्ति और दर्शन के साधकों के लिए मार्गदर्शक हैं। कबीर एक गृहस्थ संत थे। उन्होंने लोई नामक महिला से विवाह किया और उनके बच्चे-कमाल और कमाली-थे। गृहस्थ जीवन जीते हुए भी उनका जीवन सादगी, वैराग्य और सत्यनिष्ठा का प्रतीक था। वे समाज में रहकर उसे सुधारने का साहस रखते थे। उनकी शिक्षाओं ने संत रैदास, धन्ना, पीपा जैसे अनुयायियों को प्रेरित किया, और कबीरपंथ आज भी उनके विचारों को जीवित रखता है। कबीर ने नारी को सम्मान दिया और हर रिश्ते को आध्यात्मिकता से जोड़ा। उनका यह विश्वास-जात न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान। मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान। सामाजिक भेदभाव को नकारता है और ज्ञान को सर्वोपरि मानता है। कबीर जयंती का उत्सव केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है। इस दिन देशभर में कीर्तन, भजन, सत्संग और उनके दोहों पर आधारित गोष्ठियाँ होती हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में यह पर्व विशेष उत्साह के साथ मनाया जाता है। लेकिन कबीर जयंती का असली मर्म उनके विचारों को आत्मसात करने में है। आज का समाज फिर से जातिवाद, धार्मिक कट्टरता और नैतिक पतन की बेड़ियों में जकड़ा है। ऐसे में कबीर का यह दोहा-"चलती चाकी देख के, दिया कबीरा रोय। दो पाटन के बीच में, साबुत बचा न कोय।"-हमें याद दिलाता है कि समाज की क्रूर व्यवस्था में हर व्यक्ति पीस रहा है। कबीर इस व्यवस्था को तोड़ने और सत्य, प्रेम व समानता का समाज बनाने के पक्षधर थे। कबीर ने कभी तलवार नहीं उठाई, पर उनके शब्दों में वह शक्ति थी जो राजसत्ताओं और धार्मिक ठेकेदारों को चुनौती दे सके। उनकी वाणी-"मन का साँच झूठे से ऊँचा, साँच बिना सब सून।"-हमें सिखाती है कि सत्य के बिना जीवन निरर्थक है। आज जब हम कबीर जयंती मनाते हैं, तो यह केवल परंपरा नहीं, बल्कि आत्मपरीक्षण का अवसर है। क्या हम अब भी धर्म और जाति के नाम पर बँटे हैं? क्या हम अब भी सत्य को छोड़कर आडंबरों में जी रहे हैं? कबीर की शिक्षाएँ हमें प्रेम और करुणा का मार्ग दिखाती हैं, जो मानवता को एकजुट कर सकता है। कबीरदास एक शाश्वत ज्योति हैं, एक ऐसी गूँज जो सदियों बाद भी थमती नहीं। उनकी जयंती हमें पुकारती है-उठो! ढोंग की परतें उतारो, प्रेम की राह अपनाओ, और सच्चा इंसान बनो। यह पर्व केवल एक दिन की श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि हर दिन को कबीरमय बनाने का संकल्प है। उनकी वाणी हमारे अंतर्मन को झकझोरती है, हमें अपने भीतर झाँकने को मजबूर करती है। कबीर की विरासत वह चेतना है, जो हमें समाज के छल और समय की सीमाओं से परे ले जाती है। इस जयंती पर कबीर के विचारों को न केवल याद करें, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारें। यह वही सच्ची पूजा होगी, जो कबीर के सपनों को साकार करेगी-एक ऐसा समाज, जहाँ न जाति हो, न धर्म का झगड़ा, केवल प्रेम और सत्य का राज हो। कबीर की आवाज आज भी गूँज रही है, और यह हम पर है कि हम उस पुकार को सुनें और उसका अनुसरण करें।

श्रम की खुशबू और सफलता

संजीव ठाकुर

किसी भी लक्ष्य को पाने के लिए सही योजना परिकल्पना तथा रणनीति अत्यंत आवश्यक है अपने लक्ष्य के अनुसार अपनी क्षमता को दृष्टिगत रखते हुए व्यक्ति को अपनी प्राथमिकताएं सुनियोजित कर लेनी चाहिए, लक्ष्य प्राप्ति के लिए यह बहुत जरूरी है कि आपके पास उपलब्ध समय की गणना आवश्यक रूप से कर ले, अन्यथा अपने टारगेट से इधर उधर भटक सकते हैं, ऐसी स्थिति में मन को एकाग्र रखकर आत्मविश्वास को द्विगुणित कर के एकाग्रता को एक हथियार की तरह इस्तेमाल करना एक महत्वपूर्ण कदम होगा, सर्वप्रथम आप अपनी क्षमता शक्ति एवं ऊर्जा को पहचानिए एवं लक्ष्य की तरफ एक एक सोपान धीरे धीरे बढ़ाते जाएं, लक्ष्य के स्वरूप और छोटा या बड़ा होने की मन में कल्पना न करें, लक्ष हमेशा लक्ष्य होता है छोटा बड़ा नहीं, इसके लिए बहुत ही ठंडे दिमाग से योजना बनाकर लक्ष्य की प्राप्ति के उपायों को मन ही मन तय करें एवं प्राथमिकता के आधार पर उसकी धीरे धीरे तैयारी करना शुरू करें सफलता के लिए अपने संसाधन सुनिश्चित करने के पश्चात एक सुनियोजित योजना बनाकर समय की प्रतिबद्धता के हिसाब से धीरे-धीरे आगे की ओर अपने कदम न सुनिश्चित करें लक्ष्य प्राप्ति के लिए जो सबसे बड़ा शस्त्र है वह समय का सदुपयोग, क्योंकि हम सभी को मालूम है कि हमारे पास दिन में सिर्फ 24 घंटे ही उपलब्ध होते हैं, इसमें हमें दैनिक दिनचर्या शारीरिक एवं मानसिक शक्ति प्राप्त करने के लिए समय निकालने की आवश्यकता होगी, ऐसे में समय का समुचित उपयोग एक सफल नियोजन कर्ता की तरह किया जाना चाहिए, उपलब्ध समय में उचित समय पर उठना स्नान, ध्यान, भोजन एवं मानसिकता दृढ़ता के लिए समुचित नींद या निद्रा की अत्यंत आवश्यक होती हैं किसी ने सच कहा है, मन के हारे हार है और मन के जीते जीत, यदि आपको जीवन में जीत या सफलता प्राप्त करनी है तो आप मानसिक दृढ़ता के साथ आप आत्मविश्वास से लबरेज यानी ओतप्रोत होने के लिए तैयार हो जाए, लक्ष्य छोटा हो या बड़ा घबराने की आवश्यकता नहीं है , क्योंकि मनुष्य का मस्तिष्क ही सोच के हिसाब से सफलता लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सक्षम होता है काम करने से पहले ही यदि आप आधे मन से अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होंगे तो सफलता प्राप्त होने में संदेह ही नहीं सारी परिस्थितियां संदिग्ध हो जाती है लक्ष्य की दूरहता या क्लिष्टता का पूर्वानुमान अपनी सफलता की तैयारी के पूर्व ही कर लिया जाना चाहिए और इन सब के लिए सुनियोजित रणनीति या कार्य योजना तैयार कर उस लक्ष्य की तरफ रुख किया जाना चाहिए। अपनी प्राथमिकताओं में सर्व प्रथम स्थान

नींद का होना चाहिए, सही वक्त पर पूरी नींद ही शरीर को चुस्त-दुरुस्त और सजग रखती है' अतः दिन में मानसिक तनाव से दूर रहने के लिए संपूर्ण 6 से 8 घंटे नींद ले लेनी चाहिए, जिससे मानसिक चुस्ती आने के साथ कार्य क्षमता में वृद्धि होती है, अन्यथा आपका किसी कार्य में समुचित मन लगना संदिग्ध होगो, इसी तरह आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दिनचर्या के कार्यों को या तो अच्छे से याद कर ले या उसे कॉपी या डायरी में अच्छी तरह लिख कर रखें और रोज ही अपने लिखे हुए कार्यों को सुचारू रूप से संपादित करें अपने कार्य को प्राप्त करने के लिए होमवर्क किया जाना होगा `सफलता की प्राप्ति के लिए दिन के लक्ष्य को कागज पर उतार कर उससे जुड़ी हुई विषमताओं एवं चुनौतियां को लिखकर चुनौतियों के समाधान को भी अपने मस्तिष्क में स्थापित कर लेना चाहिऐ जिससे यह आपको सुनिश्चित हो जाएगा कि आप लक्ष्य की कठिनाइयों को किस तरह दूर कर पाएंगे और इनका निदान किस तरह किया जा सकेगोकई बार ऐसे अवसर आएंगे जब आपका आत्मविश्वास आपकी उर्जा एवं शक्ति डगमगाने लगेगी, ऐसे मौके या तो आपकी शारीरिक कमजोरी,मानसिक शिथिलता, सामाजिक,पारिवारिक परिस्थितियों एवं काल के कारण आपके सम्मुख आ सकती हैइन परिस्थितियों में मनुष्य को लगने लगता है कि उनकी मेहनत और लक्ष्य अनायास व्यर्थ हो गई हैं, बस ऐसे ही समय में आपको अपने मस्तिष्क मे से नकारात्मक विचारों और सोच को दूर रख कर मनन कर आत्मविश्वास के साथ दूर कर आगे की ओर अग्रसर होना है यही समय है जब आपको अपने आप को संतुलित कर आगे की ओर ले जाना है, और सबसे अहम एवं महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि लक्ष्य प्राप्ति के दौरान आप नकारात्मक यानी कि नेगेटिव वातावरण एवं इस तरह की मानसिकता वाले व्यक्तियों से दूर रहकर मस्तिष्क में सकारात्मक ऊर्जा भरकर आत्मविश्वास से लबालब होना है इस तरह आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति की ओर पूरी ऊर्जा और सामर्थ्य के साथ प्राप्त करने के लिए अग्रसर होंगे, लक्ष्य प्राप्ति के साधनों तथा उससे जुड़े हुए समर्थ व्यक्तियों की तलाश में भी आपको सतत रहना होगा यदि आप प्रतियोगिता परीक्षा और उसकी सफलता के लिए प्रयासरत हैं तो ऐसे व्यक्तियों को सदैव बुद्धिमान एवं मेहनती अध्येता के साथ विचार विमर्श करना चाहिए एवं लाइब्रेरी या पुस्तक विक्रेताओं से सर्वश्रेष्ठ ज्ञानार्जन के लिए किताबों का संग्रह किया जाना चाहिए या किसी का अन्य लक्ष्य हो तो सदैव उसे समय की उपयोगिता तथा उसकी सार्थकता पर जरूर ध्यान केंद्रित कर सफल व्यक्तियों का अनुसरण किया जाना चाहिए तभी सफलता उनके कदम चूमेगी और सफलता का एक ही सूत्र एवं रहस्य है कि अपने मस्तिष्क की प्रबलता बनाए रखें जाने के साथ कड़ी मेहनत भी करें, तब जाकर सफलता व्यक्ति के कदम चूमती है

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, माँ तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

युवक हत्या के खिलाफ आक्रोशित परिजनों ने शव सड़क पर रखकर किया जाम

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- हसपुरा थाना क्षेत्र के हसपुराडीह निवासी मो हयात खां के 25 वर्षीय पुत्र मंसुर खां उर्फ अप्पु का शव चांदी गांव के श्मशान स्थल के समीप पईन के पास झाड़ी में फेंका हुआ पुलिस ने बरामद किया है। घटना गुरुवार की रात की है। पुलिस शव को पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौप दी है। हत्या के मामले में परिजन द्वारा मुकदमा दर्ज कराया गया है जिसमें चांदी गांव निवासी पुष्कर राज को नामजद आरोपी बनाया गया है। इससे पहले परिजनों सहित ग्रामीणों ने शव को पटेल चौक पर रखकर घंटों पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान आंदोलनकारी मुआवजा व हत्यारा को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग कर रहे थे। सड़क जाम की जानकारी मिलते थानाध्यक्ष दिनेश कुमार, इंस्पेक्टर सुनील कुमार दल बल के साथ पटेल चौक पहुंचे तो आंदोलनकारी आक्रोशित हो गए। मौके पर जिला परिषद प्रतिनिधि मो एकलाख खां, पंचायत समिति डा ब्रम्हदेव प्रसाद, पैक्स अध्यक्ष पिन्टू शर्मा, राजद नेता मनीष कुमार, निशांत कुमार, ग्रामीण अजय सिंह द्वारा समझाने पर तीन घंटा बाद आंदोलन समाप्त हुआ।

के.ए. पॉल ने इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू से ईरान पर हमले रोकने की अपील की

एयर इंडिया अक-171 हादसे के बाद की कई अहम इस्तीफों की मांग

हैदराबाद,

।अमेरिका स्थित ग्लोबल पीस इनिशिएटिव (जीपीआई) के संस्थापक और प्रख्यात अंतरराष्ट्रीय शांति-दूत डॉ. के.ए. पॉल ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से ईरान पर सैन्य कार्रवाई तुरंत रोकने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यह आक्रामकता जारी रही, तो इससे वैश्विक संकट पैदा हो सकता है। हैदराबाद स्थित प्रजा शांति पार्टी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए डॉ. पॉल ने कहा,

ह्लप्रधानमंत्री नेतन्याहू ईरान के परमाणु स्थलों पर बमबारी कर एक गंभीर भूल कर रहे हैं। यह केवल ईरान पर हमला नहीं है—बल्कि रूस, चीन और उत्तर कोरिया जैसे देशों को उकसाने वाला कदम है। यह तीसरे विश्व युद्ध का निमंत्रण है। डॉ. पॉल, जो पहले इजराइल और ईरान दोनों के राज्य अतिथि रह चुके हैं, ने नेतन्याहू से मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता देने की अपील की और गजा में बिगड़ती स्थिति पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ह्लगजा में 10 लाख लोगों को भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया गया है। यह अस्वीकार्य है। ईश्वर, इतिहास और मानवता इस अन्याय को कभी माफ नहीं करेंगे। हाल ही में अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया फ्लाइट अक-171 हादसे के संदर्भ में डॉ. पॉल ने भारत के विमानन क्षेत्र में सुधार और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए कई अहम मांगें रखीं। डॉ. पॉल ने देश के नागरिकों से अपील की कि वे सतर्क रहें और केंद्र सरकार, विमानन प्राधिकरणों और निजी एयरपोर्ट ऑपरेटर्स की ज़िम्मेदारी तय करने की मांग करें, ताकि ऐसी त्रासदियों से भविष्य में बचा जा सके।

विद्यापीठ कोचिंग का डंका 10वीं और 12वीं बोर्ड में 400 से अधिक मार्क्स लाने वाले छात्र हुए सम्मानित

देवघर।

विद्यापीठ कोचिंग संस्थान,बैद्यनाथपुर के विद्यार्थियों ने इस वर्ष की बोर्ड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। संस्थान के कई विद्यार्थियों ने 10वीं और 12वीं कक्षा में 400 से अधिक अंक प्राप्त किए हैं, जिनमें से कुछ ने अपने-अपने स्कूलों में टॉप भी किया है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में कोचिंग संस्थान की ओर से एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थी इस प्रकार हैं,खुशी कुमारी (10वीं) संध्या कुमारी (10वीं) तुषार कुमार (10वीं) अमीषा कुमारी (12वीं) लब्की गुप्ता (12वीं) सहित अन्य को सम्मानित किया है। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षक बमबम चौधरी, नीरज यादव, राकेश चौधरी, संदीप झा आदि ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि,इस वर्ष के परिणाम अत्यंत संतोषजनक रहे। इसमें विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों का मार्गदर्शन और अभिभावकों का सहयोग अहम रहा। संस्थान ने आगामी सत्र के लिए भी छात्रों को उत्कृष्ट तैयारी का आश्वासन दिया है, ताकि आने वाले वर्षों में भी इसी तरह की सफलता दोहराई जा सके।

जहरीले सांप ने युवक को काटा , रेफर

टेटियाबंबर : टेटिया पटेल चौक निवासी एक युवक को गुरुवार की देर शाम सर्प ने काट लिया जिससे वह अचेत हो गया। परिजनों के द्वारा आनन फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टेटिया में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल भागलपुर रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार टेटिया पटेल चौक निवासी अमरजीत कुमार देर शाम खेत के तरफ से लौट रहे थे तभी जहरीले सांप ने उन्हें काट लिया जिससे वह अचेत हो गए।

शराब के नशे में हो हल्ला मचाते एक शराबी गिरफ्तार

टेटियाबंबर : टेटिया थाना पुलिस ने टेटिया बंबर गांव से एक शराबी को गिरफ्तार किया है। जानकारी देते हुए टेटिया थाना पुलिस ने बताया कि टेटिया गांव निवासी राजीव कुमार यादव घर के समीप ही शराब के नशे में उत्पात मचा रहा था तभी पुलिस सूचना पाकर वहां पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया। जांच के क्रम में उसके शराब पीने की पुष्टि हुई , तत्पश्चात उसे न्यायालय में पेश किया गया।

महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने,रेलवे कॉलोनी का निरीक्षण कर सुविधाओं का लिया जायजा

हाजीपुरः

महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा आज रामाशीष चौक, हाजीपुर स्थित रेलवे कॉलोनी का गहन निरीक्षण किया गया। इस क्रम में महाप्रबंधक ने रेलवे कॉलोनी में साफ-सफाई, रेलकर्मियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं आदि का जायजा लिया तथा कॉलोनी के साफ-सफाई से संतुष्ट दिखे । उन्होंने कॉलोनी में लगे हरियाली पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की । इसके साथ ही महाप्रबंधक महोदय द्वारा रेलवे कॉलोनी परिसर में स्थित पॉली क्लीनिक का भी निरीक्षण किया गया । इस अवसर पर सोनपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री विवेक भूषण सूद सहित मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे । निरीक्षण के क्रम में रेलवे कॉलोनी के कर्मचारीगण महाप्रबंधक महोदय से भेंट कर उन्हें कॉलोनी से संबंधित मांगों का एक ज्ञापन भी सौंपा जिस पर महाप्रबंधक महोदय ने गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया । उन्होंने पानी में आयरन की ज्यादा मात्रा के मद्देनजर वाटर प्यूरीफायर प्लांट लगाने तथा कॉलोनी के ड्रेनेज सिस्टम को और बेहतर बनाने का अधिकारियों को निर्देश दिया ।

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में पंचायती राज विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्रीकान्त शास्त्री (भा.प्र.से.) की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में पंचायती राज विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंचायत सरकार भवनों के निर्माण कार्य, मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना की प्रगति, 15वीं एवं 6वीं वित्त आयोग के अंतर्गत प्राप्त आय एवं व्यय प्रतिवेदन, अनुरक्षकों के मानदेय भुगतान तथा पंचायतों द्वारा प्रदत्त बिजली बिल की अद्यतन स्थिति की गहन समीक्षा की गई। पंचायत सरकार भवनों के निर्माण कार्य की समीक्षा के क्रम में जिला पंचायती राज पदाधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि भवन निर्माण प्रमंडल, औरंगाबाद के द्वारा प्रथम चरण के अंतर्गत कुल 62 पंचायत सरकार भवनों के निर्माण हेतु लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके विरुद्ध सभी 62 भवनों का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। द्वितीय चरण में कुल 14 पंचायत सरकार भवनों के निर्माण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिनमें से 13 भवनों का निर्माण कार्य आरंभ हो चुका है, जबकि शेष एक भवन, जो कि सोनहुली पंचायत से संबंधित है, उसका कार्य न्यायालयीन वादविवाद के कारण स्थगित है। इसके अतिरिक्त स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, औरंगाबाद के माध्यम से जिन पंचायत सरकार भवनों का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, उनमें कुल 39 लक्ष्यों में से 38 भवनों का कार्य प्रारंभ हो चुका है। केवल तरार पंचायत सरकार भवन का कार्य संवेदक द्वारा अभी तक प्रारंभ नहीं किया गया है, जिस पर संबंधित अधिकारी को त्वरित कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया। मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि योजना के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय चरणों को सम्मिलित करते हुए कुल 21,866 सोलर स्ट्रीट लाइट्स की स्थापना हेतु कार्यादेश निर्गत किए गए हैं, जिनमें से अब तक 13,703 सोलर लाइट्स का अधिष्ठापन कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष लाइट्स के अधिष्ठापन कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु जिलाधिकारी द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। अनुरक्षकों के मानदेय भुगतान तथा बिजली बिल के संदर्भ में समीक्षा के दौरान बताया गया कि वर्तमान में कुल 2,104 अनुरक्षकों की संख्या के विरुद्ध 1,729 अनुरक्षकों को मानदेय का भुगतान किया जा चुका है। शेष बकाया भुगतान की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु निर्देश दिया गया। साथ ही पंचायतों द्वारा विद्युत देयकों के भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की गई। 15वीं एवं 6वीं वित्त आयोग के अंतर्गत जिला परिषद, पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायतों द्वारा प्रस्तुत आय-व्यय प्रतिवेदनों की विस्तृत समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने प्रखंडवार अद्यतन प्रगति पर चर्चा की तथा सभी संबंधित अधिकारियों को प्रतिवेदनों की नियमित अद्यतनता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त श्रीमती अनन्या सिंह, जिला पंचायती राज पदाधिकारी श्री इफ्तेखार अहमद, सभी प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारीगण एवं अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व रक्तदाता दिवस से पहले विधिक कार्य विभाग ने लगाया रक्तदान शिविर

नई दिल्ली, ।

अपने विधिक दायित्वों से आगे बढ़कर, विधिक कार्य विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय ने आज भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से शास्त्री भवन, नई दिल्ली में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। 14 जून को मनाए जाने वाले विश्व रक्तदाता दिवस से पहले इस आयोजन का मकसद लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर विधि सचिव डॉ. अंजू राठी राणा ने शिविर में हिस्सा लिया और सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को रक्तदान को सामाजिक ज़िम्मेदारी की तरह देखने की बात कही। विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी, महिला कर्मचारी और अन्य स्टाफ सदस्य भी इसमें शामिल हुए और रक्तदान किया। यह शिविर इस वर्ष की वैश्विक थीम ३रक्त दें, आशा दें: साथ मिलकर जीवन बचाएं३ को प्रतिबिंबित करता है और यह याद दिलाता है कि नियमित और स्वैच्छिक रक्तदान देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाता है। औपचारिकता से आगे बढ़ते हुए, विभाग की इस पहल ने राष्ट्रीय रक्त भंडार को वास्तविक योगदान दिया और यह भी दशार्या कि सरकारी संस्थान नीति और फाइलों से इतर भी जनकल्याण में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। इस पहल के जरिए विभाग ने दिखाया कि सरकारी दफ्तर केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जरूरत पड़ने पर समाज के लिए आगे आ सकते हैं।

सात वर्षों से फरार चल रहे नक्सली को औरंगाबाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद। जिले में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिला को अपराध एवं नक्सल मुक्त क्षेत्र बनाने के उद्देश्य से लगातार नक्सल विरोधी अभियान चलाएं जा रहे है। इसी क्रम में सूचना प्राप्त हुई कि औरंगाचाद जिले का कुख्यात नक्सली तथा कई कांडों का वांछित अपराधकर्मी अखिलेश भुईया जो वर्तमान में 6 वर्षों से फरार चल रहा है गया जिले के सलैया (सुहेल) थाना क्षेत्र अंतर्गत घुमते हुए देखा गया है,उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु औरंगाबाद पुलिस के द्वारा ग्राम-निमिया रेहड़ा में घेराबंदी करते हुए छापामारी कर नक्सली अखिलेश भुईया को विधिवत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार नक्सली ने अपना अपराध स्वीकार किया एवं उक्त गिरफ्तार नक्सली को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। एसडीपीओ चंदन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार नक्सली के खिलाफ द्विबरा याना कांड संख्या-14/18, दिनांक-16.08.2018 धारा- 147/148/149/341/307/435/437/124 (ए)/429/379/506/ भादवि एवं 17 सीएलए एक्ट एवं 10 पुएपीए एक्ट दर्ज हैं। वहीं अन्य अपराधिक इतिहास के लिए विभिन्न थानों से संपर्क किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि उक्त नक्सली के द्वारा वर्ष 2019 में अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर ग्राम चरैया से मुरगाड़ा जाने वाली निमार्णाधीन सड़क में कार्यरत जेसीबी मशीन को आग लगाकर जला दिया गया था। औरंगाबाद पुलिस के द्वारा नक्सली गतिविधियों पर अंकुश लगाये रखने हेतु लगातार छापामारी अभियान जारी है।

नाथनगर लोकप्रिय प्रत्याशी की तलाश में क्षेत्र की जनता, तरन्नुम फिरदौस

दिव्य दिनकर

भागलपुर (बिहार) जगदीशपुर पुरैनी दक्षिणी कि पूर्व सरपंच तरन्नुम फिरदौस आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कहां है कि कुछ दिनों के बाद क्षेत्र में प्रत्याशियों की होड़ लग जाएगी। आपको चुन्ना है जो आपके छोटे-मोटे सुख दुख में आपकी हर समस्या के लिए बिना किसी रूकावट भेदभाव के आपके लिए हमेशा तैयार रहे। आगे उन्होंने कहा है कि गांव ग्राम की जनता अपनी छोटी-छोटी समस्या के समाधान के लिए दर- दर की ठोकरें खा रहे हैं। गांव ग्राम की महिलाएं गांव के अंदर अपनी समस्याओं को लेकर काफी परेशान है। समाधान नहीं होने के कारण आपसी दुश्मनी इस कदर बढ़ते जा रहा है कि लोग खून का प्यासा हो रहा है और इसके बेबसी पर कोई मरहम लगाने वाला नहीं है। अपने क्षेत्र और गांव की आम जनता से अपील की है कि स्वच्छ कर्मठ और ईमानदार जांबाज प्रत्याशी को वोट दें। दूर से आने वाले नेता को उन्हें दूर ही रखें।

बादल तो बरसेंगे ही एवं मुक्तक सुमन का लोकार्पण समारोह

दोनों ही पुस्तकें गीतिकाव्य की बेजोड़ कृति

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- हिंदी साहित्य भारती जिला ईकाई पलामू के तत्वावधान में होटल निवार्णा रेड के सभागार में प्रसिद्ध कवि एवं लेखक सत्येंद्र चौबे सुमन रचित बादल है तो बरसेंगे ही एवं मुक्तक सुमन का लोकार्पण समारोह की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ की गई। मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष इंदरसिंह नामधारी,विशिष्ट अतिथि के रूप में शंभू नाथ पांडेय,डा सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा, दिलीप कुमार चौबे गढ़वा के शिक्षाविद,श्रीधर प्रसाद द्विवेदी,हिंदी साहित्य भारती के मार्गदर्शक, महोत्सव पुरुष सिद्धेश्वर विद्यार्थी, पर्यावरणविद डॉ रामाधार सिंह, काष्ठ कला विद प्रेम प्रकाश भसीन, जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन औरंगाबाद के महामंत्री धनंजय जयपुरी, उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी द्वारा पुस्तक का लोकार्पण किया गया।जी एल ए कॉलेज मेदिनीनगर के पूर्व प्राध्यापक प्रो सुभाष चन्द्र मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का संचालन हिंदी साहित्य भारती के प्रांतीय सचिव राकेश कुमार द्वारा किया गया।राम प्रवेश पंडित ने सरस्वती वंदना का गान किया।अनुज कुमार पाठक एवं धनंजय जयपुरी ने छंदमय स्वागत उद्बोधन दिया गया।परशुराम तिवारी द्वारा विषय प्रवेश करते हुए कहा गया कि दोनों ही पुस्तकों में 100 से ज्यादा मुक्तक है जिसमें कवि द्वारा ईश्वर से साक्षात्कार करने का प्रयास किया गया है।सुनो पतंगा नहीं डरता है शीर्षक कविता की चर्चा की। पलामू के काष्ठ कला विद प्रेम प्रकाश भसीन ने कहा कि ये दोनों ही पुस्तकें भविष्य में साहित्य के नजीर साबित होगी। डॉ रामाधार सिंह ने कहा कि ये दोनों ही पुस्तकें पर्यावरण से जुड़े हुए हैं।सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने कहा कि मानव को कुछ ऐसा काम करना चाहिए कि लोग हमेंशा याद कर सकें। पूर्व आपूर्ति पदाधिकारी।शशिनाथ चौबे गढ़वा ने कहा कि इस पुस्तक की भिन्न भिन्न व्याख्या से पता चलता है कि इस पुस्तक की कितनी महता है।मुख्य अतिथि माननीय इंदर सिंह नामधारी ने कहा कि बादल तो बरसेंगे ही पुस्तक पर तुलसी दास के चौपाई का बादल नजदीक आकर बरसने का उदाहरण दिया।विदित हो कि झारखंड राज्य के निर्माण में नामधारी जी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।अपनी बचपन की आपबीती सुनाई।कुंआ में गिरने पर उनको जान बचाने वाले की चर्चा की।शिक्षाविद शंभूनाथ पांडेय ने कहा कि हमारी शैक्षणिक पृष्ठभूमि की शुरूआत पलामू से ही हुई है। पलामू की धरती की साहित्यिक उर्वरा शक्ति बेजोड़ रही है।समकालीन जवाबदेही पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा ने कहा कि बादल तब बरसते हैं जब वे गरजते नहीं गरजने वाले बादल बरसते ही नहीं है प्रेम की मिलन एवं विरह आत्मा के सौंदर्य का स्वरूप है।मानव होना भाग्य है कवि होना सौभाग्य है। लेखक ने पत्रिका के माध्यम से लोगों को जागृत किया है जब लेखनी जागती है तो उसके सामने सैकड़ो बंदूक फेल हो जाते हैं। सुधीर चौबे ने कहा कि कवि ने बरसने वाले बादल की चर्चा की। धन्यवाद ज्ञापन रमेश कुमार सिंह द्वारा किया गया।

दलित बहुल गांव बोचाही में पोखर खुदाई एवं सौंदर्यकरण के नाम पर करोड़ का लूट, जांच की मांग

जेसीबी मशीन से पोखर की की गई खुदाई, पुलिया निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग

रंजीत कुमार विद्यार्थी

मुंगेरः मुंगेर जिला में विकास योजनाओं में भ्रष्टाचार और लूट का नजर देखना हो तो आपका जमालपुर प्रखंड अंतर्गत दलित बहुल गांव आदर्श ग्राम बोचाही में स्वागत है। यहां पोखर सौंदर्य करण एवं पुलिया निर्माण के नाम पर सरकारी राशि का बंदर बाट और लूट जारी है। जिसे लेकर स्थानीय ग्रामीणों में जिला प्रशासन के आला अधिकारी एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के प्रति भारी आक्रोश देखा जा रहा है, जो किसी भी वक्त आंदोलन का रूप अख्तियार कर सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि शेखपुरा जिला के संवेदक द्वारा पोखर सौंदर्य कारण एवं पुलिया निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। पोखर खुदाई का खुदाई मजदूरों के बदले जेसीबी मशीन से किया गया। पुलिया निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा हैं। पोखर खुदाई के बाद पोखर बहुत अधिक छोटा हो गया है, क्योंकि संवेदक के द्वारा मिट्टी को पोखर के चारों ओर लगभग चार से पांच फीट सिर्फ साट दी गई है। पोखर के चारों ओर जो मिट्टी भरी गई है, वह हल्की बारिश में ही ढह कर पोखर में गिरने लगा हैं। अभी बरसात बाकी है। लोग ऐसा अनुमान लगा रहे हैं की बरसात के मौसम में सारा मिट्टी फिर से पोखर में समाहित हो जाएगा और पोखर भर जाएगी। ग्रामीणों की माने तो पोखर सौंदर्य करण का कार्य 2 महीने से चल रहा है लेकिन अभी तक संवेदन के द्वारा किसी प्रकार का योजना स्थल पर सूचनापट्ट तक नहीं लगाया गया है। जिस कारण लोगों को यह पता नहीं चल पा रहा है कि यह योजना किस मद से हो रही हैं। जमालपुर के विधायक अजय कुमार सिंह के कुछ समर्थक इसे विधायक फंड से कार्य होने की बात कहते हैं, तो कोई से मनरेगा योजना से। हकीकत क्या है, यह किसी को जानकारी नहीं है। कार्यस्थल पर संवेदक के द्वारा साइन बोर्ड सिर्फ बना दिया गया है, उसमें योजना के बारे में किसी प्रकार का कोई उल्लेख नहीं किया गया है। जिस कारण से लोगों को जानकारी नहीं मिल पा रही है कि यह कार्य मनरेगा योजना से हो रहा है या विधायक फंड से ? गांव के कुछ ग्रामीणों का कहना है कि संवेदक ने बिना पोखर का माफी कराए ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया, जो की सरासर गलत है। सरकारी गाइडलाइन के मुताबिक किसी भी योजना के शुरू होने से पहले संवेदक के द्वारा कार्य स्थल पर साइन बोर्ड लगाया जाना है। जिसमें योजना से संबंधित पूरी जानकारी, जैसे योजना नाम, योजना मद का नाम, एस्टीमेट की राशि, कार्य प्रारंभ करने की तिथि तथा कार्य पूर्ण करने की तिथि, संवेदक का नाम , योजना संख्या सहित अन्य जानकारी अंकित रहना चाहिए चाहिए। लेकिन यहां ऐसा कुछ भी नहीं है। ग्रामीण अनुमान लगा रहे हैं कि इतनी बड़ी योजना की लागत कम से कम करोड़ों में जरूर होगी। यूं कहे कि पोखर सौंदर्य कारण एवं पुलिया निर्माण के नाम पर दलित बहुल बोचाही गांव में करोड़ों रुपए का सरकारी राशि का बंदर बाट और लूट हो रहा है।

बोले डीएम

इधर इस संबंध में पूछे जाने पर डीएम अरविंद कुमार वर्मा ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है, जांच होगी और संबंधित अधिकारियों एवं संवेदक पर कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

जयनगर विकास समिति के सदस्यों के द्वारा आरओबी पहुंच पथ सहित निर्माण के सुधार के सम्बंध में एसडीओ को दिया आवदेन

दिव्य दिनकर

बिहार डिग्निशन विशेष प्रभारी प्रभात कुमार मिश्रा

पटना मधुबनी जिला के जयनगर के जयनगर विकास समिति के सदस्यों के द्वारा आरओबी पहुंच पथ सहित निर्माण के सुधार को लेकर जयनगर के एसडीओ को आवदेन दिया है।आवदेन के माध्यम से जयनगर विकास समिति के संयोजक शम्भू गुप्ता,कैलाश पासवान,शिवशंकर ठाकुर,गिरधारी सराफ ने संयुक्त रूप से बताया कि प्राप्त सूचनानुसार उक्त आरओबी पहुंच पथ के निर्माण के सम्बंध में जयनगर बाजार के अम्बे होटल तक विस्तार करने की योजना का प्रारूप तैयार किया गया है।इस सबंध में जयनगर के प्रबुद्ध नागरिकों एवं बाजार के सभी उपभोगकताओं की एक आवश्यक बैठक बुलाई गई थी. जिसमें सभी उपस्थित लोंगो सदस्यों ने इस निर्माण के अम्वे होटल तक विस्तार का विरोध जताया है एवं केवल आरओबी का निर्माण कर इस योजना को सम्पन्न कराने की आवश्यकता ब्यक्त की गई है। बाजार के मुख्य पथ मेन रोड में निरंथक एवं उदेश्यहीन निर्माण किये जाने से बाजार प्रभावित भी होगा एवं कई परेशानियों का सबब भी उत्पन्न करेगा। इस योजना से बाजार में महाबीर चौक से आगे यातायात महा जाम कि स्थिती के साथ ही सैकड़ो ब्यपारीयों के सामने विस्थापित व बेरोजगार होने कि स्थिती बनेंगी। अतः जयनगर बिकास समिति का अनुरोध है कि उक्त फ्व्हइ का निर्माण प्रारम्भ कर शहीद चौक तक पूरा कर योजना समाप्त की जाय। शहीद चौक तक फ्व्हइ के निर्माण से जयनगर के वासी एवं नागरिक लाभान्वित होगें।

मुंगेर के गंगटा में युवक का शव बरामद , जहर खाने का अंदेशा

गंगटा थाना पुलिस जांच में जुटी

शिव शंकर

गंगटा (मुंगेर) : गंगटा थाना क्षेत्र अंतर्गत शर्मा गांव निवासी 23 वर्षीय सुमन कुमार ,पिता दिवाकर मंडल का शव गुरुवार को शर्मा पहाड़ स्थित जंगल से बरामद हुआ। शव से कुछ दूरी पर सल्फास गोली का डब्बा भी पाया गया। जानकारी हो कि मृतक सुमन कुमार 08 जून को सुबह घर से शौच के लिए निकला था और वापस नहीं लौटा था । तब परिजन द्वारा इधर-उधर सगा संबंधी तक काफी खोज भी की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चला, थक हारकर 10 जून को युवक के पिता दिवाकर मंडल द्वारा गंगटा थाना में युवक के गुमशुदगी को लेकर आवेदन दिया गया । इसके उपरांत पुलिस द्वारा युवक की खोजबीन की जा रही थी, तभी युवक का शव गांव से ही कुछ दूरी पर पहाड़ स्थित जंगल में पाया गया। शव मिलने की सूचना पाकर गंगटा थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन प्रारंभ की। इस बीच फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। जिन्होंने घटनास्थल पर अलग-अलग तरह के सैंपल लिए। आगे पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु मुंगेर भेज दिया । जानकारी हो कि मृत युवक दो भाइयों में बड़ा था। अभी उसकी शादी नहीं हुई थी। युवक बाहर में काम करता था, लेकिन बीते 05 माह से घर पर ही रह रहा था। इधर घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। घटना किस कारण हुई ,अब तो फॉरेंसिक जांच एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल पाएगा । इधर घटना के बाबत गंगटा थाना अध्यक्ष राहुल कुमार ने कहां कि शव को पोस्टमार्टम के लिए मुंगेर भेज दिया गया है। परिजन की ओर से अभी तक आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन उपरांत आगे की कार्रवाई की जाएगी ।

नगर पंचायत ने नगर क्षेत्र में 11 स्थानों पर हाई मास्क लाइट लगाये जाने के कार्य को दिया गति

दिव्य दिनकर संवाददाता तारापुर

नगर पंचायत तारापुर द्वारा नगर क्षेत्र के विकास को लेकर बीते वर्ष 17 अक्टूबर 2023 को सामान्य बोर्ड की बैठक में पारित प्रस्ताव संख्या-30 के अंतर्गत शहर के प्रमुख भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में हाई मास्क लाइट लगाने के निर्णय को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। नगर पंचायत द्वारा तय स्थानों पर हाई मास्क लाइट का अधिष्ठापन कार्य अब तेजी से प्रगति पर है।तारापुर नगर पंचायत के नगर प्रबंधक रोहित कुमार ने जानकारी दी कि प्रथम चरण में सात प्रमुख स्थानों पर हाई मास्क लाइट लगाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जिसमें उल्टा नाथ महादेव मंदिर चौक, प्रखंड परिसर गांधी प्रतिमा के पास, मनोकामना स्थान पुरानी बाजार, धौनी दुर्गा स्थान,धौनी पुल के पहले प्रवीण साह के मील के पास

, गाजीपुर ईदगाह मैदान, तथा अस्पताल रोड शामिल हैं।इसी के साथ-साथ मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के अंतर्गत नगर के चार और महत्वपूर्ण स्थान गोगाचक, तिलडीहा पुल समीप, पुरानी बस स्टैंड, तथा कॉलेज मैदान में भी हाई मास्क लाइट लगाने का काम जारी है।नगर प्रबंधक ने आगे कहा कि नगर क्षेत्र के जिन हिस्सों में लोगों की भीड़ अधिक रहती है और जहां रोशनी की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी, वहां हाई मास्क लाइट लगाने का कार्य एक बड़ी उपलब्धि है। इससे न केवल नगर की सुंदरता बढ़ेगी, बल्कि नागरिकों को सुरक्षित और उज्ज्वल वातावरण मिलेगा। आने वाले समय में नगर पंचायत इस दिशा में और भी कार्य करेगी, जिससे तारापुर को आदर्श शहरी क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा सके।स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए नगर पंचायत के कार्यों की प्रशंसा की है। अब देखना होगा कि कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता को कायम रखते हुए कार्य कब तक पूर्ण होता है।

26 साल के पति को छोड़ 21 के प्रेमी के साथ गई पत्नी, सास के साथ थाने पहुंचा 'मरद

सारा खेल इंस्टाग्राम का, दोनों की दोस्ती इंस्टाग्राम पर हुई थी

रंजीत कुमार विद्यार्थी

खगड़िया (मुंगेर) : मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत खगड़िया जिले में अमोल यादव की पत्नी अपने प्रेमी के साथ भाग गई, साथ में घर के गहने और पैसे भी ले गई। अमोल ने उसे प्रेमी के घर में पाया, लेकिन पत्नी ने लौटने से इनकार कर दिया। अब अमोल पुलिस से मदद की गुहार लगा रहा है और अपनी पत्नी को वापस अपनाने को तैयार है। इस तरह का सनसनीखेज मामला खगड़िया जिला से सामने आया है। जानकारी के मुताबिक कन्हैयाचक गांव के रहने वाले अमोल यादव की पत्नी, उसके बच्चों और घर के सारे गहने और पैसे लेकर भाग गई। अमोल ने अपनी पत्नी को बहुत ढूंढा। जब वह मिली, तो वह अपने प्रेमी के घर में थी। अमोल ने उससे वापस आने के लिए कहा, लेकिन उसने मना कर दिया। अब अमोल पुलिस प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहा है।

क्या है पूरा मामला

अमोल यादव कन्हैयाचक गांव का रहने वाला है। वह 26 साल का है और दो बच्चों का पिता है। वह मजदूरी करके अपना घर चलाता है। जब वह

काम के लिए बाहर गया था, तब उसकी पत्नी घर से पैसे और गहने लेकर भाग गई। अमोल को जब यह पता चला, तो वह अपनी पत्नी को खोजने लगा। दो-तीन दिन तक खोजने के बाद भी जब पत्नी नहीं मिली, तो उसे सोशल मीडिया से पता चला कि उसकी पत्नी का एक प्रेमी है। उसकी पत्नी की दोस्ती इंस्टाग्राम पर हुई थी।

21 साल के प्रेमी के साथ फरार

प्रेमी का नाम गिरधारी यादव है। वह 21 साल का है और भागलपुर जिले के भदोरिया का रहने वाला है। जब अमोल यादव उसके घर पहुंचा, तो गिरधारी यादव और उसकी पत्नी कोमल देवी दोनों ने मिलकर उसे पीटना शुरू कर दिया। किसी तरह अमोल यादव अपने एक बच्चे को लेकर वहां से भाग गया।

पत्नी को वापस रखने को तैयार है अमोल

अब अमोल यादव ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उसने कहा है कि उसकी पत्नी और उसके द्वारा ले जाए गए गहने और पैसे उसे वापस दिलाए जाएं। अमोल यादव अपनी पत्नी को वापस रखने के लिए भी तैयार है। वह कह रहा है कि जो हो गया मैं उसे भूलने के लिए तैयार हूं. लेकिन वह अगर सीधे-सीधे आ जाती है तो मैं उसे अच्छी तरह ही रखूंगा।

सास के साथ थाने पहुंचा अमोल

अमोल यादव और उसकी सास दोनों मिलकर पत्नी को बुलाने के लिए थाने में आए थे। अमोल यादव की सास ने बताया कि उसकी बेटी की दोस्ती इंस्टाग्राम के जरिए गिरधारी यादव से हुई है, जो बिल्कुल गलत है। वह अपने दामाद के साथ है। फिलहाल अमोल की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आप कर्तव्यनिष्ठ हो कर अपने कार्य का निष्पादन करें : डीएम

काउंसलिंग उपरांत अमीनों के बीच नियुक्ति पत्र वितरित

दिव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेर : राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार, के द्वारा भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय में संविदा के आधार पर पूर्व में कार्यरत अमीनों (अमानत/सर्वेयर) को विभाग अंतर्गत क्षेत्रीय कार्यालयों में अमीन के पद पर नियमित नियुक्ति हेतु सृजिए पदों के विरूद्ध कार्यहित में संविद के आधार पर नियोजन हेतु अनुशंसित अभ्यर्थियों को काउन्सेलिंग में सम्मिलित होने के पश्चात चयनित कुल चार अभ्यथीयों को शुक्रवार को जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा द्वारा नियुक्ति पत्र वितरित किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बांका जिला निवासी मनीष कुमार, धीरज कुमार सिंह, भागलपुर जिला निवासी अनुज कुमार एवं जमुई जिला निवासी सूरज पासवान को नियुक्ति पत्र वितरण किया। उन्होंने चारो अभ्यथीयों को शुभकामनायें देते हुए कहा कि आप सभी कर्तव्यनिष्ठ हो कर अपने कार्य करें। निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करें। क्षेत्र भ्रमण करें और शिकायत का मौका न दें। मेहनत से कार्य करें स्वतः आप रिवार्ड के हकदार होंगे।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश को राजद नेता ने बताया दुखद घटना

हवाई जहाज हो या ट्रेन सरकार को यात्री के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए : राजेश रमण

जमालपुर।

राष्ट्रीय जनता दल की ओर से अहमदाबाद प्लेन क्रैश की घटना को दुखद कर देते हुए राजद नेताओं ने मृतकों के प्रति शोक संवेदना प्रकट की है। राष्ट्रीय जनता दल बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रमंडल प्रभारी राजेश रमण उर्फ राजू यादव ने बयान जारी करते हुए कहा कि एअर इंडिया की फ्लाइट नंबर ए-171 ने लंदन के लिए उड़ान भरी तो सही, लेकिन वो प्लेन उड़ते ही धड़ाम से नीचे आ गिरा। और देखते ही देखते ये प्लेन आग का गोला बन गया। जिसमें कुल 242 लोग सवार थे। इसमें 2 पायलट और 10 क्रू मेंबर शामिल थे। फ्लाइट में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी सवार थे, जिनका निधन इस प्लेन क्रैश में हो गया। हालांकि, एक यात्री इस दुर्घटना में जिंदा बच गया, जो किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा रहा है। अब हम लोगों को इस घटना से सीख लेनी चाहिए। भारत सरकार को यात्रियों की सुरक्षा के लिए ठोस उपाय निकालने की आवश्यकता है। भारत सरकार के रेलवे मंत्रालय और नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से यात्री सुरक्षा को लेकर एक विशेष कमेटी का गठन कर तकनीकी रूप से कैसे मजबूती लाया जाए इसको लेकर एनालिसिस कर उसे लागू किया जाना चाहिए। ट्रेनों में सफर करने वाले यात्री हो या हवाई जहाज में सफर करने वाले यात्री हो, हर यात्री की जान कीमती होती है। ऐसे में पैसेंजर और प्लेन की सौ प्रतिशत सुरक्षा के लिए कुछ उपाय रखना जरूरी है। राष्ट्रीय जनता दल सभी मृतक के परिवार और परिजनों के साथ संवेदना रखता है और ईश्वर से प्रार्थना करता है कि उनको इस दुख की घड़ी में ईश्वर शक्ति प्रदान करें। यह एक आश्चर्यचकित घटना घट गई है। इस दुर्घटना के पीछे जो भी कारण रहा हो, सरकार को इसकी जांच पूरी निष्पक्षता के साथ करानी चाहिए। ऐसी घटना भविष्य में ना हो, इसके लिए भी सरकार प्रयास करें।

लखीसराय में नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम, दस किलो का लईडी बम बरामद

बम निरोधक दस्ते ने किया डिफ्यूज, पुलिस ने ली राहत की सांस

रंजीत कुमार विद्यार्थी

लखीसराय (मुंगेर) : मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत नक्सल प्रभावित लखीसराय जिला के पीरी बाजार थाना क्षेत्र के बांकुड़ा जंगल में सुरक्षा बलों को सफलता मिली है। विशेष कार्य बल की टीम ने सर्च ऑपरेशन के दौरान 10 किलो वजनी हार्ड स्किन पाइप आईईडी बम को बरामद किया। एसपी अजय कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ की टीम ने पीरीबाजार क्षेत्र के जंगलों में तलाशी अभियान चलाया। टीम को संदेहास्पद स्थान की खुदाई में यह विस्फोटक सामग्री मिली। नक्सलियों ने इस इलाके को 'सेफ जोन' बनाकर कैंप स्थापित किया था। बम को विशेष रणनीति के तहत जमीन में गहराई से छिपाया गया था। इससे सामान्य खोजबीन में इसका पता लगाना मुश्किल था। पुलिस के अनुसार, अगर समय रहते बम का पता नहीं चलता तो यह जानमाल की क्षति का कारण बन सकता था। वर्तमान में लखीसराय जिले के चानन, कजरा

और पीरीबाजार के पहाड़ी और जंगल क्षेत्रों में सुरक्षा बल लगातार तलाशी अभियान चला रहे हैं। एसपी ने नक्सली गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए आगे भी ऐसे अभियान जारी रखने की बात कही है। इस कार्रवाई से जहां पुलिस की सतर्कता साबित हुई है, वहीं आम जनता में सुरक्षा का भरोसा भी बढ़ा है।

मुंगेर में कोर्ट कर्मी और विधिज्ञ संघ के बीच पेशी को लेकर जमकर हुआ हंगामा

कोर्ट कर्मियों ने विधिक संघ मुदार्बाद के नारे लगाए

दव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेर : जमानत अधिपत्र को स्वीकार कराने में अनावश्यक पेशी को लेकर वरीय अधिवक्ता अजय कुमार यादव एवं एसीजेएम प्रथम कार्यालय के पेशकार चंदन कुमार के बीच गुरुवार को विवाद उत्पन्न हो गया था। पेशकार चंदन कुमार ने इस की शिकायत कर्मचारी संघ में किया। अगले दिन शुक्रवार को कुछ नये व पुराने कोर्ट कर्मी एवं अवैध रूप से कार्यरत कर्मी अधिवक्ता अजय कुमार यादव से उलझ गये।इसी दौरान कई अधिवक्ताओं ने विरोध किया तो कर्मचारियों संघ जिन्दाबाद एवं विधिज्ञ संघ मुदार्वाद का नारा लगाने लगे । इससे मुंगेर कोर्ट के अधिवक्ता आकोशित हो उठे। जानकारी होने पर अधिवक्ता का जमाव होने लगा। बिगड़ते हालात को देखते हुए लिए जिला जज आलोक गुप्ता ने विधिज्ञ

संघ के अध्यक्ष शशि शेखर प्रसाद को बुलाया, तब जाकर मामला शांत हुआ। अध्यक्ष ने बताया कि उन्होंने कर्मचारी के मनमानी रवैया के संबंध में जिला जज को जानकारी दी हैं। वहीं, अध्यक्ष ने अधिवक्ता को समझाएं कि आप अनियमित, भ्रष्टाचार के विरुद्ध में जिला जज एवं हाईकोर्ट में शिकायत करें , अनावश्यक विवाद में भाग नहीं ले। वहीं जिला जज ने भी कर्मचारी को हिदायत दी। अधिवक्ता अजय कुमार यादव ने बताया कि संघ मुदार्वाद का नारा लगाने के बाद अधिवक्ता का उग्र होना स्वाभाविक है और मैं अनियमितता का विरोध वर्षों से करते आ रहा हूं । बताते चलें कि सिविल कोर्ट में कर्मचारियों की संख्या काफी कम है और काम का बोझ है । दर्जनों कर्मी अवैध रूप से कार्यरत है। जिस वजह से तेजी से भ्रष्टाचार बढ़ रहा है । कोविड काल के पहले डेट लाने के पेशी का दर दस रुपये था जो बढ़कर बीस रुपये हुआ अब कर्मी पचास रुपए मांग रहे हैं। वहीं, कुछ नये कर्मचारी एवं अवैध कर्मी हर काम के लिए एक निर्धारित सेवा शुल्क वसुलना चाहते है। इस वजह से अक्सर अधिवक्ता परेशान हाल रहते हैं। और अधिवक्ता एवं कर्मचारियों के बीच तू-तू-मैं होते रहता है। अधिवक्ता ओम प्रकाश पोद्दार ने बताया कि सारी अनियमितता सीसीटीवी फुटेज में कैद होते रहता है। इसके बावजूद भी भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लगता है और बिना पेशी का काई काम नहीं होता है और आरटीआई में भी आवेदक को निराशा हाथ लगती हैं।

कृषि रोड मैप से बिहार में मछली उत्पादन में तीन गुना उछाल, बढ़ा रोजगार और आमदनी

पटनाः

बिहार सरकार के कृषि रोड मैप ने बिहार में मछली उत्पादन की सूरत बदल दी है। मछली का उत्पादन 2.68 लाख मीट्रिक टन (2005 से पहले) से बढ़कर 8.73 लाख मीट्रिक टन (2023-24) हो गया। इस तरह से करीब 20 वर्षों में मछली का उत्पादन बिहार में तीन गुना से अधिक बढ़ चुका है। मछली उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए सरकार कृषि रोड मैप के तहत कई योजनाएं चला रही है। जिसमें मुख्यमंत्री समेकित चौर विकास योजना, जलाशय मात्स्यिकी विकास योजना, निजी तालाबों के जीर्णोद्धार की योजना, राज्य में बहने वाली गंगा नदी के पारिस्थितिकी तंत्र में नदी पुनर्स्थापन कार्यक्रम आदि एवं केन्द्र प्रायोजित योजनान्तर्गत प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का कार्य मुख्य रुप से शामिल है। इन योजनाओं से मछली उत्पादन को बढ़ावा मिला है और रोजगार के अवसर बढ़े हैं। मुख्यमंत्री समेकित चौर विकास योजना के तहत बिहार की 461 हेक्टेयर चौर भूमि मछली पालन से समृद्ध हुई है। इस योजना से चौर बाहुल्य जिलों में अवस्थित चौर भूमि पर मॉडल आधारित नये तालाबों का निर्माण किया जा रहा है। जिससे राज्य में मछली का उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है। प्रखंडों में बनेंगे मछली बाजार सरकारी योजनाओं के जरिए जहां एक ओर राज्य में मछली उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है वहीं दूसरी ओर सरकार मछली पालकों द्वारा उत्पादित मछली को बाजार भी मुहैया करवाने की लगातार कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री मत्स्य विपणन योजना के अंतर्गत चालू वित्तीय वर्ष में राज्य के चिन्हित प्रखण्डों में 30-30 मत्स्य बाजार का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही, मछली के उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए नई तकनीक जैसे बायोफ्लॉक तकनीक एवं आरएएस तकनीक से मत्स्य पालन किया जा रहा है।

महिला संवाद कार्यक्रम में महिलाओं को दी गई विकास योजनाओं की जानकारी

विभिन्न प्रखंडों में आयोजित हुआ महिला संवाद कार्यक्रम

दिव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेर : मुंगेर जिले में महिला संवाद कार्यक्रम पिछले 57 दिनों 18 अप्रैल से महिला संवाद कार्यक्रम जारी हैं।जिसमें अबतक कुल 668 ग्राम संगठन के संवाद कार्यक्रम सफल हो चुका है। आज दिनांक 13 जून 25 को जिले में कुल 8 संवाद रथ के माध्यम से प्रतिदिन 16 ग्राम संगठनों की जीविका दीदियों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें स्थानीय जीविका दीदी एवं अन्य महिलाएं बढ़-चढ़कर भाग ली कार्यक्रम में महिलाओं को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। साथ ही संवाद कार्यक्रम में आने वाले आकांक्षा एवं मुद्दा को संकलित कर जिला अधिकारी एवं राज्य कार्यालय के साथ साझा किया जा रहा है। संवाद कार्यक्रम का आयोजन : मुंगेर सदर प्रखंड के मिजार्पुर बरदह पंचायत के रेहान जीविका महिला ग्राम संगठन, तारापुर दियारा पंचायत के संगम जीविका महिला ग्राम संगठन, नौवागढ़ी उतरी पंचायत के आंचल जीविका महिला ग्राम संगठन, जमालपुर प्रखंड के रामनगर पंचायत के कार्यालय जीविका ग्राम संगठन, इंद्रुख पूर्वी पंचायत के लाडली जीविका महिला ग्राम संगठन, ईटहरी पंचायत के सहारा जीविका संगठन, सिंघिया पंचायत के शिवशक्ति जीविका महिला ग्राम संगठन एवं प्रखंड के अन्य 6 और ग्राम संगठन के क्षेत्र में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संवाद कार्यक्रम में लाभग 4000 लोगों ने भाग लिया, इस संवाद कार्यक्रम का संचालन जमालपुर प्रखंड के प्रखंड परियोजना प्रबंधक पूनम कुमारी एवं मुंगेर सदर प्रखंड के प्रखंड परियोजना

प्रबंधक श्रेया ने की। कार्यक्रम की शुरूआतः उक्त कार्यक्रम में सर्वप्रथम दीदियों को माननीय मुख्यमंत्री महोदय का संदेश पत्र पढ़ कर सुनाया गया । इसके बाद संवाद रथ में लगे एल ई डी के माध्यम से सरकार द्वारा महिलाओ एवं बालक बालिकाओं हेतु चलाए जा रहे महत्वाकांक्षी योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री बालिका पोशाक एवं साइकिल योजना, मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री किशोरी स्वास्थ्य योजना, जीविका अंतर्गत सतत जीविकोपार्जन योजना आदि योजना के बारे में विस्तार से दिखाया गया । अनुभव साझा कार्यक्रम : योजनाओं से लाभान्वित कुछ दीदियो ने अपना अनुभव साझा की जिसमें रूबी देवी ने बताया कि की समूह में जुड़ने से पहले उनकी आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब था उनको अपने घर में बच्चों को दो वक्त का भोजन भी नसीब नहीं रहा था। उनकी स्थिति को देखते हुए उनका चयन सतत जीविकोपार्जन योजना के लाभार्थी के रूप में किया गया चयन उपरांत ग्राम संगठन के मदद से रोजगार से जुड़ गई और आज अपने परिवार के साथ सम्मानजनक जिंदगी गुजार रही है। रूबी दीदी इसके लिए सरकार आभार व्यक्त किया इसके अलावा भारती दीदी ,सीमा दीदी,माला दीदी को प्रधानमंत्री आवास योजना , लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत शौचालय निर्माण के लिए प्रोत्साहन राशि मिला है। सभी दीदी ने इसके लिए बिहार सरकार को धन्यवाद दिया। आकांक्षा एवं मुद्दा के सत्र में : काजल दीदी के द्वारा ग्राम संगठन भवन की मांग की गयी, रेखा देवी के पंचायत में स्वास्थ्य उपकेंद्र की मांग की,अनीता देवी के द्वारा पंचायत में प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक की कमी के लिए शिक्षक बढ़ोतरी की मांग की गई एवं जीविका दीदी के रोजगार के लिए कोई कंपनी खोलने की मांग की गयी, संगीता दीदी ने वार्ड में पीने का पानी, नाला, एवं कचरा प्रबंधन बनवाने की मांग की गयी। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने मूलभूत सुविधा जैसे हर घर नल का जल, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा जॉब कार्ड, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान कार्ड जो कि योग्य परिवार को देने हेतु एक बार फिर से सर्वे किया जाय और इस सुविधा को योग्य परिवार को दिया जाय।

खुदरा महंगाई दर मई में घटकर छह साल के निचले स्तर पर 2.82 फीसदी पर आई

एजेंसी

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को बड़ी राहत देने वाली खबर है। खुदरा महंगाई दर मई महीने में घटकर 2.82 फीसदी पर आ गई है, जो 6 साल का निचला स्तर है। इससे पहले मार्च 2019 में ये 2.86 फीसदी रही थी। खाने-पीने के सामान की कीमतों में लगातार नरमी के कारण खुदरा महंगाई दर घटी है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर मई में सालाना आधार पर घटकर 2.82 फीसदी पर आ गई है, जो छह साल का निचला स्तर है। इससे पिछले महीने अप्रैल में खुदरा महंगाई दर कम होकर 3.16 फीसदी पर आ गई थी, जबकि मार्च, 2025 में यह 3.34 फीसदी रही थी। ये खुदरा महंगाई का 67 महीने का निचला स्तर था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के मुताबिक जुलाई 2019 के बाद से यह सबसे कम उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) महंगाई दर है। एनएसओ के मुताबिक खाद्य पदार्थों, विशेष रूप से अनाज और दालों की कीमतों में नरमी के कारण खुदरा महंगाई दर में यह गिरावट आई है।

व्यापार समझौते के लिए भारत और यूरोपीय संघ के बीच गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर करना महत्वपूर्ण : गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए गैर-शुल्क बाधाओं का समाधान ढूंढना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष इन मुद्दों का हल निकालने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। भारत-स्वीडन उच्च स्तरीय व्यापार और निवेश नीति फोरम में स्वीडिश उद्यम परिसंघ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए वार्ता को अंतिम रूप देने के काफी करीब हैं। भारत और यूरोपीय संघ दोनों पक्षों की कंपनियों के लिए कारोबार को सुचारू बनाने के समाधान ढूंढने के लिए सक्रिय रूप से चर्चा कर रहे हैं। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने एक्स पोस्ट पर जारी बयान में लिखा है, ''भारत-स्वीडन उच्च स्तरीय व्यापार और निवेश नीति फोरम में स्वीडिश उद्यम परिसंघ को संबोधित करने और अग्रणी स्वीडिश और भारतीय व्यवसायों के साथ जुड़ने पर प्रसन्नता हुई। दोनों पक्षों के बीच सहयोग की अपार संभावनाओं पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में जारी प्रस्तावित भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर संयुक्त पत्र, मजबूत आर्थिक संबंधों और समावेशी विकास के भविष्य को बनाने के लिए हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।''

एआई स्वास्थ्य सेवाओं में सबसे अधिक परिवर्तनकारी तकनीक : सर्वे

नई दिल्ली। प्रौद्योगिकी विशेषकर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के अगले दो से तीन वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं में सबसे अधिक परिवर्तनकारी तकनीक के रूप में देखा जा रहा है जिसमें चालू वर्ष में डॉयग्नोस्टिक से जुड़े निर्णय लेने उसके कार्यान्वयन में विशेष रूप से उपयोग किया जा रहा है।डीएचएन दिल्ली फोरम 2025 में वार्षिक डिजिटल स्वास्थ्य रुझान और आउटलुक 2025 रिपोर्ट जारी की गयी है। इस कार्यक्रम में हेल्थकेयर उद्यमी, नीति निर्माता और भारतीय हेल्थकेयर के भविष्य को आकार देने वाले इनोवेटर की मौजूदगी में जारी नई रिपोर्ट में डिजिटल परिवर्तन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकार्ड आधुनिकीकरण और रणनीतिक सहयोग को अहम बताया गया है। इस सर्वेक्षण में शामिल लोगों में से 54 प्रतिशत ने एआई को अगले 2-3 वर्षों के लिए स्वास्थ्य सेवा में सबसे अधिक परिवर्तनकारी तकनीक के रूप में मना है। 51 प्रतिशत से अधिक का कहना है कि यह मरीजों से जुड़ने के मददगार हो सकता है जिनमें से अधिकांश पहले से ही उपभोक्ता-सामना करने वाले डिजिटल उपकरणों में निवेश कर रहे हैं। हालांकि कुछ लोगों ने बेहतर ख़तरा प्रबंधन के बावजूद, कर्मचारियों के प्रशिक्षण और ऑडिट तत्परता में खामियाँ डिजिटल अपनाने में चल रही कमज़ोरियों की ओर भी ध्यान देने की बात कही।

भारत के लिए 'दुर्लभ मृदा' का संकट गहराय: अमेरिका-चीन की 'रेयर अर्थ' डील ने बढ़ाई ऑटो इंडस्ट्री की चिंता

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन के बीच 'रेयर अर्थ' (दुर्लभ मृदा) धातुओं को लेकर हुए एक नए समझौते ने भारतीय उद्योग, विशेष रूप से ऑटोमोबाइल क्षेत्र के लिए एक नया संकट खड़ा कर दिया है। यह डील ऐसे समय में हुई है जब भारत अपनी विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने और महत्वपूर्ण खनिजों के लिए आयात पर निर्भरता कम करने का प्रयास कर रहा है। दुर्लभ मृदा धातुएं आधुनिक तकनीक, विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों, इलेक्ट्रॉनिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा के लिए अपरिहार्य हैं, और इन पर चीन का वैश्विक प्रभुत्व भारत के लिए चिंता का विषय रहा है।अमेरिका-चीन के बीच हुए इस समझौते से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर चीन की पकड़ और मजबूत होने की आशंका है, जिससे भारत जैसे देशों के लिए इन महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच और भी मुश्किल हो सकती है।

इजरायल-ईरान के बीच संघर्ष से सोने की कीमत एक लाख रुपए के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। सोने के दाम मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर शुक्रवार को करीब दो प्रतिशत बढ़कर एक लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गए हैं। सोने में तेजी की वजह मध्य-पूर्व में इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष का बढ़ना है।

सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी तेजी देखी जा रही है। एमसीएक्स पर सोना 1,108 रुपए या 1.12 प्रतिशत बढ़कर 99,500 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। सोना 98,392 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

इसके बाद शुरुआती कारोबार में ही एमसीएक्स पर सोना 1 लाख रुपए के स्तर को पार कर 1,00,403 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था। दोपहर 2ऱ35 पर सोना 1.71 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,00,079 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। चांदी 0.71 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,06,639 रुपए प्रति

किलो पर थी। वायदा बाजार के साथ-साथ स्पॉट पर भी सोने और चांदी की कीमतों में उछाल देखने को मिला है। 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम बढ़कर 99,170 रुपए हो गया है, जो कि पहले 97,455 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।22 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 90,840 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 89,269 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 18 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 74,378 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 73,091 रुपए प्रति 10 ग्राम पर थी।

चांदी की कीमत में भी बढ़त देखी गई है और यह बढ़कर 1,06,240 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो कि पहले 1,05,498 रुपए थी। कामा ज्वेलरी के मैनेजिंग डायरेक्टर कॉलिन शाह ने कहा कि भू-राजनीतिक तनावों और भारतीय रुपए के कमजोर होने के चलते देश में सोने की कीमतें सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि सोने की कीमतों को अल्पावधि में प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और राजनीतिक घटनाक्रमों के चलते एमसीएक्स पर सोना 1,00,200 रुपए से 1,00,500 रुपए प्रति 10 ग्राम के बीच रह सकता हैं।

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद एविएशन सेक्टर के शेयरों में बड़ी गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। अहमदाबाद में आज हुए विमान हादसे के कारण एविएशन सेक्टर से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में भी जोरदार गिरावट दर्ज की गई। इस हादसे की खबर मिलते ही इंडिगो का संचालन करने वाली कंपनी इंटर ग्लोब एवियशन लिमिटेड के शेयर तीन प्रतिशत से अधिक टूट गए। इसी तरह स्पाइसजेट के शेयर भी 1.7 प्रतिशत से अधिक की गिरावट का शिकार हो गए। घरेलू बाजार के अलावा न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में प्री मार्केट ट्रेडिंग सेशन के दौरान बोइंग के शेयर भी 5 प्रतिशत से अधिक टूट गए। अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरने के तुरंत बाद आज एयर इंडिया का बोइंग विमान हादसे का शिकार हो गया। हादसे की खबर मिलते ही एविएशन सेक्टर से जुड़ी कंपनियों के शेयरों पर दबाव बन गया। इनमें इंडिगो एयरलाइंस का संचालन करने वाली कंपनी इंटर ग्लोब एवियशन लिमिटेड के शेयर 187 रुपये यानी 3.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,444 रुपए के स्तर पर बंद हुए। इसी तरह स्पाइसजेट लिमिटेड के शेयर 1.92 प्रतिशत तक टूट गए। हालांकि, अंत में हुई मामूली खरीदारी के कारण स्पाइसजेट के शेयर निचले स्तर से रिकवरी करके 1.78 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 44.68 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस हादसे का असर अमेरिका के शेयर बाजार पर भी नजर आया, जहां विमान बनाने वाली कंपनी बोइंग के शेयर न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (एनवाईएसई) के प्री मार्केट ट्रेडिंग सेशन के दौरान 5 प्रतिशत से भी अधिक टूट गए। अहमदाबाद में जो विमान हादसे का शिकार हुआ है, उसका निर्माण बोइंग कंपनी ने ही किया है। इसीलिए बोइंग के शेयर इस हादसे की वजह से बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं।

एयर इंडिया विमान हादसाः टाटा ग्रुप ने मृतकों के परिजनों के लिए एक-एक करोड़ रुपये की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। । टाटा समूह ने अहमदाबाद में एयर इंडिया की ड्रीमलाइनर बोइंग 787-8 फ्लाइट संख्या AI171 की दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए 1-1 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद की घोषणा की है। इसके अलावा समूह सभी घायल यात्रियों को चिकित्सा कवर की सुविधा भी मुहैया कराएगी। इस विमान में 12 चालक दल के सदस्यों सहित 242 लोग सवार थे। टाटा संस के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन ने जारी बयान में कहा कि एयर इंडिया फ्लाइट AI171 से जुड़ी दुखद घटना से हम बहुत दुखी हैं। इस समय हम जो दुख महसूस कर रहे हैं, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

चंद्रशेखरन ने लिखा है हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है और जो घायल हुए हैं। टाटा समूह इस त्रासदी में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 1 करोड़ रुपये की सहायता राशि देगा। घायलों के चिकित्सा व्यय को भी वहन करेगा और सुनिश्चित करेगा

कि उन्हें सभी आवश्यक देखभाल और सहायता मिले। इसके अतिरिक्त बी.जे. मेडिकल के छात्रावास के निर्माण में सहायता प्रदान करेगा। समूह की तरफ से कहा गया है कि वे इस अकल्पनीय समय में प्रभावित परिवारों और समुदायों के साथ खड़ा है। उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद से लंदन जाने वाला बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्?ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के पांच मिनट बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटनाग्रस्त विमान बीजे मेडिकल कॉलेज के पास घनी आबादी वाले रिहायशी इलाके में जा गिरा।

पिछले 11 वर्षों में ऑयल और गैस इन्फ्रा में काफी सुधार हुआ, भारत की एनर्जी सिक्योरिटी मजबूत हुईः हरदीप सिंह पुरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत के ऑयल और गैस सेक्टर का काफी विस्तार हुआ है, जिसमें आधुनिक रिफाइनरियों और पाइपलाइनों के निर्माण से लेकर भंडार सुरक्षित करने और स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देना शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ÷प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की ग्रोथ स्टोरी में इन्फ्रास्ट्रक्चर केंद्र में रहा है और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस सेक्टर में इन प्रयासों ने देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत किया है और आत्मनिर्भर भविष्य की नींव रखी है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस सेक्टर की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए पुरी ने कहा कि देश में अब 23 आधुनिक रिफाइनरियों का परिचालन हो रहा है, जिनकी कुल क्षमता 257 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष है, जो पेट्रोल, डीजल, जेट ईंधन और एलपीजी जैसे पेट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन करती हैं।

देश में घरेलू रसोई के लिए ग्रीन कुकिंग फ्यूल उपलब्ध कराने वाले पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी)

इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार कर अब देश भर के 733 जिलों में कर दिया गया है। इसके अलावा वाहनों को ईंधन देने के लिए कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) देश भर में 8,000 खुदरा स्टेशनों पर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि मंत्रालय की कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीबीजी) पहल के परिणामस्वरूप 625 टीपीडी की संयुक्त क्षमता वाले 106 संयंत्र स्थापित किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पुदुर की भंडारण क्षमता 2.25 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) है, विशाखापत्तनम सुविधा में 1.33 एमएमटी कच्चे तेल के भंडारण की क्षमता है, जबकि मैंगलोर की भंडारण क्षमता 1.5 एमएमटी है। इसके अलावा चंडीखोल में एक और रणनीतिक रिजर्व सुविधा बनाई जा रही है, जो समुद्र तट पर ही है।

एक दशक में डीबीटी ट्रांसफर में 90 गुना से अधिक का उछाल, रियल टाइम पेमेंट में 'भारत' दुनिया में सबसे आगेः वित्त मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत महज एक दशक में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) में 90 गुना से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि भारत रियल टाइम पेमेंट में दुनिया में सबसे आगे है, जहां 2024-25 में 260 लाख करोड़ रुपए से अधिक के लेनदेन किए गए।वित्त मंत्री सीतारमण ने एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महज एक दशक में 2013-14 के 7,368 करोड़ रुपए से लेकर 2024-25 में 6.83 लाख करोड़ रुपए तक, डीबीटी हस्तांतरण में 90 गुना से अधिक की वृद्धि हुई है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि हर रुपया हर नागरिक तक पहुंचा। उन्होंने आगे कहा कि भारत रियल टाइम पेमेंट में दुनिया में सबसे आगे है। जहां, 2024-25 में

260 लाख करोड़ रुपए से अधिक के लेनदेन दर्ज किए गए और मात्रा के हिसाब से सालाना आधार पर लगभग 18,600 करोड़ लेनदेन किए गए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार, पिछले 11 वर्षों में भारत की तकनीकी यात्रा किसी क्रांति से कम नहीं रही। उन्होंने जोर देकर कहा, ÷भारत डिजिटल इनोवेशन, टेक आधारित शासन और ग्लोबल ट्रस्ट का हब बन गया है। मैन्युफैक्चरिंग से लेकर स्पेस टेक तक, डिजिटल पेमेंट से लेकर ग्रामीण कनेक्टिविटी तक, परिवर्तन स्पष्ट, प्रभावशाली और स्थायी है। उन्होंने आगे कहा कि यह बदलाव केवल डिवाइस और प्लेटफॉर्म को लेकर नहीं है, यह निर्बाध शासन, नागरिक सशक्तीकरण और टेक-फर्स्ट विकसित भारत के निर्माण को लेकर भी है।आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव के अनुसार, भारत में 55.44 करोड़ जन धन खाते खोले गए हैं, जिनमें से 56 प्रतिशत खाते महिलाओं के हैं। इसी के साथ इन खातों में जमा कुल राशि इस वर्ष 21 मई तक 2.5 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। वित्त वर्ष 2024-25 में, डिजिटल पेमेंट में सालाना आधार पर 35 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और यह प्रतिदिन 60.81 करोड़ लेनदेन तक पहुंच गया, जिसमें यूपीआई का योगदान 83.73 प्रतिशत रहा। उन्होंने आगे कहा कि यूपीआई का इस्तेमाल वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने में सहायक रहा है।

बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निफ्टी में 6 दिन से जारी तेजी पर लगा ब्रेक

एजेंसी

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और पश्चिम एशिया में तनाव की वजह से घरेलू शेयर बाजार आज बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। इस गिरावट के साथ ही निफ्टी में लगातार 6 कारोबारी दिन से जारी तेजी के सिलसिले पर भी ब्रेक लग गया। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स तथा निफ्टी दोनों सूचकांकों की मजबूती और बढ़ी, लेकिन ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से शेयर बाजार लगातार गिरता चला गया?। खासकर, दोपहर 1:30 बजे के बाद अहमदाबाद प्लेन क्रैश की खबर आते ही बाजार में बड़ी गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.99 प्रतिशत और निफ्टी 1.01 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।आज दिनभर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल, एफएमसीजी, आईटी, ऑयल एंड गैस, पावर और रियल्टी इंडेक्स में 1 से 2 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, हेल्थ केयर और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.52 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

मनोहर लाल ने जम्मू-कश्मीर के लिए बिजली और शहरी विकास क्षेत्र की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्युत एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने श्रीनगर में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर के शहरी विकास और विद्युत क्षेत्र के परिदृश्य की समीक्षा की। बैठक के दौरान केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में बिजली क्षेत्र के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।विद्युत मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में बताया कि केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने बैठक के दौरान कहा कि केंद्र शासित प्रदेश को अपने उपभोक्ताओं के लिए बिजली की लागत कम करने के लिए जलविद्युत परियोजनाओं पर लगाए गए जल उपकर को माफ करने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगस्त 2025 तक सभी सरकारी प्रतिष्ठानों और सरकारी कॉलोनियों के लिए प्रीपेड मीटर पर्याप्त संख्या में प्रदान किए जाएंगे। मनोहर लाल ने

कहा कि विद्युत मंत्रालय और केंद्र शासित प्रदेश को जलविद्युत परियोजनाओं के लिए स्थानीय कार्यबल के कौशल विकास और क्षमता निर्माण के लिए समन्वय करना चाहिए। उपभोक्ताओं के जीवन को सुगम बनाने के लिए कनेक्शन शुल्क को सरल बनाएं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सर्दियों के दौरान मांग को पूरा करने के लिए राज्यों के बीच मांग की अनुपूरकता के आधार पर बिजली की बैंकिंग हो। मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक के दौरान केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में बिजली क्षेत्र के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। केंद्र शासित प्रदेश ने शहरी और बिजली क्षेत्र से जुड़े मुद्दों और प्रमुख उपलब्धियों तथा भविष्य की मांग को पूरा करने के लिए संभावित समाधान पर भी प्रकाश डाला। बैठक में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी भी मौजूद थे। बैठक में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव, भारत सरकार, केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, राज्यों के विदुयत निगम और सीपीएसई के प्रतिनिधि भी सम्मिलित हुए।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना के राहत कार्यों में हर संभव मदद करेगी रिलायंसः अंबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के दिग्गज उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को एयर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के लिए राहत कार्यों में पूर्ण सहयोग की पेशकश की। आरआईएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि वह और उनकी पत्नी नीता अहमदाबाद में विमान हादसे में हुई जानमाल की हानि से अत्यंत दुखी एवं व्यथित हैं। हम इस दुखद घटना से प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। मुकेश अंबानी ने आगे लिखा है, ''दुख की इस घड़ी में, रिलायंस चल रहे राहत प्रयासों को अपना पूर्ण और अटूट समर्थन देता है तथा हर संभव तरीके से सहायता करने के लिए तैयार है। हम प्रार्थना करते हैं कि प्रभावित सभी लोगों को इस

अकल्पनीय क्षति से उबरने की शक्ति और सांत्वना मिले। ओम शांति। उल्लेखनीय है कि गुजरात के अहमदाबाद से लंदन जाने वाला एयर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत हो गई थी। एक यात्री जिंदा बचा है। एयर इंडिया के अनुसार इस विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश नागरिक, सात पुर्तगाली नागरिक और एक कनाडाई नागरिक सवार थे, उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान में आग लग गई।

टेफाल के प्रीमियम कुकवेयर और स्मार्ट होम अप्लायंसेस का विस्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रीमियम कुकवेयर और होम अप्लायंसेज़ बनाने वाली कंपनी टेफाल ने वर्ष 2025-26 में 40 से अधिक नए उत्पाद लॉन्च करने की योजना के साथ गुरूवार को यहां भारत के लिए अपनी अब तक की सबसे व्यापक और नवाचार-प्रेरित प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का अनावरण किया। ग्रुप एसईबी इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कक्कड़ ने अभिनेत्री दीया मिर्जा के साथ नये उत्पादों का अनावरण किया। इस मौके पर श्री कक्कड़ ने कहा कि स्थानीयकरण और टिकाऊपन पर विशेष ज़ोर देते हुये टेफाल ने भारतीय उपभोक्ताओं की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार अपने नवीनतम उत्पाद प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने कहा कि इन उत्पादों को टेफाल प्रीमियर ब्रांड के तहत उतारा गया है। 2025-26 में 40 से अधिक नए उत्पाद लॉन्च करने की योजना के साथ टेफाल श्रेणियों का विस्तार और स्थानीय नवाचार को गति दे रहा है। 10 से अधिक उत्पाद पूरी तरह भारत के लिए डिज़ाइन और डेवलप किए गए हैं तथा हिमाचल प्रदेश के बद्दी स्थित निर्माण इकाई में बनाए जा रहे हैं। यह सुविधा इन-हाउस मोटर निर्माण को भी सपोर्ट करती है। टिकाऊपन को प्राथमिकता देते हुए टेफाल ऐसे उत्पाद विकसित कर रहा है जो लंबे समय तक चलें और बार-बार बदले जाने की आवश्यकता को कम करें।

गोयल ने व्यापक सरकारी और उद्योग वार्ता के जरिए भारत-स्वीडन सहयोग को आगे बढ़ाया

एजेंसी

नई दिल्ली/स्टॉकहोम। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्टॉकहोम की अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के पहले दिन स्वीडिश सरकार के वरिष्ठ सदस्यों और उद्योग जगत के नेताओं के साथ कई महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इस यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और गहरा करना, व्यापार और निवेश प्रवाह को बढ़ाना और उभरते क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते तलाशना था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने स्टॉकहोम की अपनी दो-दिवसीय आधिकारिक यात्रा के पहले दिन स्वीडिश सरकार के वरिष्ठ सदस्यों और प्रसिद्ध उद्योगपतियों के साथ कई महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इस यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करना, व्यापार और निवेश प्रवाह को बढ़ाना और उभरते क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते तलाशना था। इस दौरान पीयूष गोयल ने अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग और विदेश व्यापार मंत्री बेंजामिन डौसा और विदेश व्यापार सचिव हाकन जेवरेल से मुलाकात की। चर्चा में भारत-स्वीडन व्यापार और निवेश साझेदारी के दायरे को बढ़ाने, सतत औद्योगिक सहयोग को सुविधाजनक

बनाने और प्रौद्योगिकी और नवाचार-संचालित विकास के लिए प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। गोयल ने भारत-स्वीडन प्रमुख व्यापारिक गोलमेज (बिजनेस लीडर्स राउंडटेबल) को भी संबोधित किया, जहां उन्होंने स्वीडिश उद्योग के प्रमुख सदस्यों के साथ बातचीत की यात्रा के दौरान आर्थिक, औद्योगिक और वैज्ञानिक सहयोग के लिए भारत-स्वीडन संयुक्त आयोग का 21वां सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र की सह-अध्यक्षता विदेश व्यापार के सचिव हाकन जेवरेल, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के संयुक्त सचिव संजीव और वाणिज्य विभाग के संयुक्त सचिव साकेत कुमार ने की। गोलमेज सम्मेलन ने स्वच्छ ऊर्जा, स्मार्ट विनिर्माण, गतिशीलता, जीवन विज्ञान और डिजिटल प्रौद्योगिकियों में निजी क्षेत्र के सहयोग को मजबूत करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि पीयूष गोयल ने वैश्विक विनिर्माण और नवाचार केंद्र बनने के भारत के दृष्टिकोण को दोहराया और हरित प्रौद्योगिकियों, नवाचार-आधारित विकास और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्वीडन के साथ निरंतर साझेदारी का आह्वान किया। स्टॉकहोम में हुई बैठकें भारत-स्वीडन रणनीतिक साझेदारी में जारी गति को प्रतिबिंबित करती हैं तथा प्रभावी तरीके से भविष्योन्मुख पहलों पर सहयोग करने की साझा महत्वाकांक्षा की पुष्टि करती हैं।

ये 5 दिन तक टिक पाएगा? इंग्लैंड टूर से पहले वैभव सूर्यवंशी को किसने दे दिया ओपन चैलेंज

एजेंसी

नई दिल्ली । वैभव सूर्यवंशी : आईपीएल 2025 में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचने वाले वैभव सूर्यवंशी चर्चा में बने रहते हैं. 14 साल का ये खिलाड़ी अंडर-19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर जाने वाला है, जिसकी शुरुआत 27 जून से होने वाली है. मगर, इससे पहले वैभव को खुला चैलेंज मला है. पूर्व क्रिकेटर ने सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं कि क्या वैभव 5 दिन तक मैदान पर टिक भी पाएंगे.

Vaibhav Suryavanshi को मिला चैलेंज

आईपीएल में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से बड़े-बड़े रिकॉर्ड बनाने वाले 14 साल के वैभव सूर्यवंशी इंग्लैंड जाने की तैयारी कर रहे हैं. आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है. मगर, इससे पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने इस युवा खिलाड़ी पर प्रतिक्रिया दी.

योगराज सिंह ने वैभव को लेकर कहा, मुझे लगता है कि वैभव की असली परीक्षा टेस्ट क्रिकेट होगा. देखना ये होगा कि क्या वह पांच दिन तक टिक सकते हैं? 50 ओवर का गेम ठीक है. 20 ओवर का गेम भी ठीक है. मैं इन फॉर्मेट्स को नहीं मानता, लेकिन, अब ये फॉर्मेट्स हैं तो आपको तीनों फॉर्मेट्स में खेलने के लिए फिट होना चाहिए. आप संघर्ष क्यों करते हैं? क्योंकि आप सिर्फ ञ्20, ढ्ढक्क और 50 ओवर पर ध्यान देते हैं. आज तो 50 ओवर भी नहीं खेल सकते हैं हम लोग.%

IPL 2025 में वैभव ने मचाया धमाल

Vaibhav Suryavanshi की उम्र तब सिर्फ 13 साल थी जब राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें पिछले साल हुए मेगा ऑक्शन के दौरान 1.1 करोड़ में खरीदा था. उन्होंने 19 अप्रैल को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ अपना आईपीएल डेब्यू किया, जिसमें शार्दुल ठाकुर की पहली ही गेंद पर उन्होंने छक्का जड़ा. उस पल के बाद से वैभव ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार आगे बढ़ते गए. वैभव ने आईपीएल 2025 में सिर्प 35 गेंद पर शतक लगाया और सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय क्रिकेटर बने. आंकड़ों की बात करें, तो उन्होंने 7 मैचों में उन्होंने 36 की औसत और 206.55 की शानदार स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाए.

टीम इंडिया को इंग्लैंड में छोड़कर अचानक भारत लौटे Gautam Gambhir, वजह भी आई सामने!

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम मौजूदा समय में इंग्लैंड में है और अपकमिंग टेस्ट सीरीज की तैयारियों में जुटी हुई है. खिलाड़ियों के साथ हेड कोच गौतम गंभीर भी इंग्लैंड गए थे, लेकिन अब अपडेट सामने आ रही है कि हेड कोच गौतम गंभीर अचानक इंग्लैंड से भारत लौट रहे हैं. हालांकि, बोर्ड या गंभीर की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है.

अचानक भारत क्यों लौटे गौतम गंभीर?

भारतीय हेड कोच टीम के खिलाड़ियों के साथ इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना हुए थे और वहां अपकमिंग सीरीज की तैयारी करवा रहे हैं. मगर, अब रिपोर्ट्स के हवाले से खबर आई है कि गंभीर फैमिली इमरजेंसी के चलते अचानक भारत लौट रहे हैं. बताया जा रहा है कि गौतम गंभीर की मां फिलहाल ढ्ढष्ट में हैं, जहां डॉक्टर उनकी सेहत पर लगातार नजरें जमाए हैं. हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. बता दें, फिलहाल इंग्लैंड-भारत के बीच खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज के शुरू होने में अभी लगभग एक हफ्ते का वक्त है. ऐसे में गंभीर वक्त पर वापस भी लौट सकते हैं.

तैयारियों में जुटी हुई है शुभमन गिल की टीम

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाने वाली है, जिसका पहला मुकाबला 20 जून से शुरू होगा. शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम पिछले हफ्ते ही इंग्लैंड आ गई थी और तैयारियों में जुट गई. बताते चलें, रोहित शर्मा के टेस्ट रिटायरमेंट के बाद शुभमन गिल को टेस्ट कप्तान चुना गया और ऋषभ पंत को उपकप्तान चुना गया है.

19 छक्के, 296 का स्ट्राइक रेट, फिन एलन बने नए 'सिक्सर किंग', तोड़ दिया क्रिस गेल का सबसे बड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी

न्यूजीलैंड । न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन ने मेजर लीग क्रिकेट (MLC) 2025 सीजन के पहले ही मैच में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए क्रिस गेल का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है. एलन ने अपना रिकॉर्ड 19वां छक्का जड़ते हुए केवल 49 गेंदों में 150 रन पूरे किए, जो टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 150 रन हैं. इसी के साथ एलन के इस मील के पत्थर तक पहुंचने के लिए अधिकतम स्कोर ने क्रिस गेल और एस्टोनिया के साहिल चौहान के 18-18 छक्कों के पिछले बेस्ट रिकॉर्ड को तोड़ दिया और मेन्स टी20 पारी में छक्कों का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया.

फिन एलेन ने रचा इतिहास

मेजर टी-20 लीग 2025 के पहले ही मैच में एक रिकॉर्डतोड़ मैच देखने को मिला. टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की तरफ से ओपनिंग करने आए फिन एलेन ने तो तहलका मचा दिया. उन्होंने शुरू से ही गेंद अटैक किया और पावरप्ले के अंदर ही 14 गेंदों पर 5 छक्कों की मदद से 40 रन बनाए. 26 वर्षीय खिलाड़ी ने 20 गेंदों पर 50 रन बनाने के बाद से ही आक्रमण को और तेज कर दिया. आक्रामक कीवी सलामी बल्लेबाज ने 2 बार 1 ओवर में 3 छक्के लगाए और मात्र 34 गेंदों में अपना चौथा टी-20 शतक पूरा किया, जो कि मेजर टी-20 लीग का सबसे तेज शतक और न्यूजीलैंड के किसी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे तेज टी-20 शतक बन गया. एलन ने 17वें ओवर में रिकॉर्ड 19वां छक्का जड़कर पांच और छक्के जड़ दिए, इससे पहले कि वह अगले ओवर में अपना 20वां छक्का लगाते हुए आउट हो जाते.

एलेन ने तोड़ा क्रिस गेल का रिकॉर्ड

न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलेन ने इस तूफानी पारी के दौरान 19 छक्के जड़े और यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल का सालों पुराना रिकॉर्ड धराशाही कर दिया. एलेन ने क्रिस गेल और एस्टोनिया के साहिल चौहान के 18-18 छक्कों के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को तोड़ दिया और पुरुषों की टी20 पारी में छक्कों का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया. अब एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड फिन एलेन के नाम पर दर्ज हो गया है.

बताते चलें, फिन एलेन की इस तूफानी पारी की बदौलत पिछले सीजन की रनर-अप रही यूनिकॉर्न्स ने मौजूदा चैंपियन वॉशिंगटन फ्रीडम को 270 रनों का लक्ष्य दिया है.

BCCI के पीठ पीछे साजिश कर रहा PCB, एशिया कप की चर्चा के बीच सामने आ गया उसका पूरा प्लान

एजेंसी

नई दिल्ली। इस साल सितंबर महीने में एशिया कप का आयोजन होगा या नहीं? पाकिस्तान की टीम भारत आएगी या नहीं? फिलहाल ये सवाल सिर्फ सवाल हैं... पिछले महीने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जब एशिया कप का होना मुश्किल दिख रहा है, तो पाकिस्तान एक अलग ही तैयारी में है. रिपोर्ट्स के हवाले से खबर आई है कि पाकिस्तान ट्राई सीरीज कराने की तैयारी में है, जिसके लिए उसने संपर्क साधना भी शुरू कर दिया है.

ट्राई सीरीज की तैयारियों में जुटा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड

सितंबर में होने वाले एशिया कप की मेजबानी भारत के पास है. लेकिन, पिछले महीने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद अब एशिया कप का आयोजन सितंबर में होना मुश्किल लग रहा है. इस मामले पर लगातार पाकिस्तान की ओर से बयानबाजी भी चल रही है, मगर बीसीसीआई ने इसपर अब तक कोई अपडेट नहीं दी है. मगर, अब पाकिस्तान ने प्लान बी तैयार करना शुरू कर दिया है.

PCB के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी को बताया, अब जबकि एशिया कप के सितंबर में भारत में आयोजित होने की संभावना कम है,

PCB एक ट्राई सीरीज प्रस्ताव पर काम कर रहा है.

ये 2 देश हो सकते हैं शामिल

अगर एशिया कप रद्द या फिर स्थगित होता है तो पाकिस्तान ट्राई सीरीज कराना चाहता है, जिसका खुलासा रिपोर्ट्स के माध्यम से हुआ है. इसके लिए क्कष्टक्च चाहता है कि अफगानिस्तान और यूएई की टीमें इस ट्राई सीरीज में हिस्सा ले. सूत्र ने आगे बताया, ÷अगर एशिया कप कैंसिल या स्थगित किया जाता है, तो क्कष्टक्च चाहता है कि अफगानिस्तान और UAE की टीमें अगस्त में पाकिस्तान में ट्राई सीरीज खेलें.

बताते चलें, एशिया कप की मेजबानी तो भारत के पास है, मगर अभी बीसीसीआई की तरफ से क्लीएरिटी नहीं मिली है कि टूर्नामेंट तय समय पर होगा या आगे बढ़ाया जाएगा.

'इससे तकलीफ होती है', 10 दिन में 2 फाइनल हारने पर छलका Shreyas Iyer का दर्द

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर एक बेहतरीन कप्तान हैं, मगर पिछले 10 दिनों में उन्हें 2 फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है. पहले आईपीएल 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स की टीम हारी और अब मुंबई टी-20 लीग में अय्यर की कप्तानी वाली सोबो मुंबई फाल्कन्स हारकर ट्रॉफी जीतने से चूक गई. 5 विकेट से फाइनल हारी Shreyas Iyer की टीम

मुंबई टी-20 लीग में लीग स्टेज पर शानदार प्रदर्शन करते हुए सोबो मुंबई फाल्कन्स और मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स ने फाइनल तक का सफर किया था. इस मैच में टॉस हारकर श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली सोबो मुंबई की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी. जहां, 20 ओवर में टीम ने 157 रन बोर्ड पर लगाए. लेकिन, टीम इस स्कोर को डिफेंड नहीं कर पाई और मराठा रॉयल्स ने 5 विकेट से इस मैच को जीतकर ट्रॉफी उठाई.

क्या बोले श्रेयस अय्यर?

मुंबई टी-20 लीग के फाइनल मैच में मिली हार के बाद श्रेयस अय्यर काफी निराश दिखे. उन्होंने 10 दिनों में 2 फाइनल खेलने को लेकर श्रेयस

अय्यर ने कहा, ये काफी हेक्टिक है. खास तौर पर जब आप हारते हैं, तो ये आपके माइंड में चलता रहता है. जिस तरह से सभी लोग बड़ी संख्या में आए, वह देखने लायक था. पूरा स्टेडियम भरा हुआ था. आने और सपोर्ट करने के लिए सभी का शुक्रिया. मैं किसी खास घटना का जिक्र नहीं करना चाहता. हमारे खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया. हमने फाइनल तक पहुचने के लिए दौरान सिर्फ एक ही मैच गंवाया. सिर्फ एक गेम, जिसमें आप किसी पर भी निशाना नहीं साध सकते. ये मूल रूप से पीठ में छुरा घोंपना है और मुझे ये पसंद नहीं है. हमने इससे काफी कुछ सीखा.

अय्यर ने बढ़ाया हौसला

Shreyas Iyer ने आगे कहा, फाइनल हारकर निराश होना नॉर्मल है. इससे तकलीफ होती है. लेकिन, जब वह अगले सीजन आएंगे, तो उनके पास मोटिवेशन और कॉन्फिडेंस होगा. इसलिए उन्हें अपने प्रयासों पर गर्व होना चाहिए. टीम में कई खिलाड़ी ऐसे थे, जिनके पास ज्यादा अनुभव नहीं था और 20 हजार लोगों के सामने खेलना भी आसान नहीं था. मैं वहां रहा, मैंने ऐसा किया. जब आप घबरा जाते हैं, तो आप गलतियां करते हैं, लेकिन ये आपको बहुत कुछ सिखाता है, आप मजबूती से वापसी करते हैं.

SCO vs NED: नीदरलैंड ने किया बड़ा कारनामा, जिसके कारण हर तरफ बज रहा है उनकी जीत का डंका

एजेंसी

नई दिल्ली। SCO vs NED: नीदरलैंड की टीम ने क्रिकेट के मैदान पर एक बड़ा कारनामा कर दिखाया है, जिसकी चर्चा हर तरफ हो रही है. नीदरलैंड्स ने आईसीसी विश्व कप लीग टू 2023-27 के मुकाबले में स्कॉटलैंड को चार विकेट से हराकर बड़ी जीत दर्ज की और इस दौरान 370 रनों के लक्ष्य को हासिल किया, जो वनडे क्रिकेट का तीसरा सबसे बड़ा रन चेज बन गया.

4 विकेट से नीदरलैंड ने जीता मैच

आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग टू 2023-2027 के दौरान स्कॉटलैंड का सामना नीदरलैंड से हुआ. इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी स्कॉटलैंड की टीम की ओर से शानदार बल्लेबाजी देखने को मिली, जिसने अपने सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुन्से ने 6 विकेट के नुकसान पर 369 रन बोर्ड पर लगाए.

जवाब में नीदरलैंड के ओपनर Max ODowd ने 158 रनों की नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई. नतीजन, नीदरलैंड ने 4 गेंद रहते हुए लक्ष्य को हासिल कर लिया और 4 विकेट से एक अहम जीत दर्ज की.

वनडे क्रिकेट का तीसरा सबसे बड़ा रनचेज

नीदरलैंड ने वनडे मुकाबले में स्कॉटलैंड को 4 विकेट से हराकर एक अहम जीत दर्ज की. इस दौरान टीम ने 370 रनों के लक्ष्य को आखिरी ओवर में हासिल किया, जो वनडे इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा रन चेज बन रहा. आपको बता दें, वनडे क्रिकेट में सबसे बड़ा रन चेज करने का रिकॉर्ड साउथ अफ्रीका के नाम पर दर्ज है. टीम ने 2006 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 438 रन चेज किए थे. लिस्ट में दूसरा नाम भी साउथ अफ्रीका का ही है. वहीं, अब लिस्ट में तीसरा नाम नीदरलैंड का शामिल हो गया है, जिसने 370 रनों का सफलतापूर्वक रन चेज किया.

ये हैं भारत के 5 रईस क्रिकेटर्स, जिनके पास है खुद का प्राइवेट जेट

एजेंसी

नई दिल्ली। दौलत.. शौहरत... और हर वो चीज भारतीय क्रिकेटर्स की जेब में है, जिसका कोई भी सपना देखता है. बीसीसीआई अपने क्रिकेटर्स को मोटी सैलरी तो देती ही है. मगर, एडवरटाइजमेंट्स और सोशल मीडिया से भी खिलाड़ी खूब कमाई करते हैं. ऐसे में उनका अल्ट्रा लग्जरी लाइफ जीना स्वभावित है. महंगी गाड़ियां, लग्जरी वॉच, करोड़ों के घर आदि के अलावा भारत में कुछ ऐसे क्रिकेटर्स भी हैं, जिनके पास प्राइवेट जेट भी हैं. तो आइए इस आर्टिकल में आपको उन 5 क्रिकेटर्स के बारे में बताते हैं, जिनके पास ये लग्जरी मौजूद है.

सचिन तेंदुलकर

पूर्व भारतीय दिग्गज और क्रिकेट की दुनिया में भगवान माने जाने वाले सचिन तेंदुलकर को संन्यास लिए कई साल बीत चुके हैं, मगर वह आज भी नेटवर्थ के मामले में भारत के नंबर-1 क्रिकेटर हैं. महंगी कार और मुंबई में लग्जरी घर के अलावा सचिन के अलावा वह एक प्राइवेट जेट के भी मालिक हैं. रिपोर्ट्स में दावा किया जाता है कि, भारतीय क्रिकेटरों में सबसे महंगा प्राइवेट जेट सचिन तेंदुलकर के पास ही है और इसकी कीमत लगभग 260 करोड रुपए आंकी जाती है.

कपिल देव

भारत को पहला वर्ल्ड कप दिलाने वाले कप्तान कपिल देव भी इस लिस्ट में शुमार हैं, जिनके पास अपना प्राइवेट जेट है. कपिल देव वैसे तो सादगी से जीना पसंद करते हैं और बेबाकी से अपनी बात रखने के लिए जाने जाते हैं. दिग्गज के पास जो प्राइवेट जेट है, उसकी कीमत लगभग 110 करोड़ रुपए आंकी जाती है.

हार्दिक पांड्या

अपनी लग्जरी लाइफ को फ्लॉन्ट करने वाले हार्दिक पांड्या सुर्खियों में बने रहते हैं. करोड़ों की गाड़ी और घड़ियां पहनने वाले हार्दिक भी उन चुनिंदा भारतीय क्रिकेटर्स में शुमार हैं, जिनके पास अपना प्राइवेट जेट है. हालांकि, सचिन, विराट और धोनी की तुलना में उनका प्राइवेट जेट सस्ता है, जिसकी कीमत 40 करोड़ रुपये से ज्यादा है.

एमएस धोनी

भारत के ही नहीं दुनिया के सबसे सफल कप्तानों में शुमार एमएस धोनी भले ही इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर हो चुके हो, लेकिन वह अभी भी आईपीएल में खेलकर अपने फैंस को रोमांचित करते हैं. माही भी उन क्रिकेटर्स में से एक हैं, जिनके पास प्राइवेट जेट है. रिपोर्ट्स के अनुसार, धोनी के इस प्राइवेट जेट की कीमत सचिन के प्राइवेट जेट के बराबर ही है. दोनों की कीमत लगभग 260-260 करोड़ रुपये बताई जाती है.

विराट कोहली

पूर्व भारतीय कप्तान और 2 दशक तक वर्ल्ड क्रिकेट में अपने नाम का डंका बजाने वाले विराट कोहली मौजूदा समय में भारत के सबसे अमीर क्रिकेटर्स में आते हैं. तो ऐसे में जाहिर तौर पर उनके पास हर वो लग्जरी है, जिसका एक आम इंसान सपने देखता है.

कोहली उन क्रिकेटर्स में शुमार हैं, जिनके पास प्राइवेट जेट है. रिपोर्ट्स की मानें, तो कोहली के इस प्राइवेट जेट की कीमत 125 करोड़ रुपये है. हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं है.

संजय कपूर की पहली पत्नी नंदिता का विराट कोहली से है खास कनेक्शन

क्रिकेटर के लिए कर चुकी हैं ये काम

एजेंसी

नई दिल्ली। करिश्मा कपूर और उनके एक्स पति संजय कपूर का रिश्ता कैसा था, ये तो सभी जानते हैं. कैसे दोनों की शादी हुई और फिर किस तरह कपल तलाक लेकर अलग हो गए. संजय ने 3 शादियां कीं और दूसरी वाइफ करिश्मा रहीं. मगर, क्या आप संजय की पहली पत्नी नंदिता महतानी के बारे में जानते हैं, जिनके रिलेशनशिप के चर्चों के बारे में तो आपने सुना ही होगा, लेकिन क्या आप जानते हैं कि उनका एक खास कनेक्शन भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली से भी है.

कौन हैं नंदिता महतानी?

संजय कपूर ने 3 शादियां की थीं. उनकी पहली पत्नी नंदिता महतानी थीं, जिसके साथ उनकी शादी 4 साल ही चल पाई थी और फिर दोनों अलग हो गए थे. बात करें, नंदिता की तो वह एक जानी मानी फैशन डिजाइनर हैं जो दो दशकों से भी अधिक समय से फैशन इंड्रस्ट्री में हैं.

वह अपने कॉकटेल और रिसॉर्ट वियर कलेक्शन के लिए जानी जाती हैं, जिन्होंने भारत के साथ-साथ इंटरनेशनल लेवल पर लोकप्रियता हासिल की है.

अपने करियर के अलावा, वह कई हाई-प्रोफाइल रिश्तों से भी जुड़ी रही हैं। कथित तौर पर, उन्होंने अभिनेता डिनो मोरिया, रणवीर कपूर और विद्धुत जामवाल को डेट किया.

क्या है विराट कोहली से कनेक्शन?

जैसा कि हमने आपको बताया कि नंदिता महतानी पेशे से फैशन डिजाइनर हैं. 2012 से ही नंदिता कई सेलिब्रिटीज को स्टाइल कर चुकी हैं, जिसमें भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली का नाम भी शामिल है. नंदिता ने कहा था कि, %विराट की इम्पैकेबल स्टाइल है, जो उनकी स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी से आती है. वह स्पोर्टी कैजुअल लुक पसंद करते हैं, लेकिन उन्हें कभी-कभार ड्रेस अप करना भी अच्छा लगता है.%

विराट कोहली ले चुके हैं टेस्ट और टी20 से संन्यास

विराट कोहली ने 2008 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था और उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा. वह भारत के ही नहीं दुनिया के सबसे शानदार क्रिकेटर्स की लिस्ट में शुमार हैं. टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में खिताबी जीत दर्ज करने के बाद उन्होंने सबसे छोटे फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था और फिर इसी साल मई में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से भी रिटायरमेंट की घोषणा कर दी.

ऐसे में अब वह सिर्फ वनडे क्रिकेट में खेलते नजर आएंगे. इसके अलावा आपको बता दें, विराट कोहली का 18 सालों का इंतजार खत्म हुआ और 3 जून 2025 को आरसीबी ने अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी उठाई.

पेट की गैस

कहीं बड़ी समस्या में न बदल जाए

आजकल पेट में गैस बनना एक साधारण बात हो गई है। पाचन तंत्र में विकार उत्पन्न होने की वजह से उदर और आंतों में गैस की समस्या उत्पन्न हो जाती है है। गैस बनना किसी रोग का लक्षण भी हो सकता है। अधेड़ उम्र के लोग इससे अधिक पीड़ित रहते हैं। क्योंकि इस उम्र में पाचन क्रिया कमजोर होने लगती है। लोग अक्सर इसे आम समस्या समझकर नजर अंदाज कर दिया करते हैं।

गैस उदर या आंतों में बनती है। उदर व आंत शरीर के वे भाग हैं जिसमें आहार का पाचन होता है। पाचन के लिए आमाशयिक रस की जरूरत होती है। अमाशयिक रस में एंजाइम, पेप्सिन, लाइपेज और रेनिन होते हैं। पेप्सिन, हाइड्रो क्लोरिक अम्ल के साथ मिलकर प्रोटीन को पेप्टीन में बदलता है। रेनिन, दूध के केसीनोजन को गाढ़ा करता है और लाइपेज वसा का पाचन कराता है। अमाशयिक रस द्वारा ही कुछ विषैले पदार्थ जैसे विष, धातु, अल्केलोइड्स आदि निकलते हैं। अनावश्यक जीवाणुओं व कीटाणुओं का नाश भी अमाशयिक रस के द्वारा ही होता है। खाने की चीजों के पाचन के लिए अमाशयिक प्रक्रिया के दौरान पोषक तत्व सोख लिए जाते हैं, और अनचाहे अवशेष मलमूत्र के रूप में शरीर से बाहर निकल जाते हैं। पाचन क्रिया के तहत रासायनिक प्रक्रिया होती है और गैस बन जाती है। गैस का अधिक या कम बनना पाचन शक्ति, व्यक्ति की आयु, शारीरिक और मानसिक रोग और खाने की चीजों के मिश्रण आदि पर निर्भर होता है।

पेट की गैस दो प्रकार की होती है। एक तो वह जो भोजन करते समय हमारे पेट में पहुंच जाती है। जैसे? नाइट्रोजन, ऑक्सीजन। दूसरी कार्बन डाइआक्साइड, हाइड्रोजन और मीथेन है जो पाचन प्रक्रिया के दौरान आंतों में बनती है। एक स्वस्थ व्यक्ति में ये गैसें कम मात्रा में होती हैं जो कि मलद्वार या डकार से आसानी से बाहर निकल जाती हैं। परन्तु अधिक मात्रा में गैस बनने और पाचन क्रिया के दौरान इसके भोजन में मिलने के कारण इससे कष्ट देने वाले लक्षण पैदा होने लगते हैं। इन लक्षणों में मुख्य है। खाना खाने के एक या दो घंटे पश्चात पेट में भारीपन महसूस होता है और सांस लेने में भी तकलीफ होती है तथा मलद्वार से अधिक गैस निकलने के कारण आंतों में अनपचे कार्बोहाइड्रेट का बैक्टीरिया द्वारा फर्मेंटेशन होता है। ये गैसें अधिकतर हाइड्रोजन कार्बन डाईआक्साइड और मीथेन होती हैं। सामान्यतः इनमें कोई गंध नहीं होती।

पेट के दर्द की वजह गैस नहीं है। दर्द आंतों की गतिशीलता में कमी की वजह से होता है। ज्यादा गैस बनना किसी गंभीर रोग से संबंधित हो सकता है। खट्टी डकारें आना, पेट का फूलना और मलद्वार से दुर्गंधमय गैस निकलने को नजरअदांज नहीं किया जाना चाहिए। इन का पूरा इलाज होना जरूरी है। उदर के रोग जैसे गैस्ट्राइटिस, पेट में अल्सर या पेप्टिक कैंसर, आंतों के रोग एंट्राइटिस, अल्सर, एमीबाइसिस तथा जिआर्डिएसिस आदि से भी गैस की समस्या हो सकती है।

इसके अलावा हवाई यात्रा में भी गैस विकार की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। हवाई यात्रा के दौरान इस रोग से ग्रस्त लोगों को अधिक सावधानी की आवश्यकता होती है क्योंकि हवाई जहाज में वायुमण्डल का दबाव कम होने के कारण उदर की गैस आयतन में तीस प्रतिशत की वृद्धि हो जाती है और कष्टदायक लक्षण सामने आने लगते हैं।

मुंह और सांस लेने के अंगों में विकारों की वजह से भी गैस की समस्या हो सकती है। नाक, सांस में बाधा, टौंसिल और एडिनाइड का इलाज आसानी से संभव हो सकता है और अगर गैस की समस्या इनके कारण से हो तो उसे दूर किया जा सकता है। इसी तरह दांतों के विकार और कृत्रिम दांतों की बनावट के कारण होने वाले विकार भी गैस के लक्षण हो सकते हैं।

शिशुओं में भी गैस विकार की समस्या पाई जाती है। शिशु मां से या बोतल से दूध पीते समय मुंह से हवा अंदर ले लेते हैं। इस प्रकार दूध के साथ-साथ आक्सीजन और नाइट्रोजन गैसें भी उनके पेट में पहुंच जाती हैं। यदि पेट में गैस ज्यादा मात्रा में हो जाती है तो वह दूध पीना छोड़ देता है और बेचैनी महसूस करता है, रोने लगता है और यदि यह गैस समय पर डकार द्वारा नहीं निकलती है तो या तो शिशु उल्टी कर देता है या फिर उसे असमय ही गैस के साथ मल हो जाता है।

गैस निकालने के लिए बच्चे को दूध पिलाने के बाद कंधे से लगाकर पीठ थपथपानी चाहिए, जब तक कि वह डकार न ले ले। गैस के विकार से होने वाली समस्या से बचने के लिए खाने?पीने में सफाई की आदत की जरूरत होती है। जल्दी-जल्दी जरूरत से ज्यादा खाना, खाते समय, चिंता या मानसिक तनाव से ग्रस्त होना, भोजन के समय बीच-बीच में ज्यादा पानी पीना आदि गैस की परेशानी को और अधिक बढ़ाते हैं। जुलाब की गोलियों का बार-बार इस्तेमाल भी हानिकारक होता है।

गैस के अलग-अलग शारीरिक और रोगात्मक कारण होते हैं इसलिए हर किसी के लिए एक सा भोजन उपयुक्त नहीं होता। जिन खाने की चीजों से गैस बनने की संभावना हो उनसे बचना चाहिए। कोका कोला, पेप्सी, सोड़ा आदि पेय ज्यादा गैस पैदा करते हैं क्योंकि इन सब में कार्बन डाईआक्साइड तथा सोड़े की मात्रा ज्यादा होती है। ऐसी खाने की चीजों से भी बचना चाहिए जिन में लेक्टोज की मात्रा ज्यादा होती है। बच्चों को लेक्टोज रहित आहार के तहत न्यूट्रा माइजेन जैसे एमिनो एसिड, प्रोटीन हाइड्रोलाइसेट या फिर सोयाबीन का दूध दिया जा सकता है। बड़ों को सभी प्रकार के दूध, आइस्क्रीम, चीज, दूध से बनी मिठाई, दूध से बने पेय, सफेद ब्रेड, बिस्कुट, क्रीम सूप, क्रीम युक्त व्यंजन और ठंडे मांसाहार से बचना चाहिए।

कुछ सब्जियां और फल भी अधिक गैस बनाते हैं। फूल गोभी, पत्ता गोभी, सूखी फलियां, ककड़ी, हरी मिर्च, सलाद, मटर, मूली, प्याज, कच्चे सेब, तरबूज, खरबूजा आदि अधिक गैस बनाते हैं। तले हुए या वसायुक्त पदार्थों से भी ज्यादा गैस बनती है। इनके इस्तेमाल से आंतों में कार्बन डाईआक्साइड बनती है।

अन्य रोगों की तरह गैस विकार की समस्या पर काबू पाने के लिए भी नियमित व्यायाम और योगाभ्यास लाभदायक होते हैं। सुबह शाम 2-4 किलोमीटर तक घूमना गैस की समस्या को दूर करने के लिए अच्छा व्यायाम है। इससे रक्त संचार भी ठीक बना रहता है। पाचन शक्ति भी सही रहती है। मानसिक तनाव से दूर रहते हुए शांति से सादा भोजन, इसका सबसे बड़ा इलाज है।

खाना खाते वक्त कम पानी पीना चाहिए। क्योंकि अधिक पानी पाचन के लिए हानिकारक होता है। रात को देर से भोजन करना भी गैस की समस्या को बढ़ाता है। भोजन को ठीक से पचने के लिए 6-8 घंटे लगते हैं। इसके लिए पूर्ण आराम और 7-8 घंटे की नींद आवश्यक होती है। इन सावधानियों को बरतने के बाद भी यदि गैस से पीछा न छूटे तो किसी विशेषज्ञ से सलाह लें।

सेहत की कुछ बातें

बाल्यावस्था के दिन मौज–मस्ती और नटखटपन के होते हैं। हालांकि इसी अवस्था में शरीर का सही विकास भी होता है। इसलिए इस उम्र में बच्चों के खानपान पर समुचित ध्यान देना चाहिए। यह माता–पिता और अभिभावकों का दायित्व है कि वे अपने बच्चों में सेहत के प्रति सजगता की आदत बचपन से ही डालें। बाल्यावस्था में बच्चों में मोटापा, वजन कम होना, एनीमिया और दांतों संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं। कुछ बच्चों में व्यवहार सीखने संबंधित समस्याएं भी पैदा होती हैं। ऐसे बच्चों को अपनी उम्र के अन्य बच्चों के साथ घुलने–मिलने में दिक्कत होती है।

बहुत जरूरी है नाश्ता

सुबह का नाश्ता करने के लिए बच्चों को अवश्य प्रोत्साहित करें। ज्यादातर बच्चे स्कूल जाने से पहले अच्छी तरह नाश्ता नहीं करते। चिकित्सकों का कहना है कि बच्चों को संतुलित और पौष्टिक नाश्ता करवाकर ही स्कूल भेजें। बच्चे को दिन में तीन मुख्य आहार और दो से तीन बार स्नैक्स जरूर देने चाहिए। स्नैक्स का सबसे अच्छे विकल्प फल हैं। ड्राई फरूट्स भी स्नैक्स के अच्छे विकल्प हैं।

स्कूल भी ध्यान रखें

ज्यादातर स्कूल की कैंटीन में खानपान की स्वास्थ्यकर वस्तुएं उपलब्ध नहीं होतीं। यहां समोसा, चाऊमिन और बर्गर आदि वस्तुएं ही उपलब्ध होती हैं। ये वस्तुएं कभी-कभी खायीं जाएं तो ही ठीक रहता है। प्रतिदिन जंक फूड और फास्ट फूड का सेवन बच्चों की सेहत के लिए सही नहीं रहता है। इसलिए माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चे को स्वास्थ्यप्रद वस्तुओं से युक्त टिफिन बाक्स देकर ही स्कूल भेजें।

सामाजिक समारोह

बदलते दौर में माता-पिता के साथ बच्चे भी सामाजिक समारोहों में बढ़-चढ़कर शिरकत करते हैं। मसलन, बर्थ-डे पार्टी में जाना, पिकनिक पर जाना, शॉपिंग मॉल आदि जगहों पर जाना। इन स्थानों पर खाने-पीने की जो वस्तुएं उपलब्ध होती हैं, उनमें से ज्यादातर स्वास्थ्यकर नहीं होतीं। ऐसे स्थानों पर बच्चों को एक बेहतर विकल्प चुनने की राय देनी चाहिए।

मोटापा

अपने देश में बाल्यावस्था में होने वाले मोटापे की समस्याएं बढ़त पर हैं। आप बच्चे में खानपान से संबंधित अच्छी आदतें डालकर उन्हें मोटापे से बचा सकती हैं। इसके लिए उन्हें शुगर युक्त खाद्य पदार्थो से दूर रखें और उनके आहार में सब्जियां व फलों की मात्रा बढ़ाएं। बच्चे को यह भी समझाना चाहिए कि उसे मिठाइयों व ऐसे पेय पदार्र्थो से दूर रहना चाहिए, जिनमें शुगर ज्यादा रहती है। बच्चे को फल व सब्जियां खाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। यदि पहले से ही आपका बच्चा मोटा है तो उसे शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

वजन कम होना

कुछ बच्चों का वजन लंबाई के अनुपात में काफी कम होता है। कुछ बच्चों की आदत कम खाने की होती है। उनकी यह प्रवृत्ति माता-पिता के लिए परेशानी का कारण बन जाती है। ऐसे बच्चों के बारे में माता-पिता को यह मालूम करना चाहिए कि उन्हें कौन से खाद्य पदार्थ पसंद हैं। संभव है कि पसंदीदा खाद्य पदार्थ न मिलने के कारण वे कम खाते हों। उन्हें प्यार से समझाकर स्वास्थ्यवर्द्धक भोजन दें। अगर बच्चे का वजन कम है तो इसका मतलब यह नहीं है कि आप उसे शुगरयुक्त खाद्य पदार्थो को खाने की अनुमति प्रदान करें। शुगरयुक्त खाद्य पदार्र्थो का अधिक सेवन नुकसानदेह ही होता है।

दांतों की समस्या

दांतों में दर्द होना और कीड़ा लगना एक आम समस्या है। इस समस्या से बचने के लिए बच्चों में यह आदत डालें कि वे रात में भी सोने से पहले टूथब्रश करें। रात में शुगरयुक्त खाद्य पदार्थो को कम से कम खाने की सलाह दें।

खून की कमी

खून की कमी अर्थात एनीमिया से ग्रस्त बच्चे थोड़ा सा काम करने पर थकान महसूस करने लगते हैं। उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती नहीं रहती। इसके चलते बच्चों की मानसिक क्षमता भी कम होने लगती है। एनीमिया की कमी दूर करने के लिए बच्चों को हरी पत्तेदार सब्जियां दें। इसके अलावा उन्हें प्रतिदिन थोड़े से ड्राई फरूट्स भी खाने को दें। इससे उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती बनी रहती है।

जिंदगी के 14 साल कम कर देगी आपकी यह गलती

अगर आप अपने बढ़ते वजन पर कंट्रोल नहीं कर पा रहे हैं, न तो डाइट सेहतमंद लेते हैं और न ही खुद को फिट करने के लिए कसरत करते हैं तो आप अपने जीवन के 14 साल कम कर रहे हैं।यकीन नहीं आता तो अमेरिका के नेशनल कैंसर इंस्टिट्यूट द्वारा करवाए गए शोध पर गौर करें। शोधकर्ता का दावा है कि मोटापे के शिकार वे लोग जिनका बीएमआई 40 से अधिक है, उनका जीवनकाल 14 साल घट जाता है।

कई रोगों का है खतरा – पिछले 20 अलग-अलग शोधों के आधार पर किए गए इस अध्ययन में अत्याधिक मोटापे के कारण दिल के रोगों, कैंसर और डायबिटीज जैसे रोगों की आशंका जताई है। उन्होंने अपने अध्ययन में अधिक बीएमआई वाले लोगों के वजन की तुलना सामान्य वजन वाले लोगों से की है और इसी आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है। शोधकर्ता कैरी कितहारा के अनुसार, हमने अपने अध्ययन में पाया कि मोटापे की समस्या जिन लोगों को है उनकी मृत्यु दर सामान्य वजन वाले लोगों की अपेक्षा 2.5 गुना अधिक है।

ये उपाय हैं मददगार – शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में माना है कि खानपान और जीवनशैली पर नियंत्रण, कसरत और सेहतमंद डाइट की मदद से वजन को नियंत्रित रखा जा सकता है और असमय मृत्यु के रिस्क को कम किया जा सकता है।

नवजात शिशुओं को रोगों से बचाएगी यह नई थेरेपी

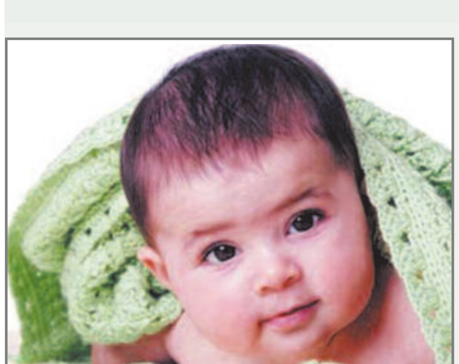

जन्म के समय ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे नवजात शिशुओं को कूलिंग थेरेपी देने से उन्हें सेरेब्रल पॉल्सी जैसी बीमारी से बचाया जा सकता है।

प्रसिद्ध शोध पत्रिका न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन के एक अध्ययन में यह पता चला है। इस शोध के अनुसार स्कूल जाने की उम्र में इन बच्चों का आईक्यू (इंटेलीजेंस कोशेंट) भी बेहतर होता है।

कूलिंग थेरेपी में नवजात शिशु को एक खास मैट पर तीन दिन तक 33 डिग्री सेंटीग्रेड पर रखा जाता है। इससे उनका दीर्घकालिक मानसिक क्षति से बचाव होता है।

ब्रिटेन में हर 500 में से एक नवजात शिशु को जन्म के समय ऑक्सीजन की कमी का सामना करता है।

ऑक्सीजन की कमी के कारण मस्तिष्क की कोशिकाएं मरने लगती हैं। इससे बच्चों के दिमाग़ को क्षति पहुंच सकती है, यहां तक कि कई बार उनकी मौत का ख़तरा भी रहता है।

कुछ समय पहले तक इस बीमारी का कोई स्वीकार्य तरीका नहीं था।

जीवित रहने की संभावना

साल 2009 में 300 से अधिक नवजात शिशुओं पर एक अध्ययन हुआ। उन्हें कूलिंग ट्रीटमेंट या थेरेप्युटिक हाइपोथर्मिया दिया गया।

इसके बाद पाया गया कि 18 महीने के शिशुओं में होने वाली मस्तिष्क की क्षति कम की जा सकती है।

कूलिंग थेरेपी वाले 45 फ़ीसदी नवजात शिशुओं में मस्तिष्क से जुड़ी कोई असामान्यता नहीं मिली। जबकि सामान्य उपचार वाले 28 फ़ीसदी बच्चों में दिमाग़ से जुड़ी असामान्यता पाई गई।

इसी तरह सामान्य थेरेपी वाले 36 फ़ीसदी बच्चों की तुलना में कूलिंग थेरेपी वाले केवल 21 फ़ीसदी नवजात शिशुओं में ही सेरेब्रल पॉल्सी पाई गई।

शोधकर्ताओं के मुताबिक़ अब अगला क़दम यह देखना होगा कि हाइपोथर्मिया के इलाज और सामान्य जीवित रहने की संभावना कैसे बढ़ाई जा सकती है।

'अगर तुम्हें कोई लड़का पसंद आए तो...' बेटी

जान्हवी कपूर

को डेटिंग पर क्या सलाह देती थीं श्रीदेवी?

दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी अपनी दोनों ही बेटियों जान्हवी कपूर और खुशी कपूर के काफी करीब थीं. हालांकि बड़ी बेटी जान्हवी से उनका खास लगाव था. जान्हवी भी अपनी मां को बेहद मानती थीं और वो उनके निधन के बाद बुरी तरह टूट गई थीं. जान्हवी अपनी मां की अभिनय की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं और उन्हें अब बॉलीवुड में काम करते हुए सात साल से भी ज्यादा समय हो चुका है.श्रीदेवी और बोनी कपूर ने अपनी बेटियों को बहुत अच्छी परवरिश दी है. श्रीदेवी अपनी बेटियों के हर काम पर और हर एक्शन पर नजर रखती थीं. वो जान्हवी और खुशी से डेटिंग को लेकर भी खुले तौर पर कह चुकी थीं. जान्हवी ने बताया था कि मां और पापा कहते थी कि अगर उन्हें कोई लड़का पसंद आए तो हम उससे उनकी शादी करा देंगे.

जान्हवी को डेटिंग लिए श्रीदेवी ने क्या कहा था ?

जान्हवी कपूर ने एक बार एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में खुलासा किया था कि डेटिंग को लेकर उनके पैरेंट्स उनसे क्या कहते थे ? जान्हवी के मुताबिक, मां और पापा डेटिंग लाइफ को लेकर बहुत ही ड्रामेटिक थे. वो कहते थे, अगर तुम्हें कोई लड़का पसंद आए तो हमें बताना, हम तुम्हारी शादी करा देंगे. मैं कहती थी- क्या ? हमारी शादी हर अच्छे लगने वाले लड़के से नहीं हो सकती. जान्हवी अपनी मां से कहा करती थी कि चिल और मस्ती के लिए भी तो किसी को डेट कर सकते हैं. हालांकि श्रीदेवी को बेटी की ये बात पसंद नहीं आती थी और वो जान्हवी से पूछती थी कि चिल ? चिल का क्या मतलब होता है ?

किनके साथ जुड़ा जान्हवी का नाम

2017 के दौरान जान्हवी का नाम पॉलिटिशियन सुशील कुमार शिंदे के नाती शिखर पहाड़िया से जुड़ा था. बाद में दोनों अलग हो गए थे. हालांकि दोनों एक बार फिर करीब आए और अब कथित तौर पर जान्हवी-शिखर फिर से रिश्ते में हैं. वहीं जान्हवी ने साल 2018 में जब 'धड़क' फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था तब उनका नाम को-एक्टर ईशान खट्टर से भी जुड़ा था. इसके अलावा अक्षत राजन संग भी एक्ट्रेस का नाम सुर्खियों में रहा. दोनों ने बॉस्टन की टफ्ट्स यूनिवर्सिटी से ही साथ में पढ़ाई की है.

2018 में हो गया था श्रीदेवी का निधन

श्रीदेवी हिंदी सिनेमा की सबसे पॉपुलर अदाकाराओं में गिनी जाती हैं. उन्हें 'लेडी अमिताभ बच्चन' भी कहा जाता था. महज चार साल की उम्र से उन्होंने कैमरा फेस करना शुरू कर दिया था. बतौर एक्ट्रेस 300 से ज्यादा फिल्मों में नजर आई श्रीदेवी का फरवरी 2018 में निधन हो गया था.

'मैं उसकी मीठी-मीठी बातों में फंस गई...' 17 साल की उम्र में टूटा था

प्रियंका चोपड़ा

का दिल

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक में नाम कमा चुकीं ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने अपनी फिल्मों और एक्टिंग के साथ ही अपनी पर्सनल लाइफ से भी खूब सुर्खियां बटोरी हैं. प्रियंका के कई अफेयर रहे हैं. शाहिद कपूर, शाहरुख खान और अक्षय कुमार संग उनके अफेयर की खबरें आईं. बाद में उन्होंने अमेरिकी सिंगर निक जोनस से शादी कर ली और अब वो एक हैप्पी लाइफ एन्जॉय कर रही हैं.

प्रियंका के कई अफेयर के बारे में लोगों को पता है. हालांकि क्या आपको ये पता है कि उनका पहला ब्रेकअप कब हुआ था ? जब वो मिस वर्ल्ड बनने वाली थीं और उससे पहले मिस इंडिया रनरअप थीं, ये उससे ठीक पहले की बात है. 17 साल की उम्र में प्रियंका को प्यार में धोखा मिला था. एक लड़के ने उनका दिल तोड़ दिया था और एक्ट्रेस ने अपने एक्स को लेकर कहा था कि मैं उसकी मीठी-मीठी बातों में फंस गई थी.

17 की उम्र में मिला प्यार में धोखा

प्रियंका चोपड़ा का जन्म 18 जुलाई 1982 को झारखंड के जमशेदपुर में हुआ था. प्रियंका ने दिग्गज एक्ट्रेस सिमी ग्रेवाल के शो 'Rendezvous With Simi Garewal' में अपने पहले रिश्ते को लेकर बात की थी. उन्होंने कहा था, मुझे बहुत गहरा धक्का लगा था. जब दिल टूटा, तब मैं बहुत छोटी थी. मुझे लगता है कि मैं उस वक्त 17 साल की थी.

मीठी मीठी बातों में फंस गई'

सिमी ग्रेवाल से बातचीत करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने आगे कहा था, मैं सदमे में थी और ये समझने के लिए बहुत छोटी थी कि आखिर मैं कर क्या रही हूं ? उस दौरान बस आपको ये पता होता है कि ये सही नहीं है.

मैं उसकी मीठी-मीठी बातों में फंस गई थी. मेरी कजिन्स मुझसे हमेशा कहती थी कि तुम ऐसा कैसे कर सकती हो, वो तुम्हारे लायक नहीं है. मुझे भी लगता था कि वो सही कह रही हैं.

2018 में निक जोनस से की शादी

प्रियंका ने साल 2018 में खुद से दस साल छोटे सिंगर निक जोनस से शादी की थी. इसके बाद एक्ट्रेस अमेरिका सेटल हो गई. अब दोनों एक बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस के पैरेंट्स हैं. मालती का जन्म जनवरी 2022 में सरोगेसी के जरिए हुआ था.

अक्षय ने दो बार मेरा इस्तेमाल किया...' ब्रेकअप के बाद टूट गई थीं शिल्पा शेट्टी, खाई थी ये कसम

अक्षय कुमार बॉलीवुड के असली दिलफेंक आशिक रहे हैं. उनका नाम हिंदी सिनेमा की करीब आधा दर्जन हसीनाओं के साथ जुड़ा है. पूजा बत्रा, आयशा जुल्का, रवीना टंडन और शिल्पा शेट्टी संग उनका नाम जुड़ चुका है. वहीं ट्विंकल खन्ना से शादी के बाद प्रियंका चोपड़ा संग भी उनके अफेयर की खबरें आई थीं. हालांकि अक्षय के सबसे ज्यादा चर्चित अफेयर रवीना टंडन और शिल्पा शेट्टी के साथ रहे हैं.ट्विंकल खन्ना से शादी करने से पहले अक्षय कुमार ने रवीना टंडन को डेट किया था. हालांकि फिर दोनों अलग हो गए थे. इसके बाद उन्होंने शिल्पा शेट्टी को डेट करना शुरू किया. शिल्पा इस रिश्ते को लेकर बेहद सीरियस थीं. हालांकि उन्हें अक्षय से धोखा मिला था. अक्षय ने अचानक से उन्हें छोड़ दिया और ट्विंकल के प्यार में पड़ गए. फिर उनसे शादी भी कर ली. अक्षय की इस हरकत से शिल्पा को बहुत बड़ा झटका लगा था. ब्रेकअप के बाद शिल्पा ने एक बातचीत में 'खिलाड़ी कुमार' पर कई गंभीर आरोप लगाए थे.

अक्षय ने मेरा दो बार इस्तेमाल किया

बताया जाता है कि अक्षय और शिल्पा की नजदीकियां 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' फिल्म की शूटिंग के दौरान बढ़ी थीं. दोनों ने एक-दूसरे से साथ अच्छा खासा वक्त बिताया था. हालांकि अक्षय ने फिर ट्विंकल खन्ना के लिए शिल्पा को चीट कर दिया था. रिश्ता खत्म होने के बाद शिल्पा ने साल 2000 में उमेश जिवनानी से बातचीत में बताया था कि अक्षय ने मेरा दो बार इस्तेमाल किया था और मुझे छोड़ दिया था. एक्ट्रेस ने कहा था, अक्षय मेरे साथ कुछ ऐसा करेगा ये मैंने कभी नहीं सोचा था. जब उन्हें कोई और मिल गई तो मुझे छोड़ दिया, मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मेरे अंदर इससे निकलने की ताकत है.

अक्षय को कभी माफ नहीं करूंगी

अक्षय से मिले धोखे से शिल्पा बहुत आहत हुई थीं. फिर उन्होंने ये भी कहा था कि मैं अक्षय को कभी माफ नहीं करूंगी और ना ही उनके साथ कभी काम करूंगी. एक्ट्रेस ने कहा था, अक्षय धोखे से लड़कियों से सगाई कर लेते थे और मंदिर ले जाकर शादी का वादा करते थे, लेकिन किसी और लड़की से मिलने के बाद वो अपने वादे भूल जाते थे और शादी के वादे से पलट जाते थे.

कौन है बिमल पारेख? जो बॉलीवुड सितारों के एक-एक पैसे का रखता है हिसाब

फिल्मों का 'राजा' कौन ? इस सवाल के जवाब के लिए लोग बॉक्स ऑफिस कलेक्शन देखते हैं. रियल लाइफ और कमाई में चद्धहत्त कौन ? इसके जवाब के लिए स्टारडम और कुल संपत्ति देखी जाती है. हर साल एक्टर्स करोड़ों की कमाई करते हैं. बात जब सुपरस्टार आमिर खान की हो, तो सोचा है कि वो पैसे कमाते तो हैं. पर इसे संभालने की जिम्मेदारी किसके हाथ है ? खुद उनके, बच्चों के या फिर एक्स पत्नी और गर्लफ्रेंडज्‌ सबका सीधा जवाब है- इनमें से कोई भी नहीं. यह जिम्मा खुद उन्होंने बिमल पारेख को सौंपा हुआ है. आखिर कौन है ये शख्स ? जिसके लिए आमिर खान ने कहा कि- वो मुझे एक पल में कंगाल कर सकता है.

आमिर खान ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान बिमल पारेख का जिक्र किया था. जिसे मजाक में अपनी सौतेली मां बताते हुए भी दिखाई दिए थे. सुपरस्टार का कहना था कि शुरुआत से ही उनका पूरा ध्यान क्रिएटिविटी पर रहा है. पैसों में कभी कोई दिलचस्पी नहीं रही. उनके पूरे पैसों की जिम्मेदारी बिमल पर है. यहां तक बोल गए थे कि वो मेरे पैसों का क्या करता है वो नहीं जानते. वो चाहे तो एक पल में उन्हें कंगाल कर सकता है और एक्टर उसे रोक नहीं पाएंगे. पर बिमल पारेख है कौन ? आइए बताते हैं.

कौन है बिमल पारेख ?

बिमल पारेख बॉलीवुड वालों के पसंदीदा चार्टेड अकाउंटेंट (CA) हैं. साथ ही फाइनेंशियल एडवाइजर भी हैं. सिर्फ आमिर खान ही नहीं, वो रणबीर कपूर, कटरीना कैफ, जूही चावला से लेकर कपिल शर्मा तक के सीए हैं. साथ ही कई प्रोडक्शन हाउसेज को फाइनेंशियल गाइडेंस दे चुके हैं. जिसमें फरहान अख्तर-रितेश सिधवानी का E&cel Entertainment, जोया अख्तर-रीमा का टाइगर बेबी, भंसाली और आशुतोष गोवारिकर का प्रोडक्शन हाउस शामिल है.

हाल ही में द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से बिमल पारेख ने खास बात की. साथ ही कहा कि, वो खुद को पावरफुल नहीं मानते. मैं चार्टेड अकाउंटेंट बना, क्योंकि मेरे पिता भी थे. आप की असली पावर उन लोगों से आती है, जिनके साथ आप काम करते हैं. इस दौरान बिमल पारेख ने बताया कि फिल्म में काम कर रहे लोग पैसे नहीं देते. लेकिन इतने सालों में एक भी क्लाइंट को डिफॉल्ट नहीं किया गया है.